THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

ईडी ने कुर्क की पूर्व एमएलसी जेसी प्रभाकर रेड्डी की संपत्तियां

अनंतपुर, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने बीएस-4 वाहन पंजीकरण घोटाले के सिलसिले में पूर्व एमएलसी और तड़ीपत्री नगरपालिका अध्यक्ष जेसी प्रभाकर रेड्डी की संपत्तियों को कुर्क किया है।

आज यहां एक बयान में, ईडी के अधिकारियों ने कहा कि वे दिवाकर रोड लाइन्स, रुतधारा इंडस्ट्रीज और सी. गोपाल रेड्डी एंड कंपनी जैसी कंपनियों की संपत्तियों को कुर्क कर रहे हैं, जिनके मालिक गोपाल रेड्डी के अनुयायी हैं, जो प्रभाकर रेड्डी के मुख्य अनुयायी हैं। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने 22.10 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

वर्ष-27 अंक : 257 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु. 8/9 2079 गुरुवार, 1 दिसंबर 2022 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीबीआई ने मंत्री व सांसद को किया तलब

फर्जी अधिकारी की गिरफ्तारी का मामला

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर और टीआरएस सांसद वद्दिराजू रविचंद्र को नोटिस जारी कर उन्हें गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में पेश होने के लिए कहा। उन्हें एक फर्जी सीबीआई अधिकारी श्रीनिवास की गिरफ्तारी के संबंध में नोटिस दिया गया है, जो कथित रूप से दोनों टीआरएस नेताओं से जुड़ा हुआ है। सीबीआई की एक टीम मंत्री गंगुला कमलाकर के करीमनगर स्थित आवास पर पहुंची और उन्हें नोटिस दिया। उसी प्रकार सीबीआई की एक और टीम ने टीआरएस सांसद वद्दिराजू रविचंद्र को नोटिस दिया है।

28 नवंबर को, सीबीआई ने विशाखापट्टनम में चिन्नावाल्टेयर के कोवीरेड्डी श्रीनिवास राव को सीबीआई में एक संयुक्त निदेशक का रूप धारण करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एक बयान में, सीबीआई ने उल्लेख किया कि उन्होंने सीबीआई के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के रूप में काम करने के आरोप में विशाखापत्तनम के चिन्नावलटेयर निवासी एक निजी व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी कथित तौर पर खुद को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी)/आईपीएस बताकर तमिलनाडु हाउस में रह रहा था।

सीबीआई ने कहा कि वह विभिन्न मामलों में अनुकूल प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए अज्ञात लोक सेवकों के साथ पैरवी करने के लिए अज्ञात व्यक्तियों से अनुचित लाभ के ऐवज में एक आईपीएस अधिकारी और सीबीआई के संयुक्त निदेशक के रूप में खुद को प्रतिरूपित कर रहा है, जिसमें विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज मामले शामिल हैं।

तेलंगाना में महिला टीचर ने छात्रा को पीटा

सोशल मीडिया पर टीचर की फोटो शेयर कर लिखा था बोरिंग

हैदराबाद,30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महिला टीचर ने एक छात्रा को लकड़ी से जमकर पीटा। पीटने का कारण ये था कि लड़की ने सोशल मीडिया पर टीचर की फोटो पोस्ट की थी और उसके कैप्शन में "बोरिंग' लिखा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसी बात से नाराज टीचर ने उस छात्रा समेत कई छात्राओं की पिटाई की।

साथी छात्राओं ने घटना का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला टीचर छात्राओं को लकड़ी से पीट रही है। घटना कामारेड्डी जिले के सरकारी इंस्टीट्यूट की है।

छात्रा ने माफी मांगी फिर भी पीटा

मदनूर मंडल में इंटरमीडिएट की फर्स्ट ईयर स्टूडेंट ने पिछले हफ्ते क्लास के दौरान अपने फोन में टीचर की फोटो क्लिक की थी, जिसे बाद में उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। जब टीचर को इस बारे में पता चला तो उन्होंने मंगलवार को छात्रा से इस बारे में पूछा। हालांकि छात्रा ने अपनी गलती मानी और टीचर से माफी मांगी। लेकिन टीचर ने फिर भी उसकी पिटाई की। टीचर ने क्लास की अन्य छात्राओं को भी पीटा और पनिशमेंट दी।

13 सीसीटीवी चुराने वाला बंदर कैमरे में कैद

कन्याकुमारी,30 नवंबर (एजेंसियां)। कन्याकुमारी में सीसीटीवी चुराने वाले बंदर का वीडियो वायरल हो गया है। प्लायवुड शॉप में पिछले कुछ समय से कैमरा चोरी हो रहे थे। दुकानदार इस बात से परेशान था। क्योंकि चोर का चेहरा सामने नहीं आ पा रहा था। फिर एक वीडियो में असली चोर की हरकत रिकॉर्ड हो गई। ये जानकर खुद दुकानदार भी हैरान है।

दुकान से 13 कैमरे चोरी हुए थे

रिपोर्ट्स के मुताबिक कन्याकुमारी में प्लायवुड शॉप में पिछले कई दिनों से कैमरे चोरी हो रहे थे। दुकानदार ने

कई बार कैमरे बदले, बार-बार चोरी होने से वह परेशान था।

लेकिन कैमरा नंबर 7 में सिगनल टूटने से पहले ऐसा फुटेज कैप्चर हो गया, जिसे देखकर हंसी आ जाए। यह चोर एक बंदर निकला, जिसने कैमरा निकालने में अपनी पूरी ताकत लगा दी।

बेलगावी की फाइट 'बेलगाम'!

70 साल बाद भाजपा के लिए पैदा हुआ धर्मसंकट

- 1956 में पुनर्गठन अधिनियम के बाद पैदा हुआ विवाद
- कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच बॉर्डर को लेकर टकराव
- दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें और केस सुप्रीम कोर्ट में

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। आजादी मिलने के बाद राज्यों की सीमाएं फिर से बदलीं। 1947 में स्वतंत्रता मिलने के समय भारत 500 से ज्यादा रियासतों में बंटा हुआ था। 1953 में राज्यों के फिर से गठन के लिए आयोग बना। इसका उद्देश्य शासन प्रबंधन में आसानी के लिए राज्यों की सीमाओं का नए सिरे से निर्धारण करना था। खास बात यह कि जाति या धर्म नहीं, भाषा राज्यों का आधार बनी। राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 ने इस काम को पूरा भी किया, लेकिन महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच बॉर्डर पर जमीन के एक टुकड़े को लेकर विवाद खड़ा हो गया। साल और दशक बीतते गए लेकिन कोई हल नहीं निकला। सुप्रीम कोर्ट में आज सीमा विवाद से जुड़े इस मामले पर सुनवाई होनी है। आज सुप्रीम कोर्ट में भाजपा विरुद्ध भाजपा की लड़ाई है। जी हां, दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में सत्तारूढ़ पार्टी के अजीब धर्मसंकट की स्थिति पैदा हो गई है।

महाराष्ट्र की मांग कर्नाटक के पांच जिलों के 865 गांव (7000 एकड़ भूमि) हमें दे दीजिए

भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद यह सीमा विवाद 1960 के दशक से बना हुआ है। दरअसल, महाराष्ट्र तत्कालीन

"बॉम्बे प्रेसीडेंसी' का हिस्सा रहे बेलगावी पर अपना दावा करता है क्योंकि यहां मराठी भाषा बोलने वालों की अच्छी खासी आबादी है। महाराष्ट्र ने कई मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया है जो वर्तमान में कर्नाटक का हिस्सा हैं। महाराष्ट्र का कहना है कि मराठी भाषी इलाकों को गलत तरीके से कन्नड़ बहुल कर्नाटक को दे दिया गया। हम सीमावर्ती क्षेत्रों में मराठी भाषी लोगों को इंसाफ दिलाने का काम कर रहे हैं। महाराष्ट्र की एक इंच जमीन भी नहीं जाने देंगे।

सीएम एकनाथ शिंदे, कर्नाटक से सीमा विवाद पर बाल ठाकरे का रोल

भाजपा के भीतर इस मुद्दे को सुलझाने के लिए गंभीर बैठकें शुरू हो गई हैं। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने दिल्ली में भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई वरिष्ठ वकीलों से बातचीत की। पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी सुप्रीम कोर्ट में दक्षिणी राज्य की तरफ से पेश होंगे। कर्नाटक का कहना है कि महाराष्ट्र की याचिका ही अवैध है क्योंकि किसी भी राज्य के मामले में पुनर्गठन की समीक्षा नहीं की गई है। महाराष्ट्र में भाजपा के समर्थन से एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं। शिंदे जोर देकर कहते हैं कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे बेलगाम (बेलगावी) को महाराष्ट्र का हिस्सा बनाने की मांग के समर्थन में थे।

कन्नड़ विरुद्ध मराठी

पहले बेलगाम बहुभाषी बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। विजयपुरा, बेलगावी, धारवाड़ और उत्तर कन्नड़ जैसे कर्नाटक के जिले पहले बॉम्बे प्रेसीडेंसी में ही थे। 1947 में आजादी मिलने के बाद बेलगाम बॉम्बे का हिस्सा बना। 1881 की जनगणना के अनुसार, बेलगाम में 64 फीसदी से ज्यादा लोग कन्नड़ भाषा बोलते थे और 26 प्रतिशत से ज्यादा मराठी।

हालांकि 1940 के आसपास मराठी भाषी नेताओं का बेलगाम में दबदबा हो गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जिले को प्रस्तावित संयुक्त महाराष्ट्र राज्य में शामिल किया जाए। विरोध के बावजूद राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 में बेलगाम और 10 तालुकाओं को बॉम्बे स्टेट से तत्कालीन मैसूर स्टेट में शामिल कर दिया गया। 1973 में मैसूर राज्य का नाम कर्नाटक पड़ा। >14

सीएम भगवंत मान के घर के बाहर मजदूरों पर लाठीचार्ज

संगरूर। पंजाब के संगरूर में बुधवार को सीएम भगवंत मान के आवास पर मजदूरों ने अपनी कई मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके चलते पंजाब पुलिस ने मजदूरों पर लाठीचार्ज की। बताया जा रहा है कि मजदूर यूनियन रोज का मेहनताना बढ़ाकर 700 रुपए करने की मांग कर रहे थे। बता दें कि मान इस समय गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए गए हुए हैं।

लिव-इन पार्टनर की हत्या

बैंगलूरू। श्रद्धा मर्डर केस के बाद अब कर्नाटक से ऐसा मामला सामने आया है जिसमें एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। यहां के होरामावू इलाके में संतोष धामी नाम के व्यक्ति का अपनी गर्लफ्रेंड और लिव-इन पार्टनर कृष्णा कुमारी से झगड़ा हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि संतोष ने कृष्णा का सिर दीवार में दे मारा। नेपाल की रहने वाली कृष्णा पेशे से ब्यूटीशियन थी। दोनों कई साल से साथ रह रहे थे। पुलिस ने संतोष को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

खाई में गिरे दो कंटेनर, एक की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के खोपोली घाट में बुधवार को दो कंटेनर 100 फीट गहरी खाई में गिर गए। जानकारी के मुताबिक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मौके पर फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौजूद है।

दिल्ली शराब घोटाले में डायरेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीआई ने इस मामले में 25 नवंबर को 7 आरोपियों के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। अरोड़ा को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का करीबी बताया जा रहा है।

जैविक गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट से प्रतिबंध हटाया

नई दिल्ली। सरकार ने टूटे चावल सहित जैविक गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट से प्रतिबंध हटा लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से सितंबर की शुरुआत में टूटे चावल के एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया था।

घर में लगी आग छह जिंदा जले

लखनऊ। यूपी के फिरोजाबाद जिले में एक घर में भीषण आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे, दो महिला और एक पुरुष शामिल हैं। यह जानकारी एसएसपी आशीष तिवारी ने दी है। घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया है। हादसे में मरने वालों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता दिए जाने की घोषणा की है। घर में इनवर्टर बनाने का काम होता था। आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने 10 आतंकियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार को अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मुठभेड़ के दौरान 10 आतंकवादियों को मार गिराया। यह जानकारी सेना के मीडिया विंग ने दी है। उन्होंने बताया कि होशब इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने को खाली करने के लिए ऑपरेशन चलाया था। इसी ऑपरेशन के दौरान ये आतंकवादी मारे गए हैं। हालांकि ये आतंकवादी किस संगठन के थे, ये नहीं बताया गया है।

किसान को 205 किलो प्याज के मिले सिर्फ 8.36 रुपये

415 किमी का सफर कर पहुंचा था फसल बेचने

बैंगलूरू,30 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर एक रसीद वायरल हो रही है, जिसे देख लोगों को गुस्सा आ गया। मामला कर्नाटक के गदग का है। जहां से एक किसान प्याज बेचने के लिए 415 किलोमीटर का सफर करके यशवंतपुर (बेंगलुरु) पहुंचा। यहां उसे 205 किलोग्राम प्याज के बदले कुल 8.36 रुपये ही मिले।

रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक के गदग जिले के किसान पावादेप्पा हल्लीकेरी 415 किलोमीटर की दूरी तय करके बेंगलुरु के यशवंतपुर बाजार में अपनी प्याज की उपज बेचने गए थे, लेकिन वहां उन्हें 205 किलोग्राम प्याज बेचने पर केवल 8.36 रुपये मिले। इससे नाराज पावादेप्पा ने फसल बेचने की रसीद सोशल मीडिया पर साझा की और दूसरे किसानों को बेंगलुरु आकर अपनी फसल न बेचने की हिदायत दी। उन्होंने बताया- बिल जारी करने वाले थोक व्यापारी ने उन्हें प्याज की कीमत 200 रुपये प्रति क्विंटल बताई थी, जो कुछ रोज पहले

500 रुपये के आसपास थी। दरअसल, किसान को 200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कुल 410 रुपये मिलने थे, लेकिन प्याज खरीदने वाले व्यापारी ने कुली शुल्क के 24 रुपये और माल ढुलाई के 377.64 रुपये काट लिए, जिसके बाद किसान को पूरी फसल के सिर्फ 8 रुपये ही मिले।

किसान ने मीडिया से बताया कि उन्होंने प्याज की फसल उगाने और उसे बाजार तक पहुंचाने के लिए 25,000 रुपये से ज्यादा खर्च किए थे। उन्होंने आगे कहा- यशवंतपुर में पुणे और तमिलनाडु के किसानों को उपज के लिए अच्छी कीमत मिल रही है क्योंकि उनकी फसल बेहतर है, लेकिन हमने नहीं सोचा था कि हमें अपनी उपज की इतनी कम कीमत मिलेगी। वहीं मामले में 'कर्नाटक राज्य रायता संघ' के जिलाध्यक्ष यल्लप्पा बाबरी ने राज्य सरकार से प्याज का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित करने की मांग की है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह विरोध परदर्शन करेंगे। >14

पंजाब की राजनीति में सिद्धू फैक्टर असरदार

चंडीगढ़,30 नवंबर (एजेंसियां)। रोड रेज मामले में पटियाला सेंट्रल जेल में 1 साल की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के 26 जनवरी को रिहा होने की चर्चाएं लगातार जोर पकड़ने लगी हैं। साथ ही प्रियंका गांधी द्वारा सिद्धू को लिखी चिट्ठी में भी उन्हें पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने से पंजाब कांग्रेस के बड़े नेता अब मुखर होने लगे हैं, क्योंकि सिद्धू की रिहाई के बाद पंजाब कांग्रेस में दोबारा फेरबदल की आशंकाएं जोर पकड़ने लगी हैं। पार्टी अध्यक्ष से लेकर मुख्यमंत्री पद के चेहरे और मिशन 2024 की रणनीति किस प्रकार रहेगी, इन सभी मुद्दों पर पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति गरमाने लगी है।

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने प्रियंका गांधी द्वारा सिद्धू को लिखी चिट्ठी पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा है कि यदि प्रियंका गांधी ने सिद्धू को चिट्ठी लिखी है तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए, क्योंकि साल 2021 में कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफा देने के बाद सीएम पद के दावेदारों में सिद्धू के अलावा सुखजिंदर सिंह रंधावा का नाम शामिल था।

'अमेरिका, ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट की तरह हम नहीं कर सकते : सीजेआई चंद्रचूड़

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की संख्या दोगुनी करने वाली जनहित याचिका को सुनने से किया इनकार

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में वर्षों से लंबित मामलों को कम करने के लिए जजों की संख्या दोगुनी करने की

मांग वाली जनहित याचिका को सुनने से इनकार किया है। याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय ने अमेरिका और ब्रिटेन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां आबादी के हिसाब से जजों का अनुपात बेहतर है, इसलिए केस पेंडिंग नहीं रहते। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वहां तो सुप्रीम कोर्ट साल में 100 से 150 केसों का फैसला करते हैं, हम ऐसा नहीं कर सकते।

सीजेआई ने कहा, 'अगर जजों का वहीं अनुपात हम भी रखें तब हमारे यहां भी केस पेंडिंग नहीं रहेंगे। लेकिन हमारा अपना सिस्टम है जहां छोटी-छीटी बात पर लोग सुप्रीम कोर्ट आ जाते हैं। इसके अलावा तमाम तरह की जनहित याचिकाएं होती हैं जो अदालतों का काफी समय लेती हैं और जजों पर बोझ डालती हैं।' सीजेआई ने कहा कि अपने यहां तो मौजूदा वैकेंसी को भरना ही अपने आप में चैलेंज हैं। बेंच याचिका को सुनने के मूड में नहीं है, ये भांपने के बाद उपाध्याय ने ये वादा करते हुए पीआईएल वापस ले ली कि वह बेहतर रिसर्च के साथ याचिका डालेंगे।

दरअसल, जुडिशरी के लिए वर्षों या यूं कहें कि दशकों से लंबित मामले एक बहुत बड़ी चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल 69,781 मामले लंबित हैं। इसी तरह हाई कोर्ट्स में 59.6 लाख मामले पेंडिंग हैं। जिला अदालतों में तो 4.3 करोड़ से भी ज्यादा केस लंबित हैं। एक नवंबर तक देश की अदालतों में करीब 5 करोड़ केस पेंडिंग थे।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई को लेकर जजों के स्वीकृत पदों की संख्या 34 है लेकिन इनमें से 7 पद रिक्त हैं। इसी तरह हाई कोर्ट में जजों के 1,108 पद हैं जिनमें से 336 खाली हैं।

नवाब मलिक को लगा करारा झटका

मुंबई ,30 नवंबर (एजेंसियां)। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को करारा झटका लगा है। बुधवार को उनकी जमानत याचिका को यहां की एक विशेष अदालत ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े ने 14 नवंबर को दोनों पक्षों की लंबी दलीलों को सुनने के बाद मलिक की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने पहले कहा था कि वह अपना आदेश 24 नवंबर को सुनाएगी। हालांकि, उस दिन अदालत ने यह कहते हुए मामले को 30 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया कि आदेश तैयार नहीं था। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस साल फरवरी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता को गिरफ्तार किया था। वह न्यायिक हिरासत में है और फिलहाल यहां एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

मलिक ने जुलाई में विशेष अदालत के समक्ष नियमित जमानत याचिका दायर की थी।

48 हजार साल बाद सोकर उठा जॉम्बी वायरस, भारत पर भी होगा असर?

भारत जैसे देश को आने वाले समय में महामारियों के लिए करनी होगी बड़ी तैयारी

नई दिल्ली,30 नवंबर (एजेंसियां)। तो क्या दुनिया एक और महामारी के मुहाने पर खड़ी है? दुनिया जहां अभी कोरोना वायरस के खतरे से उबरती दिख रही है वहीं, अब नए वायरस की दस्तक की खबर सिहरन पैदा करने वाली है। दरअसल, रूस के बर्फ वाले इलाके में 48 हजार साल से दबे जॉम्बी वायरस को वैज्ञानिकों ने जिंदा कर दिया है। ये खतरनाक वायरस रूस के एक झील में हजारों साल पहले दफ्न हो गया था। लेकिन इसकी अब इसके 'जिंदा' होने के बाद भारत जैसे देशों के लिए भी बड़े खतरे की घंटी है।

भारत दुनियाभर को ग्लोबल वार्मिंग को लेकर चेतावनी देता रहा है। कहा जा रहा है कि अगर दुनिया में बढ़ती गर्मी के कारण रूस और साइबेरिया की जमी बर्फ पिघलती है तो दुनिया में कोहराम मच जाएगा। जॉम्बी वायरस इतना खतरनाक है कि यह कोशिका वाले छोटे जीवों को भी संक्रमित कर देता है। अब सवाल उठता है कि क्या भारत जैसे देशों को इसके लिए किस तरह की तैयारी करनी होगी? दरअसल, कोरोना के बाद से दुनिया अब आने वाली महामारी की काट खोजने में जुटी है। भारत जैसे देश भी ऐसे वायरस से निपटने में सक्षम है। लेकिन कोरोना ने जो त्रासदी दुनिया को दी है वो डराने वाली थी। हालांकि, जॉम्बी वायरस का खतरा अभी वास्तविक तो नहीं है लेकिन हमें हर स्तर की तैयारी करके रखनी होगी। भारत जैसे देशों में भी ग्लोबल वार्मिंग का खतरा है। सुंदरबन इलाके का हिस्सा जलमग्न हो रहा है।

गुजरात में 500 करोड़ की ड्रग्स जब्त

केमिकल फैक्ट्री की आड़ में तैयार की जा रही थी, पांच अरेस्ट

वडोदरा,30 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में एक्शन टास्क फोर्स (एटीएस) को बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने वडोदरा के पास एक फैक्ट्री में छापा मारकर 500 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स बरामद की है। इस मामले में अब तक 5 लोगों को अरेस्ट किया गया है। वहीं, मौके से फरार अन्य 4 लोगों की तलाश की जा रही है।

केमिकल की आड़ में बनाई जा रही थी ड्रग्स

एटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि वडोदरा शहर के नजदीक सिंधरोट गांव की एक केमिकल फैक्ट्री में एमडी ड्रग्स तैयार किए जाने की जानकारी मिली थी। इसके बाद हमारी टीम पिछले दो दिनों से इसकी जांच में जुटी थी। जांच पूरी होने के बाद मंगलवार की देर रात फैक्ट्री में छापा मारा गया और यहां से यहां से करीब 100 किलो ड्रग्स का जखीरा जब्त किया। छापेमारी के दौरान एटीएस ने पांच लोगों को मौके से अरेस्ट किया है। वहीं, 4 आरोपी अंधेरे के फायदा उठाकर भाग निकले।

भैंसों के तबेले में छिपाकर रखी गई थी ड्रग्स

गुजरात एटीएस ने बताया कि यहां एक केमिकल फैक्ट्री है। फैक्ट्री के बगल में ही एक शेड में ड्रग्स तैयार की जा रही थी।

इस शेड में भैंसों का तबेला भी है, जिसकी आड़ में ड्रग्स छिपाकर रखी जाती थी। एटीएस ने अधिक जानकारी दिए बिना कहा कि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए अभियान अभी जारी है। इसकी भी जांच जारी है कि केमिकल फैक्ट्री के कौन-कौन से लोग इस नशे के कारोबार में शामिल हैं।

बिहार में दो किमी सड़क चोरी

2 गांवों को जोड़ने वाली सड़क जोतकर दबंगों ने गेहूं बो दिया; मारपीट भी कर रहे

बांका,30 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले में एक सड़क चोरी हो गई। हैरान करने वाला यह मामला जिले के रजौन प्रखंड के खरौनी गांव का है। यहां रातों-रात करीब 2 किमी सड़क गायब हो गई। सड़क की जगह जोता हुआ खेत नजर आया। 5 दिन पहले शाम तक लोग इसी सड़क से गुजरते थे, लेकिन अगली सुबह इससे गुजरने वाले लोग जैसे ही यहां पहुंचे हैरान रह गए।

पूरी सड़क ही गायब थी। पहले तो कुछ लोगों को लगा कि वे रास्ता भटक गए। सड़क अचानक खत्म हो गई और सामने सिर्फ खेत दिख रहा था जिसमें फसल लगी थी। बाद में पता चला सड़क चोरी हो गई। इसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

सड़क पर कर दी गेहूं की बुवाई

2 गांवों को जोड़ने वाली सड़क की जुताई कर दबंगों ने वहां गेहूं की बुवाई कर दी है। पास के खरौनी गांव के लोगों ने ही रोड पर कब्जा किया है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। खादमपुर गांव के लोग पिछले कुछ दिनों से पगडंडी के सहारे आने जाने को मजबूर हैं। विरोध करने पर दबंग लोग लाठी-डंडे से खदेड़ देते हैं। अब इस मामले को लेकर खादमपुर गांव के लोगों ने अंचलाधिकारी मोहम्मद मोइनुद्दीन को बुधवार को आवेदन दिया है। साथ ही इस पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

'रावण' विवाद में कूदे गृहमंत्री अनिल विज

बोले- कांग्रेस ने अपने अंदर रावण छुपा कर रखा है...

अंबाला, 30 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात चुनाव में दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के रावण वाले बयान के बाद भाजपा इस पर लगातार हमलावर नजर आ रही है। भाजपा के तमाम नेता इसपर पलटवार कर कांग्रेस को घेरने में लग गए हैं। इसी कड़ी में रावण विवाद में हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज भी कूद गए हैं। अनिल विज ने ट्वीट कर कहा कि 'रावण को तो श्री राम जी ने युगों पहले मार दिया था परंतु कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान से लगता है कि कांग्रेस ने अपने अंदर रावण को छुपा कर रखा हुआ है तभी उसका असर कांग्रेस में समय-समय पर देखने को मिलता है।'

11 दोषियों की समय से पहले रिहाई क्यों

बिलकिस बानो ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

गोधरा कांड के बाद गुजरात में दंगे भड़क गए थे और इसी दंगे के दौरान 3 मार्च 2002 को दाहोद जिले के रंधिकपुर गांव में भीड़ ने बिलकिस बानो के परिवार पर हमला किया था। बिलकिस बानो, जो उस समय पांच महीने की गर्भवती थी, के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था।

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2002 के गोधरा दंगों के दौरान सामूहिक दुष्कर्म और परिवार के सदस्यों की हत्या करने वाले 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई को चुनौती देते हुए बिलकिस बानो ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी है। इसमें 13 मई के आदेश पर दोबारा विचार करने की मांग की गई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि गैंगरेप के दोषियों की रिहाई में 1992 में बने नियम लागू होंगे। इसी आधार पर 11 दोषियों की रिहाई हुई थी। वहीं बिलकिस बानो के वकील ने लिस्टिंग के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। इस दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि वह इस मुद्दे की जांच करेंगे कि क्या दोनों याचिकाओं को एक साथ सुना जा सकता है और क्या उन्हें एक ही बेंच के सामने सुना जा सकता है?

जानें 13 मई के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था?

बता दें कि 13 मई को सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि सजा 2008 में मिली, इसलिए रिहाई के लिए 2014 में गुजरात में बने कठोर नियम लागू नहीं होंगे। 1992 के नियम ही लागू होंगे जिसके तहत गुजरात सरकार ने 14 साल की सजा काट चुके लोगों को रिहा किया था। अब बिलकिस बानो 13 मई के आदेश पर पुनर्विचार की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि जब मुकदमा महाराष्ट्र में चला, तो नियम भी वहां के लागू होंगे गुजरात के नहीं।

इससे पहले भी दो याचिकाएं दायर

बिलकिस बानो केस में इससे पहले भी दो याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं। मुख्य याचिका के बाद 21 अक्तूबर को एक महिला संगठन की ओर से भी याचिका दायर की गई थी। जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने यह याचिका भी मुख्य याचिका के साथ जोड़ दी। दोनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की जाएगी। शीर्ष कोर्ट 'नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमन' द्वारा दायर एक याचिका पर पहले से सुनवाई कर रही है। इसमें सजा की छूट और मामले में दोषियों की रिहाई को चुनौती दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के जवाब को बताया था भारी भरकम

सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्तूबर को कहा था कि सजा में छूट को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुजरात सरकार का जवाब बहुत भारी है। इसमें कई फैसलों का हवाला दिया गया है, लेकिन तथ्यात्मक बयान गायब हैं। इसके बाद शीर्ष कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को गुजरात सरकार के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए समय देते हुए 29 नवंबर को मामले की आगे सुनवाई तय की।

जानें क्या है मामला?

बता दें, यह मामला गोधरा कांड के बाद 2002 में हुए हुए गुजरात दंगों से जुड़ा है। तब बिलकिस बानो 21 साल की थी और पांच माह की गर्भवती थीं। दंगों के बीच भागते समय बिलकिस के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था और उसके परिवार के सात सदस्य की हत्या कर दी गई थी। मृतकों में उसकी तीन साल की बेटी भी शामिल थी।

15 साल जेल काटने के बाद हुई रिहाई

उधर, गुजरात सरकार का कहना है कि उसने अपनी सजा माफी नीति के अनुरूप 11 दोषियों को छूट दी है। इन दोषियों को इसी साल 15 अगस्त को जेल से रिहा किया गया। दोषियों को गोधरा उप-जेल में 15 साल से अधिक की सजा काटने के बाद छोड़ा गया है।

जम्मू में 13 अलग-अलग स्थानों पर सीबीआई का छापा

पेपर लीक मामले में की जा रही कार्रवाई

जम्मू, 30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को जम्मू में 13 अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि वित्तीय लेखा सहायकों की भर्ती के लिए आयोजित पेपर के लीक मामले में ये कार्रवाई की जा रही है। सीबीआई की टीमें इन स्थानों पर पुलिस बल के साथ पहुंची है और यहां पर रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

मंडला बार्डर पर जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया

मंडला, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मंडला जिले में पुलिस और नक्सल के बीच बुधवार को मुठभेड़ हुई है। इसमें हॉक फोर्स के जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। साथ ही कुछ नक्सली सामग्री भी बरामद की गई है। मामला मोतीनाला थाना क्षेत्र अंतर्गत सूपखार इलाके का है। दरअसल, मंडला जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह ने पुष्टि करते हुए बताया कि मंडला-बालाघाट जिले की संयुक्त हॉकफोर्स टीम ने कान्हा किसली पार्क से आगे सूपखार इलाके में हुए मुठभेड़ में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया है। उन्होंने घटना की जानकारी फोन पर देते हुए बताया कि पुलिस को इलाके में नक्सलियों के मूवमेंट की सूचना मिली, जिसके बाद मंडला-बालाघाट जिले की संयुक्त हॉकफोर्स टीम मौके पर पहुंची।

राज ठाकरे ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा मुद्दे पर उठाया सवाल

बोले- 'मुख्य खबरों' से ध्यान हटाना इसका मकसद तो नहीं?

मुबंई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि कहीं महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद) जैसे मुद्दों को उछालने का मकसद ''मुख्य खबरों'' से ध्यान भटकाना तो नहीं है. 1960 के दशक में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से सीमा विवाद के मुद्दे जारी हैं. दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद के बारे में पूछे जाने पर राज ठाकरे ने कहा, ''मुझे समझ में नहीं आता कि यह मुद्दा बार-बार और अचानक क्यों उठता है. यह मुद्दा वर्तमान में अदालत के समक्ष विचाराधीन है. मैंने पढ़ा है कि दिल्ली में कुछ बैठकें चल रही हैं. यह जांचने की आवश्यकता है कि क्या कोई जानबूझकर मुख्य समाचार से ध्यान भटकाने के लिए बार-बार इस प्रकार के मुद्दों को सामने ला रहा है.''

निकाय चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी पार्टी- राज ठाकरे

इस बीच, ठाकरे ने यह भी कहा कि मनसे मुंबई के आगामी निकाय चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी. महाराष्ट्र के राज्यपाल बी.एस. कोश्यारी द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज को ''पुराने समय का प्रतीक'' कहे जाने के बारे में पूछे जाने पर, ठाकरे ने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या ''कोई महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए राज्यपाल को एक 'स्क्रिप्ट' देता है.''

कांग्रेस-बीजेपी पर हमालवर हुए राज ठाकरे

वहीं, इससे पहले राज ठाकरे ने वी डी सावरकर और जवाहरलाल नेहरू पर चल रही बयानबाजी को लेकर कहा कि कांग्रेस और बीजेपी ये बंद कर देश के अहम मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित करे. उन्होंने कहा कि, देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने-मिटने वाले राष्ट्रीय नायकों की आलोचना किसी भी प्रकार उचित नहीं है. उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि, क्या राहुल गांधी का कद सावरकर के बारे में बुरा-भला बोलने का है? उन पर टिप्पणी करने का जिन्हें 50 साल के सश्रम कारवास की सजा सुनाई गई थी. उन्होंने ये तक कहा कि राहुल गांधी ने देश में एक विवाद खड़ा कर दिया है कि सावरकर ने अंग्रेजों से माफी मांगी थी कि नहीं? इसके अलावा, राज ठाकरे ने बीजेपी को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि, भारतीय जनता पार्टी जवाहरलाल नेहरू को बदनाम कर रही है जो बिल्कुल उचित नहीं है. देश के सामने कई अहम मुद्दे हैं जिन पर उन्हें अपनी नजर बनानी चाहिए.

पंडित मिश्रा के सामने बोले कमलनाथ

हम सात दिन से मर रहे, मिश्रा का तंज- बुजुर्गों को नुकसान न हो जाए

भोपाल, 30 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने बुधवार को विश्राम किया। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चीफ कमलनाथ का पंडित प्रदीप मिश्रा के साथ का एक वीडियो वायरल हो रहा है। पंडित मिश्रा इन दिनों इंदौर में कथा कर रहे थे। इसी दौरान कमलनाथ उनसे मिलने गए थे। वीडियो में कमलनाथ को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि हम सात दिन से मर रहे हैं। इसे लेकर भाजपा ने हमले करने शुरू कर दिए हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी का इवेंट कहीं बुजुर्गों के लिए नुकसानदायक न हो जाएं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि माननीय कमलनाथ जी मैंने आपका वीडियो देखा, जिसमें आप कह रहे हैं कि पिछले सात दिनों से हम मर रहे हैं। मैंने यह भी सुना कि कैसे उन्होंने अपनी शर्तों पर प्रोग्राम टंट्या मामा, महाकाल के यहां अन्य जगह जाने के लिए आपसे नाम जुड़वाया। आपकी पीड़ा स्वाभाविक है। इससे धार्मिक और जनजाति वर्ग के प्रति जो पांखड है, वह भी स्पष्ट आपकी जुबानी हो रहा है। मैं राहुल गांधी से प्रार्थना करूंगा कि जो लोग शारीरिक रूप से अस्वस्थ है, उन लोगों को जबरदस्ती न चलाएं कि उन्हें मरने तक की बात करनी पड़े।

भाजपा ने पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक का लगाया आरोप

डीजीपी ने किया खारिज

चेन्नई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने राज्य सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि शतरंज ओलंपियाड के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में भारी चूक हुई थी। उनकी सुरक्षा के लिए रखे गए डोर फ्रेम और मेटल डिटेक्टर सही तरीके से काम नहीं कर रहे थे। अन्नामलाई ने कहा, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने यह बात राजय सरकार के ध्यान में लाई थी, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब राज्य सरकार डरी हुई है। उन्होंने कहा, हम राज्यपाल से मांग करते हैं कि ऐसी गलती करने वाले अधिकारियों और राज्य सरकार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। अन्नामलाई ने कहा, तमिलनाडु में जल जीवन मिशन के संबंध में हमने विलुप्पुरम में सैकड़ों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया। हमने सरकार के ध्यान में लाया है कि फर्जी रसीदें कैसे बनती हैं और बिना काम पूरा हुए सर्टिफिकेट कैसे बनाया जाता है।

डीजीपी ने आरोपों को किया खारिज

वहीं इस मामले में तमिलनाडु के डीजीपी शैलेंद्र बाबू ने भाजपा नेता के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा, जुलाई में हुए कार्यक्रम में जब प्रधानमंत्री आए थे तो उनकी सुरक्षा में कहीं चूक नहीं हुई। सुरक्षा के सारे बंदोबस्त किए गए थे और सबकुछ ठीक था। उन्होंने कहा, सुरक्षा में कमी के बारे में एसपीजी ने भी उन्हें कोई जानकारी नहीं दी।

मामूली विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या, छह में से पांच आरोपी गिरफ्तार

खंडवा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। खंडवा जिले में ओम्कारेश्वर के मांधाता थाना क्षेत्र में भोगांवा गांव में सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे अंडे के ठेले पर दो युवकों का विवाद हो गया। दोनों के बीच हाथापाई हुई और फिर एक युवक अपने परिवारवालों को बुला लाया। सभी ने मिलकर अकेले युवक को तब तक पीटा जब तक वह बेहोश नहीं हो गया। उसे अचेत हाल छोड़ आरोपी भाग निकले। जब घायल को अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपियों को घेरना शुरू किया। पुलिस ने मंगलवार शाम तक छह में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

गुजरात में 'आप' शायद खाता भी नहीं खोल पाएगी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का दावा

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की चुनौती को तवज्जो न देते हुए दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी शायद अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई द्वारा कट्टरपंथ विरोधी प्रकोष्ठ स्थापित करने की घोषणा एक अच्छी पहल है,

जिस पर केंद्र और अन्य राज्य विचार कर सकते हैं. शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान गुजरात के सर्वांगीण विकास और शून्य तुष्टिकरण नीति को लागू किए जाने के कदम को पिछले 27 वर्षों में लोगों द्वारा बार-बार भाजपा पर विश्वास जताने का मुख्य कारण बताया. उन्होंने कहा, "गुजरात में भाजपा अभूतपूर्व जीत दर्ज करेगी. लोगों को हमारी पार्टी और हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है."

गुजरात विधानसभा चुनाव में 'आप' की दस्तक के सवाल पर शाह ने कहा, ''हर पार्टी को चुनाव लड़ने का अधिकार है, लेकिन यह लोगों पर निर्भर करता है कि वे पार्टी को स्वीकार करते हैं या नहीं.'' उन्होंने कहा, ''गुजरात के लोगों के दिमाग में 'आप' कहीं नहीं ठहरती है. चुनाव नतीजों का इंतजार कीजिए, शायद 'आप' उम्मीदवारों का नाम सफल उम्मीदवारों की सूची में आए ही नहीं.'' कांग्रेस गुजरात में भाजपा की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टी रही है, जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप' ने मोदी के गृह राज्य में एक आक्रामक प्रचार अभियान चलाया है. कांग्रेस से मिल रही चुनौती पर शाह ने कहा, ''कांग्रेस अब भी मुख्य विपक्षी पार्टी है, लेकिन वह राष्ट्रीय स्तर पर संकट के दौर से गुजर रही है और इसका असर गुजरात में भी दिख रहा है.''

दिल्ली में गिरा पारा, प्रदूषण के साथ स्मॉग के खतरे का अलर्ट,

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी का असर अब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दिखने लगा। दिल्ली-हरियाणा समेत कई राज्यों में तापमान गिर रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के कई जगहों में आज पूरे दिन बादल छाए रहेंगे। हालांकि, बीते दिनों के मुकाबले आज हवा की रफ्तार कम रहेगी। वहीं, सर्दी बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा दिल्ली में प्रदूषण का खतरा भी बढ़ रहा है। राजधानी दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता यानी एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। वहीं, आने वाले दिनों में स्मॉग का खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसे में राजधानी में प्रदूषण के साथ स्मॉग के खतरे का भी अलर्ट है। दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिक तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। यूपी की राजधानी लखनऊ में बीते कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। यहां मंगलवार को जिले का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, नोएडा में न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 11 डिग्री सेल्सियस और 29 डिग्री सेल्सियस रहा,

पीएम मोदी का आज से गुजरात दौरा

2 दिन में करेंगे 7 जनसभाएं और रोड शो

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थम गया है. गुरुवार (1 दिसंबर) को पहले चरण की वोटिंग है. अब दूसरे चरण (5 दिसंबर) के मतदान के लिए चुनाव प्रचार तेज हो गया है. गुजरात गृह नगर होने के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार की बड़ी जिम्मेदारी है. इसी कड़ी में प्रधानमंत्री 1 और 2 दिसंबर को गुजरात दौरे पर रहेंगे. इस दौरान पीएम मोदी कुल 7 जनसभाओं को संबोधित करने वाले हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 दिसंबर को पहले चरण की वोटिंग के बीच पंचमहल के कलोल, छोटा उदयपुर के बोडेली और हिम्मतनगर में रैली करेंगे. यहां 5 दिसंबर को दूसरे फेज में मतदान होना है. कलोल में गुरुवार सुबह 11 बजे, बोडेली में 12:30 और हिम्मतनगर में 2:45 बजे पीएम मोदी की रैलियां शेड्यूल हैं. इसके बाद पीएम मोदी गुरुवार की रात गांधीनगर में ठहरेंगे. इसके बाद 2 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी बनासकांठा के कनकराज, पाटन, सोजितरा और अहमदाबाद में ताबड़तोड़ जनसभाएं करेंगे. कनकराज में रैली सुबह 11 बजे, पाटन में 12:30 बजे, सोजितरा में 2:45 बजे और अहमदबाद में आखिरी रैली शाम 7 बजे होगी. गुजरात चुनाव के लिए पीएम मोदी ने 20 नवंबर को सोमनाथ मंदिर में दर्शन कर चुनावी प्रचार अभियान का आगाज किया था. अहमदाबाद में 2 दिसंबर को रोड शो और रैली के साथ बीजेपी का प्रचार अभियान खत्म हो जाएगा. बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी अब तक 20 रैलियां कर चुके हैं. इसके साथ ही वह दो कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं. इस तरह दूसरे दौर के मतदान से पहले पीएम मोदी गुजरात में 27 सभाओं को संबोधित कर चुके होंगे. पिछले विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी ने 34 सभाओं को संबोधित किया था.

विधेयक पर राज्यपाल की मंजूरी की समय सीमा तय नहीं कर सकते

केरल हाईकोर्ट ने खारिज की पीआईएल

कोच्चि, 30 नवंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी की समय सीमा तय करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने इस मांग से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी। पीआईएल खारिज करते हुए केरल हाईकोर्ट ने कहा कि विधेयकों पर राज्यपाल कितने समय में फैसला करें, यह समय सीमा तय करने का काम उसका नहीं है। विधायिका यानी विधानसभा या संसद ही इस बारे में कोई कानून या नियम तय कर सकती है। बता दें, देश के कई राज्यों में विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयक या कानून विभिन्न कारणों से राजभवनों में लंबे समय तक अटके रहते हैं। इन्हें राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद ही लागू किया जा सकता है, इसलिए संबंधित राज्य सरकारें परेशानी महसूस करती हैं। उनकी राजभवन से अक्सर शिकायत रहती है कि पारित विधेयकों को तत्काल मंजूरी नहीं दी जाती है। जिन राज्यों में सरकारों व राज्यपालों के बीच संबंध मधुर नहीं होते या तकरार भरे होते हैं, वहां यह समस्या ज्यादा नजर आती है। जनहित याचिका इसी परेशानी को दूर करने के मांग करते हुए दायर की गई थी। केरल भी ऐसे ही राज्यों में आता है। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि राज्यपाल के लिए समय सीमा तय करना हमारा कर्तव्य नहीं है।

रावण विवाद पर कूदीं रेणुका चौधरी, 'पीएम मोदी ने सुर्पणखा से की थी मेरी तुलना'

सूरत, 30 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां एक दूसरे को घेरने के लिए मुद्दों की तलाश कर रही हैं. बीजेपी भी कांग्रेस के खिलाफ नया मुद्दा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के रावण वाले बयान पर लगातार कांग्रेस को घेरा जा रहा है, लेकिन इस बीच अब पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद रेणुका चौधरी खरगे के बचाव में उतरी हैं. उन्होंने पीएम मोदी पर हमला किया है. रेणुका ने कहा, जब पीएम मोदी ने संसद में मेरी तुलना सुर्पणखा से की थी उस वक्त मुद्दे को क्यों नहीं उठाया गया. दरअसल, मल्लिकार्जुन खडगे ने अहमदाबाद के बेहरामपुरा में एक जनसभा में पीएम मोदी की तुलना रावण से कर दी थी. उन्होंने कहा था, "हम आपका (मोदी का) चेहरा निगम चुनाव, एमएलए चुनाव या सांसद चुनाव, हर जगह देखते हैं... क्या आपके पास रावण की तरह 100 सिर हैं? इसी को लेकर अब बीजेपी ने इसे देश के प्रधानमंत्री का अपमान बताया है. कांग्रेस के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. खडगे के इस बयान ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है. एक तरफ जहां उन्होंने अपने रास्ते में आलोचनाओं को आमंत्रित किया है तो वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस के कई नेता उनके समर्थन में खड़े हुए हैं. रेणुका ने इस बयान को लेकर पीएम मोदी पर तंज कसा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा कि जब संसद में पीएम मोदी ने उन्हें सुर्पणखा कहा था तब मीडिया कहां थी. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी कहा कि वह उस समय मौजूद थे जब पीएम मोदी ने रेणुका चौधरी पर टिप्पणी की थी और पीएम मोदी खुद 'हंस रहे थे'. कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके दावे का खंडन भी किया और कहा कि पीएम मोदी ने उन्हें सूर्पणखा कभी नहीं कहा. ट्विटर पर सामने आए राज्यसभा के पुराने फुटेज में पीएम मोदी ने राज्यसभा के तत्कालीन सभापति वेंकैया नायडू से रेणुका चौधरी को जारी रखने की अनुमति देने के लिए कहा.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 1 दिसंबर, 2022

सु वि चा र

वही काम करना ठीक है जिसे करके पछताना न पड़े और जिसके फल को प्रसन्न मन से भोग सकें।

एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर : केटीआर ने शिलान्यास समारोह की व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने बुधवार को एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर के शिलान्यास समारोह की व्यवस्था के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 31 किलोमीटर लंबी परियोजना के लिए 9 दिसंबर को शहर में नींव रखेंगे, जो माइंडस्पेस जंक्शन से हवाई अड्डे तक शुरू होगी। राज्य सरकार 6,250 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से प्रस्तावित परियोजना पर काम कर रही है। बैठक के दौरान, मंत्री केटी रामाराव ने संबंधित अधिकारियों से कार्यक्रम की भव्य सफलता के लिए विस्तृत व्यवस्था करने को कहा। केटीआर चाहते थे कि शिलान्यास के लिए मुख्य स्थल के साथ-साथ जनसभा के लिए जगह अगले दो-तीन दिनों में तैयार हो जाए।

उन्होंने सुझाव दिया कि मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, मोहम्मद महमूद अली, सबिता इंद्रा रेड्डी और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों को कार्यक्रम स्थल का दौरा करना चाहिए और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की व्यवस्था का निरीक्षण करना चाहिए। बैठक में चेवेल्ला सांसद रंजीत रेड्डी, विधायक, एमएलसी, डीजीपी एम महेंद्र रेड्डी, और शहरी विकास विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार के साथ हैदराबाद मेट्रो रेल, नगरपालिका और हवाई अड्डे के अधिकारी उपस्थित थे।

बंडी ने गरीबों के साथ खड़े होने की कसम खाई

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर तेलंगाना राज्य को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प लिया। उन्होंने गरीब लोगों के साथ खड़े होने का संकल्प भी लिया। उन्होंने गुडेगांव गांव को बदलने का वादा किया क्योंकि बारिश होने पर पूरा गांव जलमग्न हो जाएगा और कहा कि बारिश के मौसम में गांव के 250 परिवारों को परेशानी होगी। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री गुडेगांव के निवासियों के बचाव में आएं और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो उनकी पार्टी प्रभावित परिवारों की ओर से आंदोलन करेगी। उन्होंने अपनी चल रही प्रजा संग्राम पदयात्रा के हिस्से के रूप में गुडेगांव के निवासियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं। आदिलाबाद के सांसद सोयम बाबू राव, जिला पार्टी अध्यक्ष पी. रमा देवी और पार्टी के अन्य नेताओं ने भी रचाबंदा कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार पदयात्रा कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि वह अपनी पदयात्रा के दौरान लोगों की समस्याओं के बारे में पता लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुडेगांव गांव के निवासियों की समस्याओं का पता लगाने के लिए उनका दौरा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार उन लोगों की मदद के लिए आगे आएगी जिनकी जमीन और घर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

राज्य की वित्तीय स्थिति पर खुली बहस के लिए इटेला ने हरीश राव को दी चुनौती

वाईएस शर्मिला के प्रति राज्य सरकार के रवैये की निंदा की

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज तेलंगाना की वित्तीय स्थिति पर खुली बहस के लिए राज्य के वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि हरीश जहां चाहते हैं, वहां बहस करने के लिए तैयार हैं। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार 2021-22 वित्तीय वर्ष के लिए 36,000 करोड़ रुपये की ब्याज राशि का भुगतान कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के वार्षिक बजट की तैयारी में कई खामियां हैं। यह स्पष्ट करते हुए कि नीति आयोग केवल सिफारिश करने वाली संस्था है, उन्होंने कहा कि वार्षिक बजट में नीति आयोग की सिफारिशों को शामिल करके केंद्र सरकार को दोष देना राज्य सरकार की ओर से उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर ही राज्य को धन मिलेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने राज्य के जीएसडीपी के अनुसार अनुमति से अधिक ऋण राशि शामिल की है। यह कहते हुए कि तेलंगाना राज्य का ऋण प्रतिशत जीएसडीपी में 27.2 प्रतिशत है, राजेंदर ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने एफआरबीएम सीमा के अनुसार अनुमति से अधिक ऋण लिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार अपनी आय का बड़ा हिस्सा शराब की बिक्री से कमा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के हिस्से का भुगतान न करने के कारण कई केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के तहत धन व्यपगत हो रहा था और उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की चूक के लिए मुख्यमंत्री की विफलता जिम्मेदार है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार करेगी और कहा कि हर मुद्दे पर केंद्र सरकार को दोष देना सही नहीं है।

वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला पर उनकी टिप्पणियों पर एमएलसी के. कविता पर निशाना साधते हुए, इटेला ने स्पष्ट किया कि शर्मिला की अपनी राजनीतिक पार्टी है और कविता से पूछा कि क्या सीपीआई और सीपीएम जैसी वामपंथी पार्टियां सीएम केसीआर द्वारा चलाए गए तीर हैं? उन्होंने गिरफ्तारी के दौरान वाईएस शर्मिला के प्रति राज्य सरकार के रवैये की निंदा की।

तेलंगाना के विकास को रोकने के लिए साजिश रच रहे हैं मोदी : कुनमनेनी

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने आज आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना राज्य के विकास को रोकने के लिए साजिश रच रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए सीबीआई, ईडी और चुनाव आयोग जैसे अपने संगठनों का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि देश का कर्ज, जो मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले 55 लाख करोड़ रुपये था, पीएम बनने के बाद बढ़कर 155 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि खुद को एक महान नेता बताते हुए, जिन्होंने देश पर 100 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बोझ डाल दिया। देश। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार झूठा प्रचार करके दुनिया को गलत संदेश देने की कोशिश कर रही है कि तेलंगाना राज्य अनिश्चित स्थिति का सामना कर रहा है। भाकपा नेता ने उपहास किया कि भाजपा, जिसने अभी तक आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों को पूरा नहीं किया है, तेलंगाना राज्य में सत्ता में आने का दिवास्वप्न देख रही है। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी तेलंगाना में उदार धन जारी करके और उनसे किए गए सभी वादों को पूरा करके और साजिश रचकर नहीं बल्कि अपने लोगों का दिल जीतकर सत्ता में आ सकती है। भाकपा नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तेलंगाना पर आर्थिक हमला करके राज्य से संबंधित 50,000 करोड़ रुपये जारी करने में बाधा डाल रही है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी दी कि वे राज्य के लोगों के सामने इसे बेनकाब करने के लिए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए तैयार हो रहे हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिसंबर से मिलेगा बढ़ा वेतन : हरीश राव

सिद्दीपेट, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त और स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना कैबिनेट ने आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायकों के 5,111 पदों को भरने का फैसला किया है तथा सरकार दिसंबर से आंगनवाड़ी शिक्षकों और कार्यकर्ताओं के बढ़े हुए वेतन का भुगतान करेगी।

बुधवार को सिद्दीपेटमें 104 नवनियुक्त शिक्षकों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने से पहले 90 प्रतिशत आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायिकाओं के वेतन का भुगतान करती थी, जबकि राज्य सरकारें महज 10 फीसदी वहन करती थी। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हालांकि, राज्य पर बोझ को कम करते हुए अपना हिस्सा घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया। दूसरी ओर, तेलंगाना सरकार देश में आंगनवाड़ी शिक्षकों और कार्यकर्ताओं को सबसे अधिक वेतन दे रही है, जबकि भाजपा शासित गुजरात राज्य तुलनात्मक रूप से कम वेतन दे रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल आंगनवाड़ी शिक्षकों के वेतन को 10,500 रुपये से बढ़ाकर 13,650 रुपये कर दिया था और अन्नावाड़ी सहायकों के वेतन को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 7,800 रुपये कर दिया था, उन्होंने कहा कि बढ़े हुए वेतन का भुगतान दिसंबर से 67,411 आंगनबाड़ी शिक्षक एवं सहायिकाओं को मिलेगा। इससे पहले, मंत्री ने सिद्दीपेट में 242 लाभार्थियों को 77.93 लाख रुपये के मुख्यमंत्री राहत कोष के चेक भेंट किए।

सभी को समाज के विकास में योगदान देना चाहिए : जिलाधीश

आसिफाबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि शासन के आदेशानुसार नगर निगमों के अधिकार क्षेत्र में अनेक कल्याणकारी विकास योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और इन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सभी को सहयोग करना चाहिए। जिला अपर समाहर्ता (स्थानीय निकाय) चाहत बाज पाई बुधवार को जिले के कागज नगर नगर पालिका कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित परिषद की आम बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि लोगों को सब्जी, मांस एवं अन्य वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की मंशा से प्रदेश में 7 करोड़ 20 लाख की लागत से सरकार द्वारा कराये गये एकीकृत बाजार निर्माण कार्यों की सरकार मॉनीटरिंग करे। इस तरह तेजी ठीक से पूरा हो गया है और उपयोग में लाया गया है। शहरी विकास कार्यक्रम के तहत नगर पालिका के सभी वार्डों को साफ रखने, आंतरिक सड़कों व नालों को साफ रखने, हर घर से गीला व सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र कर डंपिंग यार्ड में ले जाने के उपाय करने की सलाह दी है।

उन्होंने कहा कि वैकुंठधामों में पानी, बिजली और अन्य बुनियादी ढांचे का उपयोग कैसे किया जाए, इसके बारे में लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगर निगमों को वर्ष 2022-23 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिए सभी विभागों के अधिकारी जी-तोड़ मेहनत करें। मिशन भागीरथ योजना के तहत अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर घर को एक नाला कनेक्शन दिया जाए ताकि सभी लोगों को पीने का साफ पानी मिले।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे नगर निगम सीमा के भीतर संचालित सभी विकास एवं कल्याण कार्यक्रमों को निर्धारित समय में पूरा करने की दिशा में पहल करें। इस कार्यक्रम में नगर आयुक्त अंजैया, अध्यक्ष सद्दाम हुसैन, उपाध्यक्ष आर. गिरीश कुमार, परिषद के सदस्यों और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

सरकार ने अब तक 6,892 करोड़ रुपये का धान खरीदा : गंगुला

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार ने अब तक लगभग 6,892 करोड़ रुपये के लगभग 33.47 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है। बुधवार को यहां एक विज्ञप्ति में मंत्री ने कहा कि बारिश के मौसम में तेलंगाना में लगभग 65 लाख एकड़ में धान की खेती की गई थी और लगभग 1.51 करोड़ टन धान उत्पादन का अनुमान लगाया गया है। यह कहते हुए कि राज्य भर में 6,787 केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान की खरीद जोरों पर चल रही है, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो किसानों द्वारा उत्पादित पूरे धान की खरीद करता है। प्रदेश भर में धान खरीदी सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन के बाद राशि सीधे किसानों के खातों में जमा की जा रही है।

पुलिस के हत्थे चढे चार अंतरराज्यीय ड्रग पेडलर्स

12 ग्राम हेरोइन और चार मोबाइल फोन जब्त

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी एलबी नगर जोन की टीम और सरूरनगर पुलिस राचकोंडा ने चार अंतरराज्यीय ड्रग पेडलर्स को कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु से हैदराबाद तक नशीली दवाओं के परिवहन के लिए गिरफ्तार किया। पुलिस ने 12 ग्राम हेरोइन और 1,50,000 रुपये मूल्य के चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। एक गुप्त सूचना के आधार पर, स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), एलबी नगर जोन की टीम ने सरूर नगर पुलिस के साथ मिलकर चार अंतरराज्यीय ड्रग पेडलर्स सैयद आमिर मोइज़, मोहम्मद साद, पालम निवास और मैलापल्ली वेंकट रंगनाध चारी को गिरफ्तार करके ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। बुधवार तड़के, एसओटी, एलबी नगर जोन की टीम ने सरूर नगर पुलिस के साथ कामनघाट, सरूर नगर में रंगनाधा चरी के घर पर छापा मारा, चार आरोपियों को पकड़ा और उनके कब्जे से 12 ग्राम हेरोइन और चार मोबाइल फोन जब्त किए। हेरोइन, जिसे व्यापक रूप से ब्लैक टार, स्मैक, हॉर्स और स्केग के रूप में जाना जाता है, सूंघने, धूम्रपान करने और नसों में इंजेक्शन लगाने से भी सेवन किया जाता है। इसके सेवन से मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जिससे दिल का दौरा पड़ता है और मस्तिष्क, हृदय, लीवर और किडनी को भी नुकसान पहुंचता है। अधिकांश ड्रग पेडलर्स हेरोइन के शुद्ध रूप को लिडोकेन, इनोसिटोल और मैनिटोल जैसे रासायनिक पाउडर के साथ पतला करते हैं और 10,000 रुपये प्रति ग्राम की दर से बेचते हैं। पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी कि प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की खरीद, बिक्री, परिवहन और खपत अपराध है और 10 साल की कैद की सजा है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 31ए के अनुसार, एक ड्रग तस्कर को मौत की सजा दी जाती है, जिसे एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक बार "उत्पादन, निर्माण, कब्जे, परिवहन, भारत में आयात, भारत से निर्यात या ट्रांस-शिपमेंट में शामिल होने" के लिए दोषी ठहराया गया है। पुलिस ने लोगों/छात्रों से अपील की कि वे पुलिस को नशीले पदार्थों के तस्करों, आपूर्तिकर्ताओं और उपभोक्ताओं के बारे में सूचित करें ताकि इस खतरे को रोकने के लिए उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

किसान को गृहिणी के यौन शोषण के आरोप में जेल

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रमन्नापेट कोर्ट के न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट ने आज रमन्नापेट के पल्लीवाड़ा गांव के एक किसान मल्लेपाका नरसिम्हा को धारा 448, 354, 354 (बी), 506 आईपीसी के तहत दोषी ठहराया और उसे तीन साल कैद की सजा सुनाई और एक महिला का अपमान करने के लिए 4,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

मुकदमे के दौरान, अभियोजन पक्ष ने कहा कि 10 मार्च, 2014 को मध्यरात्रि 12 बजे आरोपी मल्लेपका नरसिम्हा ने पीड़िता के घर का पिछला दरवाजा खटखटाया, जब वह अपने तीन बच्चों के साथ सो रही थी, जबकि उसका पति अपने खेत में पानी डालने गया था। यह सोचकर कि उसके पति ने दरवाजा खटखटाया है, उसने दरवाजा खोला और अचानक आरोपी मल्लेपका नरसिम्हा घर में घुस गया और मजबूत प्रतिरोध के बावजूद उसकी साड़ी उतारकर उसका यौन उत्पीड़न किया।

आरोपी ने उसे धमकी दी कि वह उसे और उसके पति को जान से मार देगा और जघन्य अपराध को अंजाम देगा। इस बीच उसका पति खेत से लौट आया तो आरोपी भाग गया। पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सीपी राचकोंडा महेश एम. भागवत और अतिरिक्त सीपी जी.सुधीर बाबू ने आरोपी को सजा दिलाने के लिए आईओ, सीडीओ, एपीपी के प्रयासों की सराहना की और उन्हें इनाम देने की घोषणा की।

NOTICE

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

Date: 29.11.2022

Please be informed that my client Sri. Suneel Kumar Agarwal, S/o. Late Ramanand Agarwal, aged about 54 years, Occ. Business, R/o. 15-1-564, Siddiamber Bazar, Hyderabad-500012, is joint owner of land admeasuring Ac. 6.25 gts. In Sy. No. 193/B, situated at Zaheerabad Mandal, SangaReddy District, having acquired the same from his father Late Ramanand Agarwal. As brothers of my client i.e. Mr. Raj Kumar Agarwal and Mahadev Prasad and others in collusion with others have created third party documents, my client has filed W.P. No. 41307 of 2022 pending on the file Hon'ble High Court of Telangana at Hyderabad against illegal mutations.

Further please be informed that my client has a legal share in respect of the above property and hence the general public at large are hereby cautioned not to enter into any kind of transactions in respect of above land admeasuring Ac. 6.25 gts. In Sy. No.193/B, situated at Zaheerabad Mandal, Ranga Reddy District.

Inspite of such caution in the event if any person deals with the said property then you shall be doing so at your own cost, risk and peril.

G. RAGHUCHANDRA REDDY
ADVOCATE
Office at # 61/A, Vemireddy Enclave, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad. Telangana Ph. No. 9515593860

एसीबी जाल में फंसे पंचायत सचिव व वाटरमैन

जनगांव, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी ने बुधवार को जनगांव जिले के रघुनाथपल्ली गांव और मंडल में रिश्वत लेने के आरोप में एक पंचायत सचिव और एक पानीवाले को बुधवार को गिरफ्तार किया। आरोपी मुशकम संतोष (ए1), पंचायत सचिव, रघुनाथपल्ली ग्राम पंचायत के कार्यालय में, और शागा नागेश्वर (ए2), वॉटरमैन (आउटसोर्सिंग), ग्राम पंचायत, रघुनाथपल्ली गांव में कार्यरत थे। एसीबी के एक प्रेस नोट के अनुसार,पंचायत सचिवने 4,500 रुपये की रिश्वत की राशि की मांग की थी और रघुनाथपल्ली गांव के शिकायतकर्ता पेरने मल्लेश से वाटरमैन के माध्यम से शिकायतकर्ता के घर की दाखिल खारिज फ़ाइल को संसाधित करने के लिए इसे आधिकारिक पक्ष करने के लिए स्वीकार किया था। आरोपी को एसपीई और एसीबी मामलों, हैदराबाद के पहले अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

कविता और शर्मिला के बीच ट्विटर वार, तीखी जुबानी जंग

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला और तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) की विधायक के. कविता के बीच हैदराबाद में गिरफ्तारी के एक दिन बाद ट्विटर पर वाक युद्ध छिड़ गया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने शर्मिला को भाजपा का 'गुप्त' बताया। तेलुगु में तुकांत शब्दों का प्रयोग करते हुए, तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की बहन पर जवाबी हमला किया। शर्मिला को भाजपा का 'तीर' करार देते हुए टीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि वाईएसआरटीपी अध्यक्ष और भाजपा नेता मिलकर काम कर रहे हैं।

शर्मिला ने अपने ही अंदाज में कविता पर पलटवार किया। उन्होंने टिप्पणी की कि टीआरएस नेता न तो पदयात्रा कर रहे हैं और न ही लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वादे पूरे नहीं किए गए। शर्मिला ने यह भी ताना मारा कि कविता की 'गुलाबी' (टीआरएस का रंग) उद्यान में कोई जगह नहीं है जहां केवल पद हैं लेकिन काम नहीं है। कविता ने शर्मिला को 'कमल' (बीजेपी का प्रतीक) के तीर के रूप में संबोधित करते हुए एक कविता के साथ जवाब दिया। उन्होंने वाईएसआरटीपी नेता को 'कमल गुप्त' और 'नारंगी तोता' कहा। यह कहते हुए कि वह उनकी तरह राजनीतिक पर्यटक नहीं हैं, टीआरएस नेता ने उन्हें याद दिलाया कि वह तेलंगाना आंदोलन से उभरी हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओ की जानकारी हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

PUB/1055

प्रपत्र 10-1 सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है :

सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजन-नई बीजी कोर्ड लाईन का निर्माण सहित माल ढुलाई सेवाओं (फ्राइट सर्विसेज)के संचालन के प्रारंभ हेतु **ओएचई मास्ट एलओसी. 48/4बी(किमी/सीएचः 48/277.85) से ओएचई मास्ट एलओसी. 5/1020(किमी/सीएचः 5/519.60)** के बेथमपुडी एवं सर्वारम स्टेशनों के मध्य विद्युतीकरण कार्य।

तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. **ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.15-12-2022** को या इसके बाद उर्जित (एनर्जाइज) किया जायेगा। इस निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनों को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कार्य ही कर सकेगा।

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित

सचिव, (रेल विद्युतीकरण), रेल बोर्ड, नई दिल्ली
जीएम/एससीआर के सचिव-- महा प्रबंधक
जिला कलेक्टर, भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिला
पुलिस अधीक्षक, भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिला
सीएमडी/टीएस ट्रांस्को/हैदराबाद एंड सीएमडी/टीएस एनपीडीसीएल
पोस्टमास्टर जनरल/हैदराबाद
पीसीइइ/एससी
डीआरएम/एससी
सीनि. डीईई/टीआरडी/एससी.सीनि. डीईई/एम/एससी, सीनि. डीईई/टीआरएसओ/एससी, सीनि.डीओएम/एससी,सीनि. डीइएन/को-आर्ड/एससी, सीनि.डीएसटीइ/एससी, सीनि.डीएसओ/एससी, सीनि. डीएमइ/को-आर्ड/एससी पदाधिकारियों को, उपरोक्त क्षेत्र में अपने नियंत्रण में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं ठेकेदारों को शुल्क लगाने से संबंधित उचित परामर्श देने के लिए उक्त प्रतिलिपि प्रेषित।
निदेशक/आर.इ. /बीएसएनएल/सिकंदराबाद को, उपरोक्त क्षेत्र के अपने नियंत्रण के सभी एक्सचेंजेस से जुडी जानकारी व उचित परामर्श देने के लिए तत्संबंधित प्रतिलिपि प्रेषित।
स्टेशन सुपरिंटेंडेंट/बेथमपुडी व सर्वारम को जानकारी तथा संबंधित स्टाफ को सूचित करने हेतु उक्त प्रतिलिपि प्रेषित ।
मेसर्स गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड/ गाजियाबाद

प्रपत्र 10-2
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

निम्न सेक्शन के तहत मध्य 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजन--नई बीजी कोर्ड लाईन का निर्माण सहित फ्राइट सर्विसेज के संचालन के प्रारंभ हेतु ओएचई मास्ट एलओसी. 48/4बी(किमी/सीएचः 48/277.85) से ओएचई मास्ट एलओसी. 5/1020(किमी/सीएचः 5/519.60) के बेथमपुडी एवं सर्वारम स्टेशनों के मध्य विद्युतीकरण कार्य। दक्षिण मध्य रेलवे के, सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से 4.%8 एम की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके, जो लेवल क्रासिंग्स पर रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 एम की ऊंचाई पर हो।

आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई नहीं करता हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं–

हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट

मटेरियल या उपकरण या तत्संबंधित वाहन के लिए खतरा।

iii) कंडक्टर्स के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जीवन का जोखिम ।

A1407 उप मुख्य बिजली अभियंता- निर्माण/ओएचइ/सिकंदराबाद

तेजस्वी, जगदानंद सिंह को पार्टी ऑफिस साथ लेकर आए

एक दिन पहले लिखा था- बीज अंकुरित होने के लिए भूमिगत रह अंधेरे में खामोश रहना पड़ता

पटना, 30 नवंबर (एजेंसियां)। लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह 2 अक्टूबर के बाद sपार्टी ऑफिस आए। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव उन्हें अपनी कार में साथ लेकर आए। इससे ठीक एक दिन पहले तेजस्वी यादव ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर किया था जिसमें लिखा था- बीज अंकुरित होने के लिए भूमिगत रह अंधेरे में खामोश रहना पड़ता ताकि वह अपने कठोर आवरण को तोड़ अंकुरित हो सके।

यह लिखने के दूसरे दिन जगदानंद के आरजेडी ऑफिस आने को तेजस्वी के इस पोस्ट से जोड़ कर देखा जा रहा है। चर्चा इसकी है तेजस्वी इस पोस्ट के जरिए जगदानंद सिंह से यह कहना चाहते हैं कि समय का इंतजार वे कर रहें है! बता दें कि जगदानंद सिंह नहीं चाहते हैं कि उनकी पार्टी को कोई बाहरी प्रभावित करे।

यह सर्वविदित है जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह को मंत्री पद से हटाने का दबाव नीतीश कुमार की ओर से था, जिसके बाद लालू प्रसाद ने सुधाकर को इस्तीफा देने को कहा और सुधाकर ने तेजस्वी को अपना इस्तीफा दे दिया। इस इस्तीफा को जगदानंद सिंह ने बलिदान की संज्ञा दी थी। जगदानंद सिंह उसी 2 अक्टूबर की तारीख से पार्टी ऑफिस नहीं आ रहे थे जिस दिन उन्होंने सुधाकर के कृषि मंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा की थी।

जगदानंद सिंह मंगलवार को आरजेडी ऑफिस आए तो तेजस्वी के साथ लेकिन तेजस्वी पहले निकल गए और जगदानंद सिंह बाद में। तेजस्वी, जगदानंद सिंह को लेकर दोपहर में लगभग पौने तीन बजे आरजेडी ऑफिस पहुंचे। तेजस्वी 4 बजे के लगभग निकल गए। इसके बाद जगदानंद सिंह ऑफिस से निकले। लगभग दो घंटे तक जगदानंद सिंह पार्टी ऑफिस में रहे। आम तौर पर जब जगदानंद सिंह नियमित ऑफिस आते थे तब रविवार को छोड़ वे 11 बजे आ जाते और चार बजे

तक रहते। 2 अक्टूबर के बाद से वे नाराज चल रहे थे। मंगलवार को उनके चेहरे पर बहुत खुशी नहीं दिख रही थी। लेकिन आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने सिंगापुर जाने से पहले जगदानंद सिंह को दिल्ली में जरूरी निर्देश दिया है। चर्चा है कि जगदानंद सिंह चाहते हैं कि महागठबंधन के अंदर कॉर्डिनेशन कमेटी बनायी जाए और कमेटी ही बड़े फैसलों पर अपनी राय दे। इस कमेटी में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सहित महागठबंधन की सभी पार्टियों के अध्यक्ष भी रहें। इसका इंतजार सभी को है कि कमेटी का गठन कब होता है! कॉर्डिनेशन कमेटी के जरिए जगदानंद सिंह किसकी राजनीति पर लगाम लगाना चाहते हैं यह सभी जानते हैं। बड़ी बात यह कि जगदानंद सिंह जब आरजेडी ऑफिस पहुंचे तो पार्टी और पार्टी के बाहर के विरोधियों का मुंह बंद हो गया। पार्टी के अंदर उनके विरोध में उनकी अनुपस्थिति में भी कोई कुछ नहीं बोलता था क्योंकि सभी को मालूम है कि लालू प्रसाद और जगदानंद सिंह की दोस्ती अंदर से मजबूत है और कभी भी जगदानंद सिंह लौट सकते हैं। कार्यकर्ताओं ने उस समय भी जगदानंद सिंह को देखा था जब तेजप्रताप यादव ने उन्हें हिटलर कहा था और वे तभी पार्टी ऑफिस आए जब छात्र राजद के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष आकाश यादव को पद से हटाया गया और गगन को पद दिया गया था। उस समय उन्होंने चीख कर कहा था- ' हू इज तेजप्रताप, मैं सिर्फ लालू प्रसाद को जानता हूं।' हालांकि दो अक्टूबर के बाद से कयासों का दौर खूब चला। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दिल्ली में हुई बैठक में जब जगदानंद नहीं गए थे तब कयासों को और पड़े पंख लग गए थे। मंगलवार को जगदानंद सिंह पार्टी ऑफिस आए तो उन्होंने साफ-सफाई पर ध्यान देने को तो कहा ही, फूल वाले गमलों आदि का मेंटेन भी ठीक से रखने को कहा। तेजस्वी उन्हों साथ लेकर आए इसका भी बड़ा मतलब है। उनका मान बढ़ा!

बिहार निर्वाचन आयोग पर बीजेपी ने उठाया सवाल तो जेडीयू बोली- दिवालिया हो गए हैं संजय जायसवाल

पटना, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कुढ़नी उपचुनाव के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव की ओर से किए जा रहे शिलान्यास और उद्घाटन पर बीजेपी ने सवाल उठाया है। बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता बेतिया सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने आरोप लगाया है कि बिहार निर्वाचन आयोग सरकारी बाबुओं का दफ्तर बन चुका है। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी के किसी सांसद अथवा विधायक को नगर में 6 महीने पुराने सड़क का भी उद्घाटन करना है तो जिलाधिकारी नियम समझाते हैं कि बिहार के शहरों में आदर्श आचार संहिता लागू है। इसलिए कोई कार्य आप नहीं कर सकते हैं। इतना ही नहीं अगर 18 साल से कम के बच्चों का भी कोई कार्यक्रम एक सांसद के रूप में मैं करना चाहता हूं तो आदर्श आचार संहिता की दुहाई देकर हमें रोका जाता है। दूसरी तरफ बिहार के

अभिषेक झा

डॉ. संजय जायसवाल

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सभी विभागों के सचिव खुलेआम पटना शहर में पुरानी नौकरियों को नया बताकर बांटते हैं। उन्होंने कहा कि सीएम गया जी में नल जल योजना का सार्वजनिक उद्घाटन एवं सभा करते हैं। पर इसका संज्ञान लेने की सुध निर्वाचन आयोग को नहीं है। एक तरफ आयोग की ओर से आचार सहिंता का हवाला देकर बीजेपी नेताओ पर एफआईआर करने की बात कही जा रही है। वही सीएम और डेप्युटी सीएम खुलेआम आचार सहिंता का उलंघन कर रहे हैं।

बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जयसवाल की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर जेडीयू ने पलटवार किया है। जेडीयू का कहना है कि राज्य निर्वाचन आयोग मुख्यमंत्री के इशारे पर कभी काम नहीं करती है। उनके इस बयान पर पलटवार करते हुए जेडीयू ने उन्हें राजनीतिक तौर पर दिवालिया बताया है। जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि डॉ. संजय जायसवाल हमेशा बिना तथ्य को जाने अनर्गल बयानबाजी करते रहते हैं। जेडीयू प्रवक्ता ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग बीजेपी करती है न कि जनता दल यूनाइटेड।

बेटे और बेटी को जहर देकर मार डाला

फिर बाप ने फंदे पर लटक कर दे दी जान

पीलीभीत, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। गांव रंभोजा में रहने वाले बालक राम (45) का शव बुधवार सुबह फंदे पर लटका मिला। उसका पुत्र निहाल (11) और पुत्री शालिनी (15) का शव कमरे के अंदर ही संदिग्ध हालत में चारपाई पर मिले। दियोरियां कोतवाली पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सूचना मिलने पर एएसपी डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी ने भी गांव पहुंचकर परिवार वालों से वार्ता कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया, अभी घटना को लेकर कोई स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दियोरिया कोतवाली के गांव रंभोजा निवासी बालक राम की पत्नी राजेश्वरी देवी मायके गई थी। बड़ा पुत्र शिवम अपनी पत्नी के साथ गांव गझाड़ा स्थित रिश्तेदारी में गया था। बालक राम के अलावा उनकी बड़ी पुत्री शालिनी (15), पुत्र प्रभात (13), पुत्र निहाल (11) घर पर थे। जब सुबह प्रभात सोकर उठा, तो कमरे से पिता गायब थे। जबकि भाई और बहन को जगाने का प्रयास किया। मगर वह नहीं उठे। पिता नजर नहीं आए, तो प्रभात ने अपने चाचा को बताया कि पिता गायब है और भाई-बहन सोकर नहीं उठ रहे। जबकि प्रभात के चाचा ने घर के अंदर जाकर देखा, तो बालक राम का शव बरामदे में फंदे पर लटका मिला। जबकि निहाल और शालिनी के शव कमरे के अंदर चारपाई पर थे। सूचना पर बालक राम की पत्नी और बड़ा पुत्र भी गांव पहुंच गए थे।

जहां गया वहीं कर ली शादी, एक शख्स की 6 पत्नियां

जमुई, 30 नवंबर (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सुना है कि कोई शख्स एक-दो नहीं बल्कि 6 शादियां कर ले वो भी चोरी-छिपे, बिना अपने परिवार को बताए? बिहार में ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, आर्केस्ट्रा में गाने-बजाने का काम करने वाला एक युवक जहां भी प्रोग्राम के लिए जाता, वहीं एक शादी कर लेता। युवक की दूसरी पत्नी की मां यानी उसकी सास ने ही ये आरोप लगाया है। युवक की सास के मुताबिक, अभी तक इस शख्स ने छह शादी कर ली है।

युवक के चार राज्य में 6 शादी करने का मामला अब थाने तक पहुंच गया है। पुलिस ने कहा अभी लिखित शिकायत नहीं मिली है, अगर कंप्लेन मिलेगी तो पुलिस जांच करेगी। जिस शख्स पर ये आरोप लगे हैं उसका नाम छोटू कुमार है। उसकी दूसरी

पत्नी की मां ने उस पर 6 शादी के आरोप लगाए, जिसको लेकर मलयपुर बाजार स्थित थाने में मामला उठा। इस केस में काफी गहमागहमी और हंगामा भी देखने को मिला। फिलहाल पुलिस ने मामले को शांत करा दिया है।

बताया जाता है कि बरहट थाना क्षेत्र में रहने वाले जावातारी निवासी गणेश दास का पुत्र छोटू कुमार देवघर की एक आर्केस्ट्रा टीम में काम करता है। उसने साल 2011 में झारखंड के रांची में एक लड़की कलावती देवी से शादी की। जिससे उसके चार बच्चे हैं। फिर साल 2018 में लक्ष्मीपुर थाने के सुंदरटांड में मंजू देवी से शादी कर ली। पिछले डेढ़ साल से छोटू मंजू से नहीं मिला। मंजू देवी को भी दो बच्चे हैं। उधर, पहली पत्नी कलावती को दूसरी शादी की जानकारी है। वह कहती है कि इसी में अगर मेरे पति को खुशी है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। छोटू के 6 शादी का मामला तब सामने आया जब उसकी दूसरी पत्नी मंजू देवी के भाई विकास दास ने इस पर चौंकाने वाला खुलासा किया। वो कोलकाता जाने के लिए जमुई स्टेशन आया था। तभी उसकी नजर छोटू पर पड़ गई। इसकी जानकारी उसने अपने स्वजनों को दी और जीजा को पकड़ कर रखा। छोटू के साथ एक महिला भी थी, जिसे वह अपनी पत्नी बता रहा था।

विकास के मुताबिक, उसने जीजा छोटू से कहा कि मेरी दीदी को कब ले जाओगे लेकिन वह कुछ जवाब नहीं दे रहा था। इतने में मेरे घर के बाकी लोग आ गए और छोटू को थाने ले गए। छोटू की दूसरी पत्नी की मां कोबिया देवी ने बताया कि डेढ़ साल से वो मेरी बेटी को छोड़ रखा है। डेढ़ साल पहले बच्चे की दवाई लाने के बहाने साइकिल से फरार हो गया था। आज रेलवे स्टेशन पर पकड़ाया है।

कपड़ा व्यापारी को गोली मारकर भाग रहे थे बदमाश

भीड़ ने पीटकर एक की हत्या की, 3 को पुलिस ने बचाया

पटना, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर में ज्वेलरी शॉप लूटने आए बदमाश को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। वहीं, लूट की वारदात को अंजाम देने आए 3 और बदमाशों की हालत गंभीर है। उन सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। गुस्साएं लोगों को आरोप है कि इन बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप में लूटपाट का प्रयास किया। इस दौरान घटना को अंजाम देने के बाद भागते वक्त एक कपड़ा दुकानदार को गोली मार दी। फिर भीड़ ने खदेड़ कर 5 में से 4 लुटेरों को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने भीड़ के चंगुल से बदमाशों को छुड़ाया और अस्पताल ले गई, जहां एक की मौत हो गई। दरअसल, ये बदमाश ताजपुर बाजार में ज्वेलरी व्यवसायी की दुकान से लूटपाट कर भाग रहे थे। व्यवसायी ने जोर-जोर से आवाज लगाई। इस दौरान स्थानीय लोगों ने बदमाशों को पकड़ लिया। फिर बदमाशों की लात-घूंसे से जमकर पिटाई किया। गुस्साई भीड़ ने लुटेरों की 2 बाइक में आग लगा दी। बताया जा रहा है कि 2 और बदमाश मौके से फरार होने में कामयाब हो गए। भीड़ की पिटाई से मरने वाले बदमाश की पहचान समस्तीपुर के मुसरी घरारी थाना क्षेत्र के रहने वाले अमन कुमार के रूप में हुई है। वहीं, घायल लुटेरों में चांद संखनी दलसिंहसराय निवासी शुभम कुमार, हसनपुर निवासी चंदन कुमार और उजियारपुर निवासी अंशु राज के रूप में हुई। बदमाशों ने भगते वक्त जिस कपड़ा दुकानदार को गोली मारी थी उसकी पहचान मोहम्मद अशरफ के रूप में हुई।

अगर मैंने जुल्म किया होता तो बच्चा पैदा होने से पहले कहता कि आजम खां से पूछ लो

रामपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खां ने कहा है कि मेरे वोट का अधिकार को समाप्त कर सरकार एक टेस्ट करना चाहती है, तजुर्बा करना चाहती है। सरकार यह देखना चाहती है कि आजम का वोट डालने का अधिकार समाप्त करने के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को इस अधिकार से वंचित किया जाएगा तो क्या प्रतिक्रिया होगी। अगर इसके लिए तैयार हो तो आसिम राजा (सपा प्रत्याशी) को चाहिए कि वो एलान कर दें कि वो अपनी उम्मीदवारी को वापस लेते हैं। अगर इतनी ही बुजदिल जिंदगी गुजारना चाहते हो तो हमसे अच्छा जानवर है जो रात मे कम से कम अपने लिए खाना तो तलाश कर लेता है।

आजम खां मंगलवार की रात सपा प्रत्याशी के समर्थन में शुतरखाना चौराहे पर एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि मुझे जेल में रहने की आज कोई तकलीफ नहीं है। वजह यह है कि वह गुजरा हुआ कल था। एक भयानक ख्वाब है, जो गुजर गया। लेकिन जेल जाने

की जो वजह थी मैं सोचता था गलत हूं, लेकिन मैं यह कहने आया हूं कि मैं सही था, मैं कल भी सही था और मैं आज भी सही हूं। मैंने कल भी जालिम को अच्छा नहीं कहा था और आज भी अच्छा नहीं कहूंगा।

अगर अक्ल होती तो वह लोग जो आज दावा कर रहे हैं कि 35 बरस बाद हमने छोड़ा है क्या उन्हें छोड़ने के काबिल छोड़ देता उन्हें। जो आज हमारे और तुम्हारे साथ हुआ है चार सरकारों में अगर मैंने ऐसा किया होता कसम खाकर कहता हूं बच्चा मां के पेट से पैदा होने से पहले कहता कि पहले आजम खां से पूछ लो। उन्होंने अपने बेटे की ओर इशारा करके कहा कि अब्दुल्ला आजम बैठा है, नहीं हुआ इसके साथ इंसाफ। कानून यह है मां कहेगी कि बच्चा कब पैदा हुआ तो उसे माना जाएगा, लेकिन हम बदनसीब ऐसे हैं जो इसकी पैदाइश को भी नहीं सही साबित कर सके। हम इसलिए कहना चाहते हैं हम मुजरिम नहीं हैं आपके मुजरिम हो सकते हैं लेकिन अत्याचारी सरकार के मुजरिम नहीं हो सकते। हम जान दे देंगे अपनी नस काट कर। अगर इतनी बुजदिली की जिदंगी जीना चाहते हो। इस बुजदिली से अच्छी मौत है कम से कम जमाना याद तो रखेगा। मार दो मुझे तुम्हारे हाथ की हुई मौत बड़ी मुबारक होगी। जो पहाड़ हम पर टूटे हैं अगर हिमालय पर टूटे होता तो पिघलकर बह जाता। अगर इस बार कोई गलती हो गई तो सपा प्रत्याशी आसिम राजा के साथ-साथ यह फकीर (आजम) भी मुंह दिखाने के लायक नहीं रहेगा।

पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने कहा कि रामपुर विधानसभा चुनाव पर होने वाले उपचुनाव में जनता आजम खां के जुमलों में नहीं फंसने वाली है। उनके जलसों पर उनकी बातों को सुनकर लोग हंस रहे हैं।

शिवपाल-अखिलेश को 'छोटे नेताजी' कहकर पुकारें

डिंपल बोलीं- मैनपुरी के लोग नेताजी का परिवार

इटावा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को आप सभी छोटे नेता जी कहकर बुलाएं। यह बात बुधवार को तहसील क्षेत्र के भरतिया कोठी में चल रही जनसभा में कही। उन्होंने कहा नेता जी के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। नेताजी को आप सभी का प्यार जैसे मिला वैसे ही छोटे नेताजी को भी मिलना चाहिए।

इस दौरान शिवपाल यादव ने भाजपा के मैनपुरी से उम्मीदवार रघुराज शाक्य पर भी निशाना साधा। साथ ही, उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं, पूरी सरकार से है। कार्यकर्ताओं से अपील की कि कोई गाली भी दे, तो उसे बर्दाशत कर लेना, लेकिन पुलिस की पकड़ में मत आना।

वहीं, सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी ने मैनपुरी का विकास किया। मैनपुरी के लोग नेताजी का परिवार हैं। इसलिए पहले की इस बार भी अपना आशीर्वाद सपा को जरूर दें। इससे पहले सपा उम्मीदवार डिंपल यादव ने भी सपा के कार्यकर्ताओं को अपने घर में न सोने की सलाह दी थी।

डिंपल यादव ने भोगांव में चुनाव जनसभा में कहा था कि मैं अपने युवा मित्रों से कहना चाहती हूं कि चार दिसंबर को प्रशासन आप पर सख्त कार्रवाई करेगा। चार दिसंबर को आप अपने घरों में न सोएं।

पांच दिसंबर को आप वोट डालें और छह दिसंबर को प्रशासन यहां से चला जाएगा। कोई आपको छू भी नहीं सकेगा।

आईपीएस अधिकारी के फार्म हाउस में मिला मैनेजर का शव, हत्या की आशंका

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। माल के अटारी व सुरतीखेड़ा गांव के बीच स्थित आईपीएस अधिकारी बीके मौर्य के फार्म हाउस में मैनेजर विजय कुमार मौर्य (30) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव फार्म हाउस के बाग में आम के पेड़ से लटका मिला। मृतक के घरवालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य भी जुटाए हैं।

अटारी व सुरतीखेड़ा गांव के बीच आईपीएस अधिकारी बीके मौर्य का फार्म हाउस है। इसमें उन्होंने प्रबंधक के तौर पर अटारी के विजय कुमार मौर्य को रखा था। मंगलवार को ग्रामीणों ने विजय का शव फार्म हाउस स्थित आम की बाग में रस्सी के सहारे पेड़ से लटकता देखा। इसकी

मृतक की फाइल फोटो

सूचना घरवालों को दी। सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। घर-परिवार वालों के साथ आसपास के गांव के लोग भी मौके पर जुट गए। मामले की सूचना मिलने पर माल पुलिस के साथ ही एसीपी मलिहाबाद अनिंद्य विक्रम सिंह भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने फोरेंसिक टीम को भी बुला लिया। इधर, आईपीएस बीके मौर्य भी फार्म हाउस पहुंचे और मृतक के घरवालों को निष्पक्ष जांच व कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

मृतक के भाई दुर्गेश व बहन शांति के मुताबिक एक वर्ष पहले भी विजय को जहर देकर मारने की कोशिश की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि विजय सोमवार की रात कुछ दोस्तों के साथ ससपन पुलिया स्थित दुकान पर पराठा रोल खाने गया था। चौकीदार मेहरबान ने बताया कि लौटते समय विजय के साथ एक युवक भी था, जो रात में रुका था। मृतक के भाई गंगाराम ने हत्या का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। विजय के परिवार में आठ भाई बहन हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों के अनुसार एक दशक पूर्व इसी फार्म हाउस के चौकीदार की बदमाशों ने गला रेत कर हत्या कर दी थी। उस मामले का खुलासा आज तक माल पुलिस नहीं कर सकी है। ग्रामीण दोनों वारदातों को एक साथ जोड़कर देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी बोले- स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल हो आपदा प्रबंधन

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न आपदाओं से बचाव के लिए सतर्कता और जागरूकता को बढ़ाये जाने की जरूरत बताई है। आपदा प्रबंधन को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा है कि अगर लोगों को यह पता होगा कि बाढ़, भूकम्प, आकाशीय बिजली, अग्निकांड आदि के समय उन्हें कैसी सावधानियां बरतनी चाहिए तो निश्चित ही बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित विभिन्न राज्यों के आपदा प्रबंधन प्रधिकरणों के सम्मेलन में आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि की जानकारी देते हुए इसे रोकने के लिए अलर्ट सिस्टम को और बेहतर करने की आवश्यकता भी जताई।

सपा नेता रामगोपाल यादव पहुंचे चुनाव आयोग

मैनपुरी-इटावा के डीएम और एसपी को हटाने की मांग

मैनपुरी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी उपचुनाव के लिए जहां सपा और भाजपा के दिग्गज नेता प्रचार में जुटे हुए हैं, वहीं आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने जिला प्रशासन पर मतदाताओं के नाम काटने और सपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने के आरोप लगाए हैं।

उन्होंने बुधवार को दिल्ली में चुनाव आयोग से शिकायत कर इटावा-मैनपुरी के एसपी और डीएम को हटाने की मांग की है। रामगोपाल यादव ने जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि बड़े पैमाने पर असली मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। सपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक बूथ के 214 मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। यह बूथ मुस्लिम बहुल है। गैर मुस्लिम बूथों पर भाजपा के लोग नाम दे रहे हैं। इसकी सूचना मिलते ही हम तुरंत दिल्ली शिकायत करने आ गए। सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि हमने चुनाव आयोजन से यह मांग की है कि बीते विधानसभा चुनाव में जो मतदाता सूची थी, उसी से उपचुनाव कराया जाए। जो मतदाता मर गए हैं, उनके नाम हटाए जाएं। साथ ही दोनों जिलों के डीएम और एसपी को हटाया जाए। रामगोपाल यादव ने यह भी आरोप लगाया कि हमारे कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है, जबकि भाजपा के मंत्री शराब और साड़ियां बांट रहे हैं।

12 हजार में नाबालिग लड़की खरीदकर शादी कर रहा था

अधेड़ दूल्हा के साथ दलाल गिरफ्तार

अररिया, 30 नवंबर (एजेंसियां)। नाबालिग लड़की से शादी और वह भी खरीद कर! जी, यह सच बिहार के अररिया जिले के रानीगंज में सामने आया, जब गुप्त सूचना पर पहुंची पुलिस ने शादी के लिए लड़की की मां को 12 हजार देकर फांसने वाले दलाल के साथ अधेड़ दूल्हे को गिरफ्तार किया। लड़की रानीगंज प्रखंड के हांसा गांव की रहने वाली है। इस शादी की दलाली हांसा गांव का ही जीवन मंडल कर रहा था। उसने गांव के ही गुलटेन मंडल की नाबालिग लड़की की मां से कहा था कि दूल्हा उसकी बेटी को अच्छे से रखेगा। नाबालिग होने की बात पर उसने दूल्हा पक्ष से 12 हजार देकर बात को दबा दिया था। लड़की की शादी बेतिया जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के अधेड़ रामबाबू यादव के साथ होने वाली थी, लेकिन इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। रानीगंज पुलिस ने गांव पहुंचकर रामबाबू यादव और जीवन मंडल को गिरफ्तार कर लिया। थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, गुलटेन मंडल ने बताया है कि जीवन मंडल ने गांव के लोगों को पैसा का प्रलोभन देकर ऐसी कई शादी करा चुका है। जीवन एक सप्ताह से मेरे घर पर आकर मेरी नाबालिग बेटी की शादी के लिए दबाव बना रहा था। कम उम्र की बात कही तो बोला कि लड़का वाले से पैसा दिला देंगे। लड़का पैसे वाला है, तुम्हारी बेटी को दिक्क्क्त नहीं होगी। सदर एसडीपीओ ने बताया कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के लड़के पैसे का प्रलोभन देकर यहां शादी करने के लिए लड़की ढूंढ़ते रहते हैं। कई बार यह उम्र भी नहीं देखते हैं।

बस-ट्रक की टक्कर में 6 की मौके पर ही मौत, 15 घायल

लखनऊ, 30 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। बहराइच के टप्पे सिपाह में रोडवेज बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। एसएचओ राजेश सिंह ने दुर्घटना की पुष्टि की है। मौके पर मौजूद पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

घायलों का कहना है कि बस जयपुर से चलकर लखनऊ की ओर से आ रही थी, वहीं ट्रक बहराइच से आ रहा था। बहराइच के डीएम ने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में 6 की मौके पर ही मौत हो गई और लगभग 15 लोग घायल हो गए, जिनमें 4 गंभीर रूप से घायल हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया लगता है कि ट्रक गलत साइड से आने के कारण बस से टकरा गया।

कानून मंत्री और सुप्रीम कोर्ट के बीच क्यों जारी है तनातनी

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत और केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। दोनों के बीच चल रही तनातनी बढ़ती जा रही है। अब इस मामले में सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे का एक बयान सामने आया है। इसमें उन्होंने कानून मंत्री किरेन रिजिजू को लेकर कहा है कि उन्होंने अपनी लक्ष्मण रेखा को लांघने का काम किया है। इसके पहले सोमवार को सुप्रीम कोर्ट भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ये नौबत आई कैसे? क्यों सुप्रीम कोर्ट और कानून मंत्री के बीच तनातनी चल रही है? विवाद के पीछे का किस्सा क्या है?

पहले जानिए क्यों शुरू हुआ विवाद?

दरअसल, कुछ दिन पहले सरकार की तरफ से सीनियर आईएएस रहे अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। आयुक्त बनाए जाने से दो दिन पहले ही गोयल ने वीआरएस लिया था। ये सब जब हो रहा था तब चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित था। गोयल की नियुक्ति को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से इस नियुक्ति का पूरा ब्योरा मांगा और कहा कि 24 घंटे से कम वक्त में कैसे फैसला लिया गया? सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि देश को इस समय टीएन शेषन जैसे मुख्य चुनाव आयुक्त की जरूरत है। कोर्ट ने आगे कहा, 'जमीनी स्थिति खतरनाक है। अब तक कई सीईसी रहे हैं, मगर टीएन शेषन जैसा कोई कभी-कभार ही होता है। हम नहीं चाहते कि कोई उन्हें ध्वस्त करे। तीन लोगों (सीईसी और दो चुनाव आयुक्तों) के नाज़ुक कंधों पर बड़ी शक्ति निहित है। हमें सीईसी के पद के लिए सबसे अच्छा व्यक्ति खोजना होगा।'

कानून मंत्री ने कसा था तंज

सरकार पर की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर कानून मंत्री किरण रिजिजू का एक बयान आया। उन्होंने कहा, ये किस तरह का सवाल है? अगर ऐसा है तो आगे लोग ये भी पूछ सकते हैं कि कोलेजियम किस तरह से जजों के नामों को चुनता है। इस पर भी सवाल उठाए जा सकते हैं। जजों को अपने फैसलों के जरिए बोलना चाहिए और इस तरह की टिप्पणी करने से बचना चाहिए। केंद्रीय कानून मंत्री ने आगे कहा था, 'कोलेजियम यह नहीं कह सकता कि सरकार उसकी तरफ से भेजे हर नाम को तुरंत मंजूरी दे। अगर ऐसा है तो उन्हें खुद ही नियुक्ति कर लेनी चाहिए।'

फिर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

कानून मंत्री के बयान के बाद से सुप्रीम कोर्ट और सरकार के बीच तनातनी काफी बढ़ गई। सोमवार 28 नवंबर को जजों की नियुक्ति के मामले में कोलेजियम की तरफ से भेजे गए नामों पर सरकार की तरफ से निर्णय नहीं लिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जता दी।

कोर्ट ने कहा है कि अगर सरकार ने फैसला नहीं लिया तो उसे न्यायिक आदेश देना पड़ सकता है। जजों की नियुक्ति के मसले पर सुनवाई कर रही जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने लंबे समय से सरकार के पास अटकी फाइलों पर गहरा असंतोष जताया। जस्टिस कौल ने कहा, 'कुछ नाम डेढ़ साल से भी ज्यादा समय से सरकार के पास हैं। इस तरह सिस्टम कैसे चल सकता है? अच्छे वकीलों को जज बनने के लिए सहमत करना आसान नहीं है, लेकिन सरकार ने नियुक्ति को इतना कठिन बना रखा है कि देरी से परेशान लोग बाद में खुद ही अपना नाम वापस ले लेते है?' कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार की तरफ से बिना कोई वजह बताए नामों को रोक कर रखना गलत है। सरकार अपनी मर्जी से नाम चुन रही है। इससे वरिष्ठता का क्रम भी गड़बड़ा रहा है। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने कहा कि वह लंबित फाइलों पर सरकार से बात कर जवाब देंगे।

अब आगे क्या?

इसे समझने के लिए हमने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता चंद्र प्रकाश पांडेय से बात की। उन्होंने कहा, 'सरकार और कोर्ट के बीच इस तरह के मतभेद पहले भी होते रहे हैं। पिछले साल भी चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर विवाद हुआ था। हालांकि, इस बार कानून मंत्री ने कोलेजियम का मुद्दा उठाकर इसे ज्यादा ही तूल दे दिया है।' पांडेय आगे कहते हैं, फिलहाल कोलेजियम से होने वाली नियुक्तियों के मसले पर सुप्रीम कोर्ट में आठ दिसंबर को सुनवाई होनी है। उधर, लंबे समय से लंबित कोलेजियम के दो नामों की कानून मंत्रालय ने मंजूरी भी दे दी है। ऐसे में संभव है कि आने वाले कुछ समय के लिए ये विवाद फिर कुछ हद तक शांत हो जाए।

रोपड़ का सरपंच निकला यूको बैंक में लूट का मास्टरमाइंड

पटियाला, 30 नवंबर (एजेंसियां)। घन्नौर के यूको बैंक में लाखों की लूट का मास्टरमाइंड जिला रोपड़ के गांव हफिजाबाद का मौजूदा सरपंच अमनदीप सिंह निकला, जिसने अपने गैंग के साथ मिलकर बड़े शातिराना ढंग से पूरी वारदात को अंजाम दिया। यही नहीं जिला फतेहगढ़ साहिब के गांव संघोल में 10 नवंबर 2022 को गन प्वाइंट पर एसबीआई बैंक में हुई पांच लाख की डकैती मामले में यह सरपंच वांटेड था। बताया जा रहा है कि इस सरपंच की पंजाब में पूर्व सरकार के साथ काफी नजदीकियां रही हैं। सरपंच के खिलाफ सात मुकदमे जिला रोपड़ के थाना चमकौर साहिब में दर्ज हैं। ऐसे में सरपंच की इसके गैंग मेंबरों साथ गिरफ्तारी से पुलिस को काफी राहत मिली है। एसएसपी वरूण शर्मा ने इसकी पुष्टि करते बताया कि सरपंच अमनदीप सिंह के दो साथियों को कुछ समय पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद इसने आरोपी दिलप्रीत सिंह भाना के साथ मिलकर नया गैंग बना लिया था। पुलिस के मुताबिक 35 साल का सरपंच अमनदीप सिंह 10वीं पास है।

इस गैंग के गुर्गों के खिलाफ कत्ल, लूटपाट और नशा तस्करी के मुकदमे दर्ज हैं। जिनमें यह गिरफ्तार होकर जेल भी जा चुके हैं। आरोपी दिलप्रीत सिंह भाना के खिलाफ कत्ल केस दर्ज है, जो साल 2017-18 में रोपड़ जेल में रहा है और आरोपी नरिंदर सिंह के खिलाफ भी लूटपाट, लड़ाई-झगड़े, मारपीट और असलाह एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है।

चीन के पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन का निधन

1989 के तियानमेन चौक नरसंहार के बाद संभाली थी सीसीपी की कमान

बीजिंग, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन का निधन हो गया है। उन्होंने 96 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार वे ल्यूकेमिया बीमारी से पीड़ित थे। इसके कारण उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। जियांग जेमिन को 1989 के तियानमेन स्क्वायर नरसंहार के बाद चीन के नेतृत्व के लिए चुना गया था। उन्होंने करीब एक दशक तक चीन पर शासन किया। जियांग के शासनकाल में तियानमेन स्क्वायर विरोध के बाद चीन में कोई बड़ा प्रदर्शन नहीं हुआ था।

चीन के विकास में अहम योगदान

जियांग एक फैक्ट्री इंजीनियर से दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के नेता के रूप में उभरे थे जिन्होंने चीन को वैश्विक व्यापार, सैन्य और राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने की ओर अग्रसर किया। जब उन्होंने 1989 में पदभार संभाला था, तब चीन आर्थिक आधुनिकीकरण के प्रारंभिक चरण में था और तियानमेन नरसंहार से उबरने की

कोशिश कर रहा था। लेकिन जब जियांग 2003 में राष्ट्रपति के रूप में सेवानिवृत्त हुए, तब तक चीन विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बन चुका था, ब्रिटेन ने हांगकांग को सौंप दिया था, बीजिंग ने 2008 के ओलंपिक को सुरक्षित कर लिया था, और देश महाशक्ति का दर्जा पाने के रास्ते पर था।

कश्मीर मुद्दे पर भी दिया था बयान

1996 में चीन के राष्ट्रपति रहे जियांग जेमिन ने पाकिस्तानी संसद में दिए अपने संबोधन में कहा था कि अगर कुछ मुद्दों का हल न निकल रहा हो तो उन्हें ठंडे बस्ते में डाल देना चाहिए। इससे दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों के रास्ते पर आगे बढ़ा जा सकता है। हालांकि, पाकिस्तान ने पूर्व चीनी राष्ट्रपति की बात का विरोध कर दिया था।

मैरिज एप पर हुई मुलाकात लिवइन रिलेशन में बदली, शादी की बात पर युवक घर छोड़कर भागा

खंडवा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में एक युवक पर दो साल लिवइन रिलेशन में रहने के बाद धोखा देने का आरोप लगा है। पार्टनर ने उसकी शिकायत पुलिस को कर दी है। युवक महाराष्ट्र का रहने वाला है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार इंदौर रोड खंडवा की एक कॉलोनी की रहने वाली 37 वर्षीय महिला पुलिस के पास पहुंची है। थाना पदमनगर की ओर से बताया गया कि महिला की शिकायत पर योगेश पाटील निवासी बुरंछड़ जिला धुले महाराष्ट्र के खिलाफ आइपीसी की धारा 376(2) (एन), 493 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस योगेश के पते पर उसकी तलाश में जा रही है। महिला ने शिकायत में पुलिस को बताया कि आरोपी योगेश से उसकी पहचान मैरिज एप के जरिए हुई थी। मई 2020 में दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी। महीनों तक दोनों आपस में बातें करते रहे। महिला इंदौर रोड खंडवा की एक कॉलोनी में किराए से घर लेकर रहती थी। फिर योगेश खंडवा में ही आकर उसके साथ रहने लगा। एक निजी कंपनी में उसकी नौकरी लग गई। करीब दो साल तक दोनों साथ लिवइन रिलेशनशिप रहे। दोनों के बीच तय हुआ था कि कुछ समय बाद शादी कर लेंगे।

मध्यप्रदेश में 'इकबाल' ही रहेंगे बुलंद, रिटायरमेंट के दिन आया छह महीने कार्यकाल बढ़ाने का आदेश

भोपाल, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को लेकर खींचतान आखिरकार खत्म हो गई है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ही अगले छह माह के लिए प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया बने रहेंगे। बैंस बुधवार (30 नवंबर) को रिटायर होने वाले थे। लेकिन, रिटायरमेंट के दिन ही उनका कार्यकाल छह महीने बढ़ा दिया गया है। यह पहली बार हुआ है कि सीएस के रिटायरमेंट के दिन तक नए प्रशासनिक मुखिया के नाम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। केंद्र सरकार के कार्मिक विभाग ने बुधवार को आदेश जारी किया। इसके तहत इकबाल सिंह बैंस अब 30 मई तक मुख्य सचिव के पद पर बने रहेंगे। यह पहली बार है कि मुख्य सचिव के पद को लेकर सेवानिवृत्ति के दिन तक असमंजस बना रहा। अब तक परिपाठी इस तरह रही है कि 15 दिन पहले ही नए मुख्य सचिव का नाम सामने आ जाता है या उसके कार्यकाल विस्तार का फैसला हो जाता था। नए सीएस के नाम को लेकर भोपाल से दिल्ली तक अटकलें लगती रहीं। 1989 बैंच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन का नाम भी चर्चा में आया। अनुराग जैन इस समय केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं। इस दौरान जैन ने भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से दो बार

मुलाकात की। इस वजह से अटकलें तेज हो गई कि उनका सीएस बनना लगभग तय है। जैन इस समय केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्लैगशिप प्रोग्राम पीएम गति शक्ति मिशन संभाल रहे हैं। इस वजह से जैन के वापसी को लेकर संशय बना हुआ था।

विधानसभा चुनाव की वजह से मिला एक्सटेंशन

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के एक्सटेंशन का बड़ा कारण प्रदेश में 2023 में विधानसभा चुनाव को माना जा रहा है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इकबाल सिंह बैंस के ही एक्सटेंशन के पक्ष में थे। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव में अच्छा सामंजस्य है। बैंस मुख्यमंत्री के भरोसेमंद अधिकारी भी हैं। चुनावी साल को देखते हुए प्रशासनिक जमावट की जाएगी। कांग्रेस की सरकार जाने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जब अपनी सरकार बनाई तो 1985 बैच के आईएएस अधिकारी इकबाल सिंह बैंस को मुख्य सचिव बनाया था। इसके लिए छह अधिकारियों की वरिष्ठता को भी नजरअंदाज किया गया था। वह मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव भी रह चुके हैं। इकबाल सिंह बैंस एक्सटेंशन लेने वाले चौथे मुख्य सचिव हैं। इससे पहले आरपी कपूर, आर परशुराम और बीपी सिंह को भी छह-छह माह का एक्सटेंशन मिल चुका है।

एमसीडी इलेक्शन से पहले केंद्र ने चला बड़ा दांव, 'जहां झुग्गी वहां मकान' से 50 लाख लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में नगर निगम चुनाव के बीच केंद्र सरकार ने राजधानी की कॉलोनियों और रिहायशी इलाकों के कायाकल्प को लेकर अपना प्लान सामने रखा. केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि जल्द ही केंद्र की योजना के तहत दिल्ली की अवैध कॉलोनियों को रेगुलराइज किया जाएगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'पीएम उदय योजना से दिल्ली के 50 लाख लोगों को फायदा होगा. दिल्ली की आबादी लगातार बढ़ रही है, इसे देखते हुए केंद्र सरकार लगातार गरीबों को घर दे रही है.' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'दिल्ली की आबादी अगली जनगणना में दो करोड़ से ज्यादा की होगी. अब इस आबादी में हमारी जो योजनाएं हैं उनमें जहां झुग्गी जहां मकान योजना के 10 लाख लाभार्थी होंगे. अवैध कॉलोनियों को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मसला लटकाकर रखा. हमें उम्मीद है कि 50 लाख नागरिकों को अवैध कॉलोनियों को वैध करने से फायदा मिलेगा.'

रोज दरिंदगी का शिकार होती थी नाबालिग

इस वजह चुप चाप सहती रही, फिर सामने आया घिनौना सच

रुद्रपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो न्यायालय ने अभियुक्त को आजीवन कारावास और 50,000 रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। दोषी पर धारा 457 में तीन वर्ष का कठोर कारावास, 10,000 जुर्माना और जान से मारने की धमकी देने पर तीन साल का सामान्य कारावास और 5000 रुपये जुर्माना भी लगाया है। थाना काशीपुर में आरोपी युवक साहिल के खिलाफ पांच जून 2020 को दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया था कि पक्का कोट, काशीपुर निवासी युवक साहिल ने उसकी 17 वर्षीय बेटी से कई बार दुष्कर्म किया। महिला ने बताया कि वह पति से तलाक के बाद दूसरे पति के पास अपनी छोटी बेटी के साथ रहती है, जबकि बड़ी बेटी पूर्व पति के पास रहती थी। आरोपी साहिल पूर्व पति को शराब पिलाने के बहाने आता था और बेटी पर गलत नजर रखता था। 20 अप्रैल 2020 की रात करीब 10 बजे पीड़िता जब घर में सो रही थी तो साहिल उसके कमरे में घुस गया और दुष्कर्म किया। बाद में धमकी दी कि यदि उसने किसी को बताया तो उसके मां-बाप की जान ले लेगा। उसने बेटी के अश्लील वीडियो भी बना लिए, जिसे वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने डर के कारण किसी से आपबीती नहीं बताई।

आरोपी आए दिन बेटी से दुष्कर्म करने लगा। उसकी हरकतों से परेशान होकर बेटी ने अपनी मां को जानकारी दी। मामले की सुनवाई पॉक्सो जज रीना नेगी की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि पीड़िता की दयनीय पारिवारिक परिस्थितियों और उसके ऊपर बड़ों के संरक्षण के अभाव का फायदा उठाकर अभियुक्त ने पीड़िता के साथ अपराध किया।

आफताब की दरिंदगी सुनकर हैरान है डॉक्टर गर्लफ्रेंड, कहा- बहुत ज्यादा केयरिंग लगा था

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। आफताब पूनावाला की नई गर्लफ्रेंड इस बात से बेखबर थी कि आफताब एक कातिल है और जिस फ्लैट में वह उससे मिलने जाती थी, वहां उसने हत्या कर रखी है. जैसे-जैसे दिल्ली पुलिस ने आफताब की कुंडली खंगालनी शुरू की तो पुलिस को पता लगा कि आफताब तकरीबन 15 से 20 लड़कियों के सम्पर्क में अलग-अलग डेटिंग साइट्स के जरिए आया था. जांच में पुलिस को बंबल ऐप के जरिए एक ऐसी लड़की के बारे में जानकारी मिली जो श्रद्धा की हत्या के करीब 12 दिन बाद यानी 30 मई को आफताब के संपर्क में ऐप के जरिए आई थी. ये लड़की पेशे से साइकेट्रिस्ट है, जब पुलिस को पता लगा कि ये लड़की कत्ल के बाद से आफताब के संपर्क में थी तो इससे पुलिस ने पूछताछ की. आफताब की

इस दोस्त ने पुलिस को बताया कि आफताब के बर्ताव से कभी ऐसा नहीं लगा कि उसकी मनोस्थिति खराब है. पूछताछ में लड़की ने बताया कि आफताब से बातचीत मई महीने में बंबल ऐप के जरिए शुरू हुई और पहली बार आफताब के फ्लैट पर 12 अक्टूबर को गई थी. आफताब ने इसे अपने छतरपुर फ्लैट पर बुलाया था और दोनों ने साथ में वक्त बिताया था. इस दौरान आफताब का स्वभाव बिल्कुल नार्मल और बहुत ज्यादा केयरिंग लगा था. आफताब के पास कई तरह की वैरायटी के परफ्यूम का कलेक्शन था और अक्सर उसे परफ्यूम गिफ्ट भी दिया करता था. लड़की ने बताया कि आफताब बहुत ज्यादा सिगरेट पीता था और सिगरेट बनाता भी था. लेकिन अक्सर जल्द सिगरेट छोड़ देने की बात भी करता था और बहुत खुश रहता था. पुलिस को दिए बयान में महिला दोस्त ने कहा कि वो अक्टूबर के महीने में दो बार आफताब के फ्लैट पर आई थी. लेकिन उसे श्रद्धा की हत्या या घर में बॉडी पार्ट्स होने की हल्की सी भनक नहीं लगी. आफताब कभी भी डरा सहमा नजर नहीं आया. वो अक्सर अपने मुम्बई के घर के बारे में बताता था और वो सितंबर में मुंबई गया था तो वहां के बारे में भी बताता था. आफताब अलग-अलग तरह के फूड का बहुत शौकीन था और अक्सर घर पर बाहर से अलग-अलग रेस्टोरेंट से नॉनवेज आइटम मंगाता था और रेस्टोरेंट में शेफ किस तरह से खाने को डेकोरेट करते है, इस बारे में अपने शौक को भी बताता था.

आफताब ने अपनी इस दोस्त को एक फैंसी अंगूठी गिफ्ट की थी जो सोने की नहीं थी बल्कि आर्टिफिशल थी. ये अंगूठी 12 अक्टूबर को गिफ्ट के तौर पर दी थी. ये श्रद्धा की थी.

पुलिस ने जब आफताब की इस डॉक्टर दोस्त को बताया कि आफताब ने इसी फ्लैट में श्रद्धा का कत्ल किया और अक्टूबर तक घर मे श्रद्धा के बॉडी पार्ट्स कभी फ्रीज तो कभी दोस्तों से छिपाने के लिए वो अलमारी में रखता था. ये सब सुनकर आफताब की ये दोस्त बेहद घबरा गई. आफताब की दोस्त ने पुलिस के सामने कहा कि उसे बहुत हैरानी हो रही है जिस तरह आफताब इसकी देखभाल और चिंता करता था, इससे कभी नहीं लगा कि आफताब ऐसा कर सकता है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस लड़की को वाकई आफताब ने भनक नहीं लगने दी कि इस फ्लैट में आफताब ने हत्या की है.

'एआई जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी से जटिल हुआ सिक्योरिटी सिनेरियो' एनडीए पासिंग आउट परेड में बोले नेवी चीफ

पुणे, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पुणे के में बुधवार (30 नवंबर) को नेशनल डिफेंस अकेडमी (एनडीए) की 143वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया. इस दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार भी मौजूद रहे. नौसेना प्रमुख ने इस दौरान कैडेट्स को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. साथ ही उन्होंने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि आज एक ऐसी दुनिया जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोनोमस प्लेटफार्मों जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी के आने से सिक्योरिटी सिनेरियो को जटिल बना दिया है. एक ऐसी दुनिया जिसमें आपको अंतरिक्ष, साइबरस्पेस और कॉग्निटिव डोमेन को शामिल करने के लिए जमीन, समुद्र और हवा के पारंपरिक सीमाओं से परे खतरों पर बातचीत करने की आवश्यकता होगी. नौसेना प्रमुख ने कैडेट्स को कहा कि जैसे ही आप इस सैन्य अकादमी से बाहर कदम रखेंगे एक ऐसी अरूपी दुनिया का सामना करेंगे, जो अब युद्ध और शांति की सरल परिभाषाओं द्वारा परिभाषित नहीं है. एक ऐसी दुनिया, जिसमें ट्रेडिशनल वार का खतरा अभी भी मौजूद है.

भारतीय सैन्य अकादमी

बुधवार को पुणे के खडकवासला में एनडीए के 143वें कोर्स की पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया. एनडीए की यह परेड खेत्रपाल मैदान में होती है. मैदान का नाम द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के नाम पर रखा गया है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान शकरगढ़ के युद्धक्षेत्र में बसंतर की लड़ाई में शहीद हो गए थे. तीनों वर्तमान सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी, नौसेना प्रमुख एडमिरल हरि कुमार और सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे अकादमी के 61वें कोर्स से हैं. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी अकादमी के पूर्व छात्र हैं. एनडीए की पासिंग आउट परेड अकादमी में तीन साल के लंबे और कठिन ट्रेनिंग के बाद सैन्य एकेडमी से बाहर निकलते हैं. एनडीए से पास आउट होने के बाद कैडेट अपने संबंधित सशस्त्र बलों की अकादमियों में पूर्व-कमीशन ट्रेनिंग के एक और साल के लिए निकल जाते हैं. बता दें कि केरल के कन्नूर जिले में स्थित एझिमाला में भारतयी नौसेना अकादमी है. उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भारतीय सेना के लिए सैन्य अकादमी है. वहीं, वायु सेना के लिए तेलंगाना में स्थित डुंडीगल में वायुसेना अकादमी है.

ऐसे होती ही एनडीए की पासिंग आउट परेड

परेड की शुरुआत परेड ग्राउंड अपना स्थान लेने के साथ होती है. इसके बाद एनडीए के गाने हम एनडीए के कैडेट हैं की धुनों पर मार्च करते हुए क्वार्टरमास्टर के किले के गेट से बाकी की टुकड़ियां निकलती हैं. अकादमी के डिप्टी कमांडेंट और कमांडेंट पुणे मुख्यालय दक्षिणी कमान के सेना कमांडर के बाद मैदान में आते हैं. इसके बाद, समीक्षा अधिकारी (आरओ) - जो इस बार नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार एक औपचारिक बग्गी में आते हैं. आरओ के आगमन को परेड के पहले फ्लाईपास्ट द्वारा चिह्नित किया जाता है, जो हेलीकॉप्टरों का होता है. परेड में हेलीकॉप्टरों, ट्रेनर विमानों और लड़ाकू विमानों के प्रभावशाली फ्लाईपास्ट होते हैं, जिनमें भारतीय वायुसेना के फ्रंटलाइन लड़ाकू जेट, सुखोई -30 एमकेआई शामिल हैं. इसके बाद कैडेट कदम कदम बढ़ाए जा की मार्शल धुन पर आगे बढ़ते हैं और आरओ को सलामी देते हैं क्योंकि प्रत्येक टुकड़ी पोडियम से गुजरती है. आरओ तब अकादमी के पदक विजेता कैडेटों पर पदक डालता है और कैंपियन स्क्वाड्रन को सम्मानित भी करता है.

आरओ तब परेड और उपस्थित लोगों को संबोधित करता है. इसके बाद तमाम प्रोटोकॉल को पूरा करते हुए परेड के अंतिम चरण में पासिंग आउट कैडेटों के लिए अकादमी में तीन साल के कठिन प्रशिक्षण की भावनात्मक पराकाष्ठा होती है. परेड में भाग लेने वाले जूनियर कैडेट क्वार्टरमास्टर किले की ओर वापसी करते है. पासिंग आउट कैडेटों ने खेत्रपाल ग्राउंड के क्वार्टरडेक फ्लैग मास्ट पर अंतिम चरण के पास मार्च करते हैं, जिसमें जिसमें मिलिट्री बैंड द्वारा ओल्ड लैंग सिने की मधुर धुन बजाई जाती है.

छात्रों ने 5 महीने की प्रेग्नेंट टीचर के साथ की बदसलूकी, पीटीएम में पैरेंट्स से की थी शिकायत

डिब्रूगढ़ (असम), 30 नवंबर (एजेंसियां)। असम के डिब्रूगढ़ जिले में छात्रों के एक ग्रुप ने 5 महीने की गभर्वती शिक्षिका के साथ बदसलूकी। शिक्षिका ने एक छात्र के माता-पिता से उसके खराब अकादमिक प्रदर्शन की शिकायत की थी। जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) के वाइस प्रिंसिपल रतीश कुमार ने बताया कि रविवार शाम को घटना घटी। उनके मुताबिक पीड़िता इतिहास की शिक्षक हैं जिन्होंने एक छात्र के माता-पिता को शिक्षक-अभिभावक बैठक (पीटीएम) में उसके खराब शैक्षणिक प्रदर्शन की जानकारी दी थी। बैठक के बाद 10वीं और 11वीं कक्षा के छात्रों ने ग्रुप बनाया और शिक्षिका को परेशान करना शुरू कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार,1 दिसंबर, 2022

चीन में दोहरी मुसीबत

पडोसी देश चीन में एक तरफ तो बढ़ते कोरोना संक्रमण ने मुसीबत खडी कर दी है तो दूसरी ओर सरकार के खिलाफ हो रहे उग्र प्रदर्शन ने दोहरी मुसीबत खडी कर दी है। बता दें कि इसी हप्ते की शुरूआत से चीन में कोरोना के लगभग चालीस हजार मामले दर्ज हो गए हैं। लगातार पांचवें दिन बेजिंग में करीब चार हजार नए मामले सामने आने से सरकार के भी हाथ पांव फूल गए हैं। इसे देखते हुए वहां की सरकार ने अपनी 'कोरोना शून्य नीति' के तहत पूर्णबंदी लागू कर दी है। लेकिन लोग इस बंदी से बहुत गुस्से में हैं। पूर्णबंदी के दौरान शंघाई की एक रिहाइशी इमारत में आग लग गई, जिसमें कई लोग झुलस कर मर गए। इस घटना ने आग में घी का काम किया, नतीजतन लोगों का आक्रोश फूट पडा और वे सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए। पुलिस प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के हर हथकंडे अपना रही है लेकिन प्रदर्शनकारी झुकने को तैयार नहीं दिखाई दे रहे हैं। देखा जाए तो चीन में कोरोना के नए उभार से सबक लेने की जरूरत है। अभी तक इसका विषाणु समाप्त नहीं हुआ है। ऐसे में इससे बचने के तमाम एहतियाती कदमों का पालन जरूरी है। सरकारों को भी इसे लेकर जरूरत के अनुसार कदम उठाने की जरूरत है। देखा जाए तो चीन में उभरे ताजा आक्रोश के पीछे कोरोना की पूर्णबंदी महज एक बहाना है। लोग अब सरकार के कामकाज के तरीके से आजिज आ चुके हैं। उन्हें लगता है कि कोरोना के बहाने सरकार उनकी आजादी छीन रही है। यही कारण है कि चीन में पहली बार ऐसा हो रहा है कि वहां के लोग सीधे राष्ट्रपति से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वैश्विक मंदी में चीन की अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी चरमरा चुकी है। इसके बावजूद पूर्णबंदी जैसे कदम उठाए जाने से स्थिति और खराब होने की आशंका है। खराब अर्थव्यवस्था में लोगों का जीवन वैसे भी मुश्किलों में चल रहा है। चीन में सबसे अधिक रोष राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तानाशाही वाली नीतियों और उनके कामकाज को लेकर है। वे तीसरी बार सत्ता में आने के बाद लगभग सारी शक्तियां अपने हाथों में केंद्रित कर ली हैं। जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित महसूस की जाने लगी है। एक ओर जहां नागरिकों के अधिकार सीमित हो गए हैं तो दूसरी ओर कम्युनिस्ट शासन राजशाही की तर्ज पर चलाया जाने लगा है। वहां के प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे हैं कि हमें शासक चाहिए, बादशाह नहीं। बता दें कि जब-जब सरकारें नागरिक स्वतंत्रता को बाधित करती हैं, तभी इस तरह का गुस्सा फूटता है, वरना कोरोना से निपटने में वहां के लोगों को सहयोग करने में भला क्या गुरेज हो सकता था?जिस तरह से चीन में अत्याधुनिक तकनीक के जरिए निगरानी तंत्र मजबूत किया गया है, उसमें हर व्यक्ति को अपनी निजता कहीं गायब सी हो गई लगती है। अपनी निजता की परवाह न करते हुए भी लोग सड़कों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, तो जाहिर है वे अब किसी भी प्रकार की यातना सहने को तैयार हैं। चीन में इससे पहले भी व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन होते रहे हैं, मगर यह प्रदर्शन इसलिए उन सबसे भिन्न है कि इसमें सीधा निशाना राष्ट्रपति पर साधा जा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में नागरिक अधिकारों को बंधक बना कर शासन चलाने की कोशिश करने पर इसी तरह गृहयुद्ध की स्थिति पैदा होती है। चीन के नागरिकों का आरोप है कि उनकी अभिव्यक्ति की आजादी तक छीन ली गई है। इसलिए वे प्रदर्शन के दौरान कोरा कागज लेकर सडकों पर उतर रहे हैं। अब दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि शी जिनपिंग अपनी नीतियों को लेकर लचीला रुख अपनाते हैं या अपने फैसले पर अडिग रहते हैं। अगर वे इन प्रदर्शनों को डंडे के जोर पर दबाने का प्रयास करेंगे, तो इसके और भयावह परिणाम की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

चीन में बगावत के संकेत

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ आजकल जिस तरह के आंदोलन जगह-जगह हो रहे हैं, वे 1989 में थ्यानमेन चौराहे पर हुए भयंकर नरसंहार की याद ताजा कर रहे हैं। पिछले 33 साल में इतने जबरदस्त प्रदर्शन चीन में दुबारा नहीं हुए। ये प्रदर्शन तब हो रहे हैं जबकि यह माना जा रहा है कि माओत्से तुंग के बाद शी सबसे अधिक लोकप्रिय और शक्तिशाली नेता हैं।

अभी-अभी उन्होंने अपने आपको तीसरी बार राष्ट्रपति घोषित करवा लिया है लेकिन चीन के लगभग 10 शहरों के विश्वविद्यालयों और सड़कों पर उनके खिलाफ नारे लग रहे हैं। ऐसा क्यों हो रहा है? सारे अखबार और टीवी चैनल मानकर चल रहे हैं कि ये प्रदर्शन कोरोना महामारी के दौरान जारी प्रतिबंधों के खिलाफ हो रहे हैं। मोटे तौर पर यह बात सही है। चीन में कोरोना की शुरुआत हुई और वह सारी दुनिया में फैल गया लेकिन दुनिया से तो वह विदा हो लिया किंतु चीन में उसका प्रकोप अभी तक जारी है। ताजा सूचना के मुताबिक 40 हजार लोग अभी भी उस महामारी से पीड़ित पाए गए हैं। चीनी सरकार ने इस महामारी का मुकाबला करने के लिए दफ्तरों, बाजारों, कारखानों, स्कूल-कालेजों और लगभग हर जगह कड़े प्रतिबंध थोप रखे हैं। उनकी वजह से बेरोजगारी बढ़ी है, उत्पादन घटा है और मानसिक बीमारियां फैल रही हैं। इसीलिए लोग उन प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन वे अब इससे भी ज्यादा आगे बढ़ गए हैं। वे नारे लगा रहे हैं कि शी जिनपिंग तुम गद्दी छोड़ो। इसका कारण क्या है? वह कारण महामारी से भी अधिक गहरा है। वह है- चीनी लोगों का तानाशाही से तंग होना। वे अब लोकतंत्र की मांग कर रहे हैं। सोशल मीडिया के जरिए यह संदेश घर-घर पहुंच रहा है। इस मांग का सबसे ज्यादा असर शिनच्यांग (सिंक्यांग) प्रांत में देखने को मिल रहा है। उसकी राजधानी उरूमची में 10 लोगों की जान जा चुकी है।

शिनच्यांग में उइगर मुसलमान रहते हैं। उनकी जिंदगी चीन के हान मालिकों के सामने गुलामों की तरह गुजरती है। इस प्रांत में लगभग 30 साल पहले मैं काफी लोगों से मिल चुका हूं। वहां हान जाति के चीनियों के विरुद्ध लंबे समय से आंदोलन चल रहा है। उइगर मुसलमानों के इस बगावती तेवर को काबू करने के लिए लगभग 10 लाख मुसलमानों को सरकार ने यातना शिविरों में डाल रखा है।

गैर हान तो चीन की सरकार के विरुद्ध हैं ही, अब हान चीनी भी खुलेआम तानाशाही के खात्मे की मांग कर रहे हैं। लेकिन चीन की सरकार का कहना है कि यदि वह तालाबंदी खोल देगी तो 80 साल से ज्यादा उम्र के लगभग 50 करोड़ लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ जाएगी। यदि महामारी ने विकराल रूप धारण कर लिया तो लाखों लोग मौत के घाट उतर जाएंगे।

दोनों पक्षों के अपने-अपने तर्क हैं लेकिन यह आंदोलन बेकाबू हो गया तो कोई आश्चर्य नहीं कि चीन का भी रूस की तरह, शायद कम्युनिस्ट पार्टी से छुटकारा हो जाए।

महान क्रांतिकारी और दानवीर राजा महेन्द्र प्रताप सिंह

निरंकार सिंह

राजा महेंद्र प्रताप सिंह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के मुरसान रियासत के राजा थे। जाट परिवार से निकले राजा महेंद्र प्रताप सिंह की शख्सियत के कई रंग थे। वे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार, लेखक, क्रांतिकारी, समाज सुधारक और महान दानवीर थे। चह 'आर्यन पेशवा' के नाम से प्रसिद्ध थे और भारत की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति थे। यह सरकार प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान बनी थी और भारत के बाहर से संचालित हुई थी। उन्होने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान 1940 में जापान में 'भारतीय कार्यकारी बोर्ड' की स्थापना की थी। अपने कॉलेज के साथियों के साथ मिलकर उन्होने सन 1911 में बाल्कन युद्ध में भी भाग लिया। उनकी सेवाओं को याद करते हुए भारत सरकार ने उनकी स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया है। एक साल पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया था। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सितंबर, 2019 में अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम एक राज्य स्तरीय यूनिवर्सिटी खोलने की घोषणा की थी। इस यूनिवर्सिटी का शिलान्यास करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ''हमारी आजादी के आंदोलन में कई महान व्यक्तित्वों ने अपना सबकुछ खपा दिया, लेकिन यह देश का दुर्भाग्य रहा है कि आजादी के बाद ऐसे राष्ट्र नायक और नायिकाओं को अगली पीढियों को परिचित ही नहीं कराया गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुज्जफ्फरनगर से सांसद और केंद्र सरकार में राज्य मंत्री संजीव बालियान के अनुसार ''राजा महेंद्र प्रताप सिंह स्वतंत्रता संग्राम में शामिल रहे हैं, उन्होंने भारत की पहली निर्वासित सरकार बनाई। समाज के लिए कई तरह के संस्थान खोले थे। एएमयू जैसी यूनिवर्सिटी के लिए उन्होंने जमीन दी थी। लेकिन उनके योगदान को पूरी तरह भुला दिया गया। उनसे कम योगदान देने वालों का नाम पिछली सरकारों में हर दूसरे तीसरे दिन लिया जाता रहा, लेकिन जाट समुदाय के इतने महान नेता के योगदान को याद नहीं रखा गया।''राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने पहले विश्वयुद्ध के दौरान अफगानिस्तान जाकर भारत की पहली निर्वासित सरकार बनाई। वे इस निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति थे। एक दिसंबर, 1915 को राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने अफगानिस्तान में पहली निर्वासित सरकार की घोषणा की थी। निर्वासित सरकार का मतलब यह है कि अंग्रेजों के शासन के दौरान स्वतंत्र भारतीय सरकार की घोषणा। राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने जो काम किया था, वही काम बाद में सुभाष चंद्र बोस ने किया था। इस लिहाज से देखें तो दोनों में समानता दिखती है। हालांकि सुभाष चंद्र बोस कांग्रेसी थे और राजा महेंद्र प्रताप सिंह घोषित तौर पर कांग्रेस में नहीं रहे। हालांकि उस दौर में कांग्रेस के बड़े नेताओं तक उनकी धमक पहुँच चुकी थी। इसका अंदाजा महेंद्र प्रताप सिंह पर प्रकाशित अभिनंदन ग्रंथ से होता है जिसमें उनके महात्मा गांधी से संपर्क का जिक्र है। इस ग्रंथ में महात्मा गांधी के विचारों को भी जगह दी गई है। गांधी ने महेंद्र प्रताप सिंह के बारे में कहा था, ''राजा महेंद्र प्रताप के लिए 1915 में ही मेरे हृदय में आदर पैदा हो गया था। उससे पहले भी उनकी ख्याति का हाल अफरीका में मेरे पास आ गया थां उनका पत्र व्यवहार मुझसे होता रहा है जिससे मैं उन्हें अच्छी तरह से जान सका हूं। उनका त्याग और देशभक्ति सराहनीय हैं।'' सुभाष चंद्र बोस निर्वासित सरकार के गठन के बाद स्वदेश नहीं लौट सके, लेकिन राजा महेंद्र प्रताप सिंह भारत भी लौटे और आजादी के बाद राजनीति में भी सक्रिय हुए। 32 साल तक देश से बाहर रहे राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने भारत को आजाद कराने की कोशिशों के लिए जर्मनी, रूस और जापान जैसे देशों से मदद माँगी। हालांकि वे उसमें कामयाब नहीं हुए। 1946 में जब वो भारत लौटे तो सबसे पहले वर्धा में महात्मा गांधी से मिलने गए। लेकिन भारतीय राजनीति में उस दौर की कांग्रेस सरकारों के जमाने में उन्हें कोई अहम जिम्मेदारी निभाने का मौका नहीं मिला। जवाहर लाल नेहरू की विदेश नीति में जर्मनी और जापान मित्र देश नहीं थे और राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने इन देशों से मदद माँगकर आजादी की लड़ाई शुरू की थी। ऐसे में राजा महेंद्र प्रताप सिंह को कांग्रेस में बहुत ज्यादा तरजीह नहीं मिली। बहरहाल, 1957 में वे मथुरा से चुनाव लड़े और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उन्होंने जीत हासिल की। इस चुनाव की सबसे खास बात यह थी कि जनसंघ के उम्मीदवार के तौर पर अटल बिहारी वाजपेयी भी यहां चुनाव मैदान में खड़े हुए थे।

उस चुनाव में राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने कांग्रेस के चौधरी दिगंबर सिंह को करीब 30 हजार वोटों से हराया था। उनकी दृष्टि विशाल थी। वे जाति, वर्ग, रंग, देश आदि के द्वारा मानवता को विभक्त करना घोर अन्याय, पाप और अत्याचार मानते थे। ब्राह्मण-भंगी को भेद बुद्धि से देखने के पक्ष में नहीं थे। यह दर्शाता है कि राजा महेंद्र प्रताप सिंह अपने राजनीतिक विरोधियों से भी सम्बन्ध रखते थे। चौधरी दिगंबर सिंह के बेटे आदित्य चौधरी अनुसार ''पाँच लोग थे चुनावी मैदान में, पिता जी दूसरे स्थान पर रहे थे और अटल बिहारी वाजपेयी चौथे स्थान पर, उनकी जमानत जब्त हो गई थी। लेकिन वे बलरामपुर से भी चुनाव लड़ रहे थे और वहां चुनाव जीतकर वे पहली बार लोकसभा पहुँचे थे।''वैसे चौधरी दिगंबर सिंह उस दौर में जाट समुदाय के बड़े कांग्रेसी नेता थे और उन्होंने अपनी इस हार का बदला 1962 में राजा महेंद्र सिंह को करीब 30 हजार वोट से ही हराकर ले लिया था। लेकिन चौधरी दिगंबर सिंह और राजा महेंद्र प्रताप सिंह के रिश्ते हमेशा मधुरता भरे रहे और राजा महेंद्र प्रताप सिंह पर अभिनंदन ग्रंथ उन्होंने ही प्रकाशित कराया था। महेन्द्र प्रताप का जन्म 1 दिसम्बर 1886 को एक जाट परिवार में हुआ था जो मुरसान रियासत के शासक थे। यह रियासत वर्तमान उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में थी।

वे राजा घनश्याम सिंह के तृतीय पुत्र थे। जब वे तीन वर्ष के थे तब हाथरस के राजा हरनारायण सिंह ने उन्हें पुत्र के रूप में गोद ले लिया। 1902 में उनका विवाह बलवीर कौर से हुआ था जो जिन्द रियासत के कायस्थ परिवार की थीं। विवाह के समय वे कॉलेज की शिक्षा ले रहे थे। 1909 में उन्हें एक पुत्री हुई- भक्ति, 1913 में पुत्र हुआ-प्रेम। देश-विदेश की खूब यात्राएँ कीं। 1906 में जिंद के महाराजा की इच्छा के विरुद्ध राजा महेन्द्र प्रताप ने कलकत्ता ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में भाग लिया और वहाँ से स्वदेशी के रंग में रंगकर लौटे। 1909 में वृन्दावन में प्रेम महाविद्यालय की स्थापना की जो तकनीकी शिक्षा के लिए भारत में प्रथम केन्द्र था। मदनमोहन मालवीय इसके उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे। ट्रस्ट का निर्माण हुआ-अपने पांच गाँव, वृन्दावन का राजमहल और चल संपत्ति का दान दिया।वृन्दावन में ही एक विशाल फलवाले उद्यान को जो 80 एकड़ में था, 1911 में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश को दान में दे दिया। जिसमें आर्य समाज गुरुकुल है और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भी है। 'निर्बल सेवक' समाचार-पत्र देहरादून से राजा साहेब निकालते थे। उसमें जर्मन के पक्ष में लिखे लेख के कारण उन पर 500 रुपये का दण्ड किया गया जिसे उन्होंने भर तो दिया लेकिन देश को आजाद कराने की उनकी इच्छा प्रबलतम हो गई। उन्हें विदेश जाने के लिए पासपोर्ट नहीं मिला। मैसर्स थौमस कुक एण्ड संस के मालिक बिना पासपोर्ट के अपनी कम्पनी के पी. एण्ड ओ स्टीमर द्वारा इंगलैण्ड राजा महेन्द्र प्रताप और स्वामी श्रद्धानंद के ज्येष्ठ पुत्र हरिचंद्र को ले गया।

उसके बाद जर्मनी के शासक कैसर से भेंट की। उन्हें आजादी में हर संभव सहायता देने का वचन दिया। वहाँ से वह अफगानिस्तान गये। बुडापेस्ट, बल्गारिया, टर्की होकर हैरत पहुँचे। अफगान के बादशाह से मुलाकात की और वहीं से 1 दिसम्बर 1915 में काबुल से भारत के लिए अस्थाई सरकार की घोषणा की जिसके राष्ट्रपति स्वयं तथा प्रधानमंत्री मौलाना बरकतुल्ला खाँ बने। स्वर्ण-पट्टी पर लिखा सूचनापत्र रूस भेजा गया। अफगानिस्तान ने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया तभी वे रूस गये और लेनिन से मिले। परंतु लेनिन ने कोई सहायता नहीं की। 1920 से 1946 विदेशों में भ्रमण करते रहे। विश्व मैत्री संघ की स्थापना की। 26 अप्रैल 1979 मे उनका देहान्त हो गया।

किसी को इतनी छूट न दें कि उसके मन में जो आए, वो करे

स्नेहा सिंह

रोजाना जीवन में हमारा अनेक लोगों से मिलना-जुलना होता है। इनमें से तमाम लोग ऐसे भी होते हैं, जिनसे हमारी रोजाना मुलाकात होती है। समझ लीजिए कि आप कहीं नौकरी करती हैं, तो वहां साथ काम करने वाले लोगों से आप की रोजाना मुलाकात होती है। जिनके साथ रोजाना काम करना हो, उनसे फार्मल संबंध रखना मुश्किल होता है। जिसके साथ 8 से 10 घंटे काम करना हो, उनके साथ मित्रता भरा व्यवहार हो जाना सहज बात है।

इसमें कोई समस्या भी नहीं है। आइडियली ऐसा होना भी चाहिए। जिनके साथ काम करना हो, उनके साथ मित्रता भरा व्यवहार काम को आसान कर देता है। बाकी कोई कम बोलने वाला हुआ, एरोगंट हुआ तो इस तरह का व्यक्ति तो कहीं भी, किसी भी ग्रुप में अकेलापन महसूस करेगा। अकेले पड़ने पर शुरू में लोग अपने ग्रुप में जोड़ने की कोशिश करेंगे, पर जब उन्हें लगेगा कि यह किसी के साथ नहीं मिल सकती, तब सभी धीरे-धीरे उससे डिस्टेंस बनाने लगेंगे। लेकिन अगर कोई मिलनसार स्वभाव वाला हुआ तब तो कोई सवाल ही नहीं है। पर सब से बड़ी बात यह है कि मिलनसार स्वभाव वाले के साथ कब किस के साथ कैसा व्यवहार किया जाए, किस के साथ कितनी बात की जाए, कैसी बात की जाए, इस बात की जानकारी हर महिला को होनी चाहिए। सामने वाला व्यक्ति आप के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है, इसका आधार आप ने उसके साथ कैसा व्यवहार किया है, इसके ऊपर होता है। आप कह सकती हैं कि वाईसेवर्सा... आप का व्यवहार सामने वाले व्यक्ति के लिए आप के साथ कैसा व्यवहार किया जाए, इसके लिए एक निश्चित सीमा रेखा बनाता है। स्त्रियों में एक सब से बड़ी समस्या यह होती है कि वे बहुत ही भावुक होती हैं। बहरहाल, आज की महिलाएं समझदार हो गई हैं कि गलत जगह इमोशंस इन्वेस्ट करने में मजा नहीं है। अगर वे हर जगह अपना प्यार छलकाएंगी तो तकलीफ होगी ही। पर एक बात यह भी है कि हर किसी का समझदारी का लेवल अलग होता है। इसलिए हर जगह लगाव को इन्वेस्ट करने के पहले गहराई से सोचना-विचारना चाहिए। खैर, भावुक होने की वजह से स्त्रियां हर चीज को मार्क करती हैं। वे जितनी सहजता से मजाक कर सकती हैं, उतनी सहजता से मजाक को स्वीकार नहीं कर पातीं। वे भले ही कितना भी दिखावा करें कि मजाक सहन करने में एक नंबर हैं, पर उनकी एक निश्चित लिमिट होती है।

उस निश्चित लिमिट से जरा भी आगे व्यवहार हुआ नहीं कि वे दुखी हो जाती हैं। इसलिए एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि आप के अंदर जितनी मजाक सहन करने की शक्ति हो, उतना ही मजाक सामने वाले व्यक्ति से करें। क्योंकि अगर आप के अंदर सहनशक्ति का अभाव होगा तो आप आसानी से सिमने वाले व्यक्ति के मजाक को सहन नहीं कर सकेंगी और जल्दी से दुखी हो जाएंगी।

गरिमा बनाए रखें

अपने आसपास के लोगों से बातचीत करने में गरिमा बनाए रखें। आपने जो सीमारेखा तय कर रखी है, सामने वाला व्यक्ति उसी के आधार पर चलेगा। दोस्तों के साथ बातचीत में थोड़ी छूट जरूर चलती है, पर सामने वाला व्यक्ति बारबार गलत तरीके से व्यवहार कर रहा हो तो उसे तुरंत टोंक देना चाहिए। तमाम मामलों में ऐसा होता है कि महिलाएं सामने वाले व्यक्ति के बोलने के ढंग से असहजता महसूस करती हैं, पर यह बात वह सामने वाले व्यक्ति से कह नहीं पातीं। इसके पीछे वजह यह होती है कि वे सामने वाले व्यक्ति को दुखी नहीं करना चाहतीं। दूसरा आशय यह होता है कि सामने वाला व्यक्ति उम्र या ओहदे में बड़ा हुआ तो वह हिचकती है। उसके साथ गलत टोन में बात हो रही है, यह जानते हुए भी किसी कारणवश वह यह कहने से डरती है। यही डर उसे असहजता में ले जाता है। क्योंकि सामने वाला व्यक्ति अगर अमुक छूट लेकर बात करने लगे और स्त्री प्रतिकार न करे तो सामने वाले व्यक्ति को लगने लगेगा कि ऐसी बातें करने में उसे कोई तकलीफ नहीं है, इसलिए वह सीमा लांघ कर अमुक टोन में बातें करने लगता है। इसलिए अगर आप को किसी का बात करने का अंदाज या टोन उचित न लगता हो तो आप उससे कह कर या अपने व्यवहार से यह जता दें कि आप उसकी बातों से असहजता का अनुभव कर रही हैं। आप जताएंगी तभी सामने वाले व्यक्ति को पता चलेगा।

अपना सम्मान बनाए रखने की जिम्मेवारी अआप की है

वैसे तो किसी एकदम अंजान से हम सभी झट से बात नहीं करते। पर घर में बाहर जिसके साथ अधिक समय गुजारना होता है, तो उसके साथ बात करने में एक अदृश्य लिमिट बना लेना चाहिए। आप अपने स्वभाव के अनुसार हर व्यक्ति से बातचीत की एक लिमिट सेट कर सकती हैं। इसका कंट्रोल आप के हाथ में है। किस तरह? तो इसका जवाब यह है कि आप सामने वाले व्यक्ति से इस तरह बातचीत और व्यवहार करें कि वह अपने आप समझ जाए कि आप से किस हद तक बात की जाए कि आप सहज रहेंगी। जब आप खुद ही वाणी या व्यवहार में अधिक छूटछाट लेंगी तो सामने वाला व्यक्ति भी उसी आधार पर आप के साथ छूटछाट लेने लगेगा। अगर आप को इस तरह की छूटछाट समय के साथ असहज लगती है तो आप को पहले से ही अमुक तरह का व्यवहार करना जरूरी है। यहां बिलकुल अकड़ कर रहने की बात नहीं है।

पर कभी मौन को असरदार बनाने की जरूरत है। नो डाउट, जिसके साथ आप को बहुत अच्छा लगता है, उसके साथ दिल खोल कर बातें और व्यवहार कर सकती हैं। पर जो आप के इतना नजदीक नहीं है, ऐसे लोगों के साथ एक लिमिट में व्यवहार कर के आगे चल कर आप अपमान के लगाव के अनुभव से बच सकती है। कहा जाता है कि Not everyone is our friend at our workplace। यह एकदम सच बात है कि हमारे काम करने वाली जगह हर व्यक्ति हमारा हितेच्छु नहीं होता।

कोई ऐसा भी होता है, जो मित्रता के रूप में हितशत्रु होता है। इसलिए चेत कर चलें। आप की वाणी से किसी का मान-सम्मान न कम हो, उसी तरह किसी की वाणी से आप को समस्या न हो, इस बात का ध्यान रखें।

निवेश के लक्ष्य में अपनों की महत्वपूर्ण भूमिका

गिरीश पांडेय

अपने तो अपने ही होते हैं। किसी को भी अपनों से ही सर्वाधिकअपेक्षा भी होती है। जरूरत पर तो और भी। पिछले करीब साढ़े पांच साल में उत्तर प्रदेश बदलाव के जिस सकारात्मक दौर से गुजर रहा है उसे और तेज करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत होगी। इसके लिए अपने पहले कार्यकाल से ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रयासरत हैं। इन्वेस्टर्स समिट से लेकर देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई में रोड शो भी कर चुके हैं। प्रवासी उद्यमियों के एक सत्र में उन्होंने कहा था कि उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदला है। तरक्की ने गति पकड़ ली है। इन्वेस्टर्स समिट और दो आयोजनों के जरिये 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आना इसका सबूत है। तरक्की की ये गति वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान भी नही रुकी। इस दौरान करीब 45 हजार करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया। यह प्रदेश की सरकार, उसकी नीतियों और कानून व्यवस्था पर लोगों के भरोसे का प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा था, आप तो अपने हैं। बदले माहौल में उत्तर प्रदेश में आपका स्वागत है। आइए। अपनी कर्मठता और अनुभव का लाभ अपने प्रदेश और अपने लोगों को भी दीजिए। अब समय आ गया है, एक बार जरूर अपनी माटी से अपने रिश्ते को मजबूत करें। इसके पहले फरवरी 2018 में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में आयोजित प्रवासी उद्यमियों के सत्र में भी उन्होंने ऐसी ही अपील की थी। स्वाभाविक है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अपने प्रस्तवित दौरों के दौरान मुख्यमंत्री एवं सरकार के मंत्री भी अपने लोगों से ऐसी अपील एवं अपेक्षा करेंगे। दुनियाभर के हर क्षेत्र के दिग्गज उद्यमियों को यूपी में निवेश का न्योता देने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा कई अन्य वरिष्ठ मंत्री एवं अफसर विदेश के दौरे पर जाएंगे। मुख्यमंत्री 18 से 23 जनवरी के दौरान लंदन, न्यूयॉर्क और सैनफ्रांसिस्को जा सकते हैं। बाकी जिन देशों के प्रमुख शहरों में मंत्रियों एवं अधिकारियों की टीम इसी साल दिसंबर में दौरा करेगी उनमें टोक्यो, फ्रैंकफर्ट, ब्रुसेल्स, स्टॉकहोम, मेक्सिको सिटी, ब्यूनसआयर्स, साओपालो, सिडनी, सिंगापुर, लंदन, न्यूयार्क, सैनफ्रांसिस्को और दावोस आदि शामिल हैं। अब तक के कार्यक्रम के मुताबिक अधिकांश दौरे दिसंबर में ही हो जाएंगे। इसके अलावा देश में भी पहले इन्वेस्टर्स समिट की तरह दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में रोड शो के कार्यक्रम हैं। जिन देशों और महानगरों में प्रदेश सरकार की ओर से रोड शो होने हैं, उनमें भी भारतीय एवं उत्तर प्रदेश मूल के बहुत से ऐसे लोग हैं जो अपनी मेहनत, लगन के बूते वहां के रसूखदार लोगों में शामिल हैं। स्वाभाविक है ऐसे अपने लोगों से अपेक्षा भी अधिक रहेगी। जहां तक ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट-2023 की तैयारियों की बात है तो प्रदेश सरकार ने अब तक जिन 40 देशों को समिट में आने के लिए आमंत्रित किया है उनमें से 21 की सहमति मिल चुकी है। सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, मॉरिशस, डेनमार्क और, नीदरलैंड जीआइएस-23 के पार्टनर हैं।

पिछले दिनों दिल्ली के सुषमा स्वराज प्रवासी भवन में कई देशों के राजदूतों/उच्चायुक्तों एवं निवेशकों की मौजूदगी में समिट के कर्टेन रेजर सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समझा चुके हैं कि आप क्यों उत्तर प्रदेश में निवेश करें। वजह, देश का सबसे लंबा नेटवर्क (लगभग 16 हजार किलोमीटर) उत्तर प्रदेश में है। यहां लखनऊ, वाराणसी एवं कुशीनगर तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे हैं। अयोध्या एवं जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे निर्माणाधीन हैं। इनके बन जाने के बाद यह पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला पहला प्रदेश हो जाएगा। वाराणसी से लेकर हल्दिया तक देश का पहला जलमार्ग भी उत्तर प्रदेश में ही है। ईस्टर्न एवं वेस्टर्न कॉरिडोर का क्रमशः 57 एवं 8.5 हिस्सा यूपी में ही है। दोनों का जंक्शन दादरी में है। बंदरगाहों तक शीघ्र माल पहुचाने के लिए प्रदेश सरकार ड्राई पोर्ट्स का विकास कर रही है।

इस क्रम में दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब, बोड़ाकी में मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, वाराणसी में 100 एकड़ में फ्रेट विलेज की स्थापना हो रही है। यमुना, लखनऊ-आगरा, पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के अलावा गोरखपुर लिंक,एवं गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण हो रहा है।

धंधे का मर्म समझने वाले सलीम भाई

सलीम भाई अपने फन के माहिर हैं। बाल काटने के दौरान उंगलियों में फंसी कैंची ऐसे चलती है, जैसे कोई संगीतकार रियाज कर रहा हो। कैंची की खच-खच की आवाज कभी द्रुत गति की हरकतों जैसी महसूस होती है तो कभी विलंबित आलाप सरीखी। एक-एक बाल बराबर होने तक वह पूरी शिद्दत से जुटे रहते हैं बिना इसकी परवाह किए हुए कि बाल कटवाने वाला अंग्रेजीदां साहब है या कोई मजदूर। सलीम भाई के अंदर एक और फन है। धंधा करने का फन। बात पिछले शनिवार की है। आमतौर पर इस दिन बहुत कम ही लोग बाल कटवाते हैं। भीड़ कम होती है तो सिर का बोझ उताराने के लिए मैंने यही दिन चुन रखा है। सलीम भाई की दुकान पहुंचा तो एक शख्स का सिर उनके सामने झुका हुआ था और कैंची बालों को तराश रही थी। बाल कटवाने के बाद टूटे पैसों पर बात अटकी तो सलीम भाई ने दीवार पर लटके क्यूआर कोड की ओर इशारा किया और बोले-ऑनलाइन कर दीजिए। उस व्यक्ति ने पैसे ट्रांसफर किए और कहा, 'मोदीजी ने यह सुविधा तो बहुत बढ़िया कर दी है। मोबाइल फोन ही अब पर्स है।' सलीम भाई ने उसकी हां में हां मिलाई और बोले, अब तो अमेरिका भी उनसे सलाह-मशविरे के बाद ही कोई फैसला लेता है।' दुकान पर लगे शीशे में मैंने खुद को देखा। खुद को रोकने की तमाम कोशिशों के बावजूद चेहते पर तंज में लिपटी मुस्कान थी। वह व्यक्ति चला गया। सलीम भाई मुझसे मुखातिब हुए और दराज से नया कपड़ा निकालकर जोर से फटका।

यह इशारा था कि मुझे कुर्सी पर तशरीफ रखनी है। कुर्सी पर बैठते ही मैंने सवाल उछाला- पिछली बार तो आप बढ़ती महंगाई से आजिज थे। सरकार की तमाम शिकायतें कर रहे थे? सलीम भाई ने मुंह में फैले गुटखे को गोलिया कर गाल के हवाले किया और बोले, 'भाई, हमारा धंधा सिर्फ बढ़िया बाल काटने या साफ दाढ़ी बनाने से नहीं चलता है। कस्टमबर (कस्टमर) का दिल हमारी बातों से लगता है। अब हम बाल के साथ आपकी बात भी काटने लगें तो अगली बार आप आएंगे हमारे यहां?' उन्होंने दीवार पर लगी एक चिप्पी की ओर उंगली दिखाई जिस पर लिखा था- ग्राहक भगवान है। मेरा सिर सलीम भाई के सामने झुक गया और उनकी कैंची का संगीत शुरू हो गया। बाल कटवाने के बाद मैं घर आ गया पर सलीम भाई दिमाग में घूम रहे थे। बड़ी-बड़ी कंपनियां समाज के अलग-अलग वर्ग के, अलग-अलग सोच के लोगों को सामान या सेवाएं बेंचने के लिए कितनी रणनीतियां बनाती हैं। पढ़े-लिखे प्रोफेशनल्स हायर करती हैं।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।
धर्म-दर्शन-अध्यात्म
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।
गुरुवार, 1 दिसंबर-2022, 7
स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

इस दिशा में लगा लें तुलसी का पौधा

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

धार्मिक तौर पर तुलसी के पौधे को बेहद शुभ माना जाता है और इसकी पूजा की जाती है यह पौधा बहुत ही पूजनीय होता है इसमें धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है हिंदू धर्म को मानने वाले अधिकतर घरों में तुलसी का पौधा लगा होता है और लोग रोजाना इसकी पूजा करते हैं वास्तुशास्त्र में भी इस पौधे को महत्वपूर्ण बताया गया है मान्यता है कि जिस घर में नियमित रूप से तुलसी पूजा होती है और सुबह शाम घी का दीपक जलाया जाता है वहां माता लक्ष्मी का निवास होता है तुलसी को लेकर भी वास्तुशास्त्र में कई नियम बताए गए है वास्तुशास्त्र में दिशा और स्थान पर अधिक जोर दिया जाता है घर में रखी कोई भी चीज सकारात्मक परिणाम तभी देती है जब उसे सही दिशा और स्थान पर रखा जाए तो आज हम आपको तुलसी पौधे को रखने की सही दिशा और स्थान के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे हैं जो आपको पूर्ण रूप से लाभ पहुंचाएंगा तो आइए जानते हैं।

तुलसी को लेकर वास्तु नियम

वास्तुशास्त्र अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी घर की छत पर नहीं रखना चाहिए अगर कोई ऐसा करता है तो अशुभ परिणामों का सामना करना पड़ सकता है ज्योतिष अनुसार जातकों की कुंडली में बुध का संबंध धन से होता है ऐसे लोग अगर तुससी के पौधे को छत पर रखते हैं तो उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है वही जिन घरों में तुलसी का पौधा छत पर रखा जाता है वहां चिड़िया और कबूतर घोंसला बना लेते हैं।

तुसली पौधे को घर की उत्तर दिशा में लगाना सबसे अच्छा होता है

ये बुरे केतु का संकेत होता है कहा जाता है कि तुलसी पौधे को घर की छत पर रखा जाए तो घर की उत्तर दिशा में चिटियां निकलनी शुरू हो जाती है इस पौधे को पूरब दिशा में भी नहीं रखना चाहिए ऐसा करने से कारोबार में हानि होती है और परिवार पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है तुलसी के पवित्र पौधे को साउथ या साउथ वेस्ट दिशा में नहीं रखने से परहेज करना चाहिए। वास्तु की मानें तो तुसली पौधे को घर की उत्तर दिशा में लगाना सबसे अच्छा होता है अगर इस दिशा में संभव न हो तो आप इसे ईशान कोण में भी लगा सकते हैं इससे सुख समृद्धि का वास होता है।

उद्धव जी भगवान श्रीकृष्ण के कौन थे

लीला में उद्धव चरित्र बहुत मार्मिक प्रसंग है। उद्धव गुरु बृहस्पति के शिष्य व परम विद्धान थे, जिन्हें ज्ञान के साथ प्रेम व भक्ति का मर्म समझाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज में भेजा था। जहां गोपियों का प्रेम देखकर वह अपना ज्ञान भूल गए थे। आज हम आपको उन्हीं उद्धव की कथा गोपी प्रसंग के साथ बता रहे हैं।

उद्धवजी की कथा

पंडित रामचंद्र जोशी के अनुसार, उद्धव श्रीकृष्ण के चाचा देवनाग के पुत्र, मित्र और परम भक्त थे। उन्होंने गुरु बृहस्पति जी से ज्ञान प्राप्त किया था। वे तत्वज्ञान के प्रकांड पंडित थे। कंस के वध के बाद जब श्रीकृष्ण मथुरा में थे, तब एक बार उन्होंने उद्धवजी को प्रेम की माधुरी का अनुभव कराने का विचार किया। उन्होंने उद्धवजी से कहा कि ब्रज की गोपियां उनके वियोग में दुखी हैं, इसलिए तुम जाकर उन्हें अपने ब्रह्मज्ञान से समझाओ। अपने स्वामी की आज्ञा से उद्धव ब्रज में गए। यहां नंद व यशोदा का श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम को अनुभव करने के साथ वे गोपियों से भी मिले।

रसोईघर से जुड़े वास्तु के इन नियमों को जान लें

इस दिशा में रखें ये सामान

पीने का पानी हमेशा रसोईघर में उत्तर पूर्व दिशा में रखना चाहिए।
एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि किचन में पानी और आग आसपास ना रखें।
गैस सिलिंडर हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए।
जब भी आप रसोईघर में भोजन करें आप का मुख उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए।
अगर डाइनिंग टेबल किचन में रखा है तो उसकी दिशा दक्षिण-पूर्व होनी चाहिए।
घर में अगर अलग से डाइनिंग हॉल है तो वास्तु के अनुसार डाइनिंग हॉल पश्चिम या पूर्व दिशा में होना चाहिए।
भवन के ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्व में स्टोर का निर्माण किया जाना चाहिए।
फ्रिज उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इसके अलावा माइक्रोवेव, मिक्सर या अन्य धातु उपकरण दक्षिण-पूर्व में होना चाहिए।
रसोईघर में यदि झाड़ू, पोंछा या सफाई का कोई सामान रखना है तो नैऋत्य कोण में रख सकते हैं।
रसोईघर में डस्टबिन नहीं रखना चाहिए।

किस देवता की कितनी बार करनी चाहिए परिक्रमा?

हिंदू धर्म में विभिन्न प्रकार से देवी-देवताओं की पूजा होती हैं। धार्मिक स्थलों पर देवताओं को अगरबत्ती, फूल, ध्वज, नारियल और प्रसाद चढ़ाए जाते हैं और भगवान की परिक्रमा लगाई जाती है। परिक्रमा को फेरी लगाना भी कहते हैं।
किसी भी देवी-देवता की उपासना में परिक्रमा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि बिना परिक्रमा के पूजा अधूरी रह जाती है। पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि परिक्रमा भगवान की साधना करने की एक प्रक्रिया है, इससे देवता प्रसन्न होते हैं और सभी संकटों का निवारण करते हैं। लेकिन शास्त्रों में प्रत्येक देवता की परिक्रमा के विशेष नियम बताए गए हैं। ऐसे में नियमों के अनुसार परिक्रमा करनी चाहिए।

परिक्रमा के नियम व लाभ

शास्त्रों के अनुसार, धार्मिक स्थलों पर दंडवत परिक्रमा करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य प्राप्त होता है। किसी देवता की मूर्ति की परिक्रमा शुरू करने के बाद उसे अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए और जहां से प्रारंभ की है, वहीं परिक्रमा खत्म करनी चाहिए। परिक्रमा के समय एकदम शांत रहें, किसी से बात नहीं करनी चाहिए और जिस देवता की परिक्रमा कर रहे हैं, उनका ध्यान करना चाहिए।

किस देवता के कितनी परिक्रमा करें

ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार, जिस प्रकार सभी देवताओं की पूजा विधि विभिन्न होती है, उसी तरह देवताओं की परिक्रमा का अलग-अलग विधान होता है। भगवान शिव की आधी परिक्रमा करनी चाहिए क्योंकि सोम सूत्र को लांघना उचित नहीं होता। शिवलिंग से दूध व जल की धारा जहां बहती हो, उसे सोम सूत्र कहते हैं। जिसे लांघना शुभ नहीं होता है।
इसी तरह सूर्य भगवान की सात बार परिक्रमा करनी चाहिए और साथ में सूर्य देव के मंत्रों का जाप करना चाहिए। मां दुर्गा की केवल एक परिक्रमा दी जाती है। इसी तरह भगवान गणेश की परिक्रमा तीन बार करनी चाहिए। भगवान विष्णु की परिक्रमा चार बार करनी चाहिए। शास्त्रों में अन्य देवताओं के लिए तीन परिक्रमा का उल्लेख मिलता है।

दो अलग-अलग पिता की संतान थे बाली और सुग्रीव

रामायण में आप सभी ने पढ़ा होगा वानरों के राजा बाली ने अपने भाई सुग्रीव को अपने राज्य से निकाल दिया था। जी हाँ और बाली से डरकर सुग्रीव ऋष्यमूक पर्वत पर रहने लगा, यहां उनकी मुलाकात श्रीराम से हुई। कहा जाता है श्रीराम ने ही बाली का वध किया और सुग्रीव को उनका राज्य दिलाया। वहीं रामायण में बाली को इंद्र और सुग्रीव को सूर्य का पुत्र बताया गया है। हालाँकि दो अलग-अलग पिता की संतान होने पर भी वे भाई थे। जी हाँ और इस रहस्य के बारे में बहुत कम लोग जानते है। जी हाँ और बाली और सुग्रीव के जन्म की कथा भी बहुत रोचक है। आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं।

कथा- पौराणिक कथा के अनुसार किसी समय पर ऋष्यमूक पर्वत पर एक विशाल वानर रहता था। उसका नाम ऋक्षराज था। ऋक्षराज बहुत ही बलशाली था। उस पर्वत के निकट एक विशाल सरोवर था। उस तालाब की विशेषता थी कि जो भी उसमें स्नान करता, वो सुंदर स्त्री में बदल जाता था। ये बात ऋक्षराज की पता नहीं थी। एक दिन ऋक्षराज उस सरोवर में स्नान कर लिया। जैसे ही वह बाहर निकला, वो एक सुंदर स्त्री में बदल गया। ऋक्षराज जब स्त्री बन गया तो एक दिन उस पर देवराज इंद्र की दृष्टि पड़ गई। इतनी सुंदर स्त्री को देखकर इंद्र के मन में विकार आ गया और उनका तेज (वीर्य) स्खलित होकर उस स्त्री के बाल पर जा गिरा। उसी वीर्य से एक वानर का जन्म हुआ। बाल पर वीर्य गिरने से उत्पन्न हुए वानर का नाम बाली रखा गया। बाली अत्यंत बलशाली था। वहीं कुछ समय बाद जब वह सुंदर स्त्री ऋष्यमूक पर्वत पर घूम रही थी, सूर्यदेवता का नजर उस पर पड़ी। सुंदर स्त्री को देखकर सूर्यदेव भी उस पर मोहित हो गए। मन में विकार आते ही उनका वीर्य स्खलित होकर उस स्त्री के गले पर जा गिरा। जिससे एक अन्य वानर का जन्म हुआ। गले पर वीर्य गिरने से उत्पन्न हुए वानर का नाम सुग्रीव रखा गया। सुग्रीव भी अपने भाई की तरह अत्यंत बलशाली था। इस तरह दो अलग-अलग पिता की संतान होने पर भी बाली और सुग्रीव भाई थे।

बाली और सुग्रीव में क्यों हुआ विवाद?- रामायण के अनुसार, दुंदुभी नाम का एक दैत्य था। बाली और सुग्रीव दोनों उसे मारने के लिए पहुंचे। यहाँ डरकर वो दैत्य एक गुफा छिप गया और बाली ने सुग्रीव से कहा कि तुम गुफा के बाहर खड़े रहो, मैं उस दैत्य को मारकर वापस आता हूं। वहीं काफी समय तक बाली गुफा से बाहर नहीं आया और एक दिन गुफा से रक्त की धारा बहती हुई दिखाई दी। सुग्रीव को लगा कि उसका भाई मारा गया तो जानकर उसने गुफा के मुख पर एक बड़ा पत्थर रख दिया और वहां से अपने राज्य लौट आया। इसके कुछ समय बाद जब बाली लौटा तो उसने देखा कि सुग्रीव राजा बन चुका है। उसे लगा कि राज्य पाने के लिए सुग्रीव ने गुफा के मुख पर पत्थर रखा था। ये जानकर उसने सुग्रीव को पीट-पीटकर अपने राज्य से बाहर निकाल दिया। वहीं बाली के डर से सुग्रीव अपने मित्रों के साथ ऋष्यमूक पर्वत पर रहने लगा। यहीं उसकी मुलाकात भगवान श्रीराम से हुई और उन्होंने बाली को मारकर सुग्रीव को किष्किंधा का राजा बनाया।

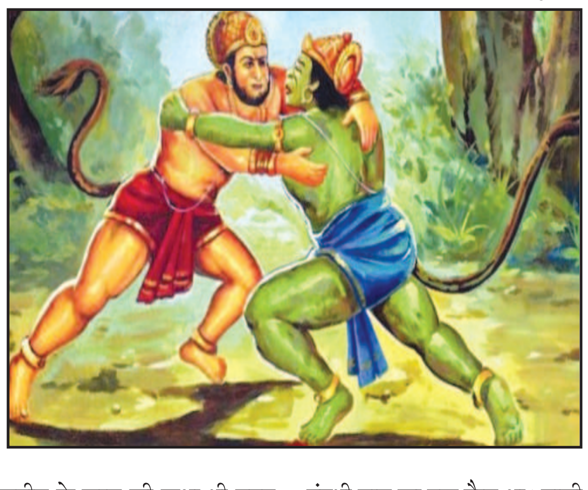

प्रसंग: युधिष्ठिर के बाद परीक्षित बने थे राजा

महाभारत में दुर्योधन को भीम ने मार दिया था और युद्ध खत्म हो चुका था। पांडव विजयी हुए तो युधिष्ठिर को राजा बनाया गया। कुछ समय तक युधिष्ठिर राजा रहे। इनके बाद अभिमन्यु पुत्र परीक्षित को राजा बनाया गया।
परीक्षित बहुत बुद्धिमान और धर्म के जानकार व्यक्ति थे। पांडवों के जाने के बाद परीक्षित बहुत अच्छी तरह राज-पाठ चला रहे थे। एक दिन वे कहीं जा रहे थे, उस समय उन्होंने रास्ते में देखा कि एक काला व्यक्ति गाय और बैल को मार रहा है। परीक्षित तुरंत वहां पहुंच गए और उस काले व्यक्ति, गाय और बैल से उनका परिचय पूछा। गाय ने कहा कि मैं धरती हूं। बैल बोला कि मैं धर्म हूं। गाय और बैल को मारने वाला व्यक्ति बोला कि मैं कलियुग हूं।
कलियुग बोला कि अब द्वापर युग खत्म हो गया है और ये मेरे आने का समय है। मैं सबसे पहले धरती और धर्म पर प्रहार करता हूं। आप द्वापर युग के अंतिम राजा हैं तो अब आप कलियुग को यानी मुझे धरती पर आने की अनुमति दीजिए।
परीक्षित ने सोच-विचार किया और कहा कि तुम जगहों से प्रवेश कर सकते हो- जहां नशा हो, जहां जुआं हो, जहां हिंसा हो और चौथी जगह है जहां व्यभिचार हो यानी महिला-पुरुष के बीच गलत संबंध हो। कलियुग ने कहा कि इन चार रास्ते के अतिरिक्त मुझे एक रास्ता और दीजिए। तब परीक्षित ने कहा कि जहां सोना (स्वर्ण) हो, वहां से भी तुम प्रवेश कर सकता है यानी जहां लोग गलत तरीके से धन कमाते हैं, वहां से भी तुम प्रवेश कर सकते हो।

प्रसंग की सीख

यहां कलियुग का मतलब है बुरा समय। अगर कोई व्यक्ति यहां बताई गई पांच कामों में से कोई एक काम भी कर रहा है तो उसके जीवन में कलियुग यानी बुरा समय आ जाएगा। जीवन में सुख-शांति चाहते हैं तो नशा, जुआं, हिंसा, गलत संबंधों से बचें। कभी गलत तरीके से धन न कमाएं। वर्ना जीवन में दिक्कतें बढ़ने लगेंगी।

भगवान श्रीराम ने क्यों फोड़ी थी कौए की आंख?

बाद में दिया वरदान

पितृ पक्ष में कौए को भोजन कराने की है परंपरा इसी कथा के अनुसार कौए की एक आंख फोड़ने के बाद भगवान श्रीराम ने उसे वरदान दिया कि पितरों को अर्पित किए जाने वाले भोजन में से एक हिस्सा तुम्हें मिलेगा। कहा जाता है कि तभी से पितृपक्ष के दिनों में कौए को भोजन कराकर पितरों को प्रसन्न किया जाता है।

कौआ
के बारे में एक काफी दिलचस्प बात जानने योग्य है कि उसकी होती तो दो आंखें हैं, लेकिन वो देख सिर्फ एक ही आंख से सकता है। ऐसे में अब सवाल ये उठता है कि आखिर कौए की एक आंख ही क्यों होती है? इसके पीछे एक पौराणिक कथा काफी प्रचलित है। भगवान श्री राम ने एक बार क्रोध में आकर कौए की एक आंख फोड़ दी थी।, लेकिन क्यों? आइए जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

श्रीराम और कौआ की कथा

श्रीरामचरितमानस में तुलसीदास जी ने इस कथा का जिक्र विस्तार से किया है। कहा जाता है कि एक बार इंद्र देव के पुत्र जयंत ने भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने की सोची। दरअसल में वो श्रीराम की शक्ति की जानकारी लेना चाहते थे, इसीलिए उन्होंने कौए का रूप धारण कर लिया और माता सीता के पास पहुंच गए और माता के पैर को अपने चोंच से घायल कर दिया और वहां से भाग गए।
जब भगवान श्रीराम ने माता के घायल पैर को देखा तो उन्हें काफी क्रोध आ गया और उस कौए के बारे में जानते ही उन्होंने अपने कोदंड नाम के धनुष पर सरकंडे को चढ़ाकर उस कौए पर निशाना लगाने की तैयारी शुरू कर दी, जिसे देख कौए रूपी जयंत की डर से हालत खराब हो गई और वो भागकर ब्रह्मलोक और शिवलोक भी गए।
फिर वो अपने पिता इन्द्र देव के पास गए तो इन्द्र देव ने उनसे कहा कि उस बाण से तुम्हारी रक्षा सिर्फ स्वयं भगवान श्री राम ही कर सकते हैं। इसके बाद वो भागते हुए भगवान श्री राम के चरणों में आकर गिर गए और अपने किए की माफी मांगने लगे।
तब भगवान राम ने कहा कि वो इस बाण को वापस तो नहीं ले सकते हैं, लेकिन उससे कम आघात पहुंचा सकते हैं।
ऐसे में श्री राम ने अपने उस बाण से कौए के रूप में मौजूद जयंत की एक आंख फोड़ दी। उसी दिन से कौए को एक आंख वाला माना जाने लगा।

प्रेग्नेंसी की खबरों के बीच रुबीना दिलैक की नई फोटोज आईं सामने, हॉट फिगर फ्लॉन्ट कर फैंस से कही ये बात

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपने बोल्ड अंदाज को लेकर भी खूब पॉपुलर हैं. रुबीना दिलैक कई सालों से टीवी इंडस्ट्री की मल्लिका बनी हुई हैं. बिग बॉस विनर ने कई रिएलिटी शोज में भी हिस्सा लिया है. हाल में वह झलक दिखला जा 10 में दिखाई दी थीं. रुबीना दिलैक पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. इस बार गॉसिप गलियारों में एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने की चर्चाएं हैं. प्रेग्नेंसी की खबरों के बीच एक्ट्रेस की नई तस्वीरों ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है.

रुबीना दिलैक की नई फोटोज वायरल

रुबीना दिलैक की प्रेग्नेंसी की खबरें अपने जोर पर हैं. आपको बता दें कि हाल में रुबीना पति अभिनव के साथ एक मैटरनिटी अस्पताल के बाहर स्पॉट हुई थीं, जिसके बाद से ही उनकी प्रेग्नेंसी के चर्चे हो रहे हैं. मां बनने वाली खबरों के बीच रुबीना ने एक बार फिर बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर डाली हैं.

रुबीना दिलैक ने नई में सीक्वेन वर्क वाली डिजाइनर साड़ी कैरी की है. रुबीना की यह साड़ी बेहद यूनीक है, ब्लाउज से लेकर पल्लू सभी पर एक्सपेरिमेंट स्टाइल किया गया है. रुबीना ने डिजाइनर आउटफिट के साथ चोकर नेकलेस कैरी किया है. साथ ही अपने लुक को सटल मेकअप से पूरा किया है.

रुबीना ने लिखा मजेदार कैप्शन

रुबीना दिलैक ने नई बोल्ड फोटोज के साथ कैप्शन लिखा, जिंदगी बहुत छोटी है बोरिंग कपड़े पहनने के लिए...रुबीना दिलैक की नई तस्वीरों पर नेटीजन्स अपने दिल लुटा रहे हैं. बता दें रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने साल 2018 में शादी की थी. शादी के कुछ समय बाद अभिनव और रुबीना के बीच अनबन और रिश्ता टूटने की खबरें भी आई थीं. लेकिन दोनों ने रिश्ते को संभालते हुए अपनी लाइफ में आगे बढ़ने का फैसला किया. अब फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि रुबीना और अभिनव प्रेग्नेंसी की जल्द अनाउंसेंट करेंगे।

प्रभास के साथ अफेयर की खबरों पर कृति का रिएक्शन : बोलीं - ये बातें पूरी तरह से गलत हैं, इनमें कोई सच्चाई नहीं है

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपने लिंक-अप की खबरों की वजह से सुर्खियों में हैं। हालांकि अब कृति ने खुद प्रभास संग अपनी शादी और अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया है कि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। कृति ने लिखा, 'न ये प्यार है और न ही PR...हमारा भेड़िया (वरुण धवन) रियलिटी शो में कुछ ज्यादा ही वाइल्ड हो गया था। उनकी मजाकिया बातों के बाद कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं। इससे पहले कि कुछ पोर्टल मेरी वेडिंग डेट की अनाउंसमेंट करें, तो मैं आपकी गलतफहमी दूर कर देती हूं। ये अफवाहें पूरी तरह से गलत हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

दरअसल कुछ दिन पहले वरुण धवन और कृति सेनन 'भेड़िया' का प्रमोशन करने टीवी रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में पहुंचे थे, जहां फिल्म मेकर करण जौहर ने वरुण से इंडस्ट्री की कुछ सिंगल एक्ट्रेसेस का नाम पूछा तो कृति का नाम उस लिस्ट से गायब था, करण ने पूछा कि सिंगल एक्ट्रेसेस के इस लिस्ट में कृति का नाम क्यों नहीं है? इसके जवाब में वरुण ने कहा था, 'कृति का नाम इस लिस्ट में इसलिए नहीं है क्योंकि कृति का नाम किसी के दिल में है और वो शख्स इस वक्त मुंबई में नहीं है,वो इस वक्त दीपिका पादुकोण के साथ शूटिंग कर रहा है।' हालांकि, इस दौरान वरुण ने प्रभास का नाम नहीं लिया था। ये सुनने के बाद फैंस दोनों की शादी का कयास लगाने लगे थे।

कृति सेनन ने 2014 में तेलुगु फिल्म थ्रिलर 1: नेनोक्कादीन से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद वो हिंदी फिल्म हीरोपंती में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीं। वहीं उनकी अपकमिंग फिल्मों की बात करे तो वो जल्द ही फिल्म गणपत, शहजादा और आदिपुरुष में नजर आने वाले हैं। वहीं प्रभास ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2002 में रिलीज हुई फिल्म ईश्वर के साथ की थी। इसके बाद 2015 में रिलीज हुई फिल्म बाहुबली के बाद वो पैन इंडिया स्टार बनकर उभरे थे। वहीं प्रभास की अपकमिंग फिल्मों के लिस्ट में आदिपुरुष के अलावा फिल्म सालार भी शामिल है।

किआरा आडवाणी इस एक्टर के साथ बाथटब में हुईं रोमांटिक, सेक्सी तस्वीरें देख सिद्धार्थ मल्होत्रा को होगी जलन!

किआरा आडवाणी को आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेज में गिना जाता है. रियल लाइफ में एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा को डेट करने वालीं किआरा आडवाणी कैटरीना कैफ के पति, एक्टर विक्की कौशल के साथ 'गोविंदा नाम मेरा' फिल्म में नजर आएंगी. इस फिल्म से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है जिसमें किआरा विक्की के साथ बाथटब में रोमांस करती नजर आ रही हैं. फोटोज देखिए...

इस फोटो में आप किआरा आडवाणी को देख सकते हैं. खुले बाल और ब्रालेस स्ट्रैपलेस ड्रेस में यह एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं. बता दें कि ये फोटोज किआरा और विक्की के नए गाने के टीजर से ली गई हैं.

इस फोटो में किआरा और विक्की के रोमांस की पहली झलक नजर आ रही है. जिस तरह विक्की कौशल और किआरा आडवाणी एक दूसरे की आंखों में देख रहे हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों की केमिस्ट्री कितनी जबरदस्त होगी. किआरा की ब्लैक स्ट्रैपलेस ड्रेस और विक्की की शर्ट के खुले हुए बटन फैन्स को दीवाना बना रहे हैं. इस फोटो में आप देख सकते हैं कि किआरा और विक्की एक दूसरे में खोए हुए हैं; यह फोटो बहुत रोमांटिक है और इससे विक्की की पत्नी कैटरीना कैफ को जलन महसूस हो सकती है. आप देख सकते हैं, किस तरह विक्की और किआरा, एक बाथटब में बैठकर रोमांस कर रहर हैं. इस छोटे से टब में किआरा विक्की की गोद में बैठी हैं और दोनों एक दूसरे की बाहों में हैं. सिद्धार्थ मल्होत्रा इस फोटो से जेलस न हों, ऐसा मुश्किल ही है.

बता दें कि ये सभी शॉट्स किआरा और विक्की की अपकमिंग फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' के प्रमोशनल गाने 'बना शराबी' से हैं. इस गाने को 30 नवंबर को रिलीज कर दिया जाएगा और क्योंकि यह एक प्रमोशनल गाना है, इसे आप फिल्म में नहीं पाएंगे.

नोरा फतेही ने जीता सबका दिल : फीफा वर्ल्ड कप के इवेंट में लहराया तिरंगा, जय हिंद का लगाया नारा

नोरा फतेही अपने शानदार डांस नंबर्स के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने हाल ही में कतर में हो रहे फीफा वर्ल्ड कप के दौरान हुए एक फैन फेस्ट में परफॉर्मेंस दी। इस इवेंट के दौरान उन्होंने सबका दिल जीतते हुए तिरंगा हाथ में लेकर जय हिंद का नारा भी दिया। नोरा ने इंटरनेशनल लेवल के इवेंट में ऐसा करके इंडियंस का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। उनके इस जेस्चर की काफी तारीफ हो रही है।

इस इवेंट के काफी सारे वीडियोज इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। नोरा ने इस इवेंट में कई बॉलीवुड गानों पर डांस किया। अब इसी दौरान का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें नोरा हाथ में तिरंगा लेकर जय हिंद का नारा दे रही हैं। इस दौरान वो इवेंट में आए लोगों से भी जोर-जोर से जय हिंद का नारा लगाने को कहती हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि नोरा ऑडियंस से कहती हैं - इंडिया जरूर फीफा वर्ल्ड कप हिस्सा नहीं है लेकिन इंडियंस के अंदर जोश की कोई कमी नहीं है।

बता दें कि नोरा फतेही मूल रूप से कनाडा की रहने वाली हैं। वो 2014 से ही बॉलीवुड में एक्टिव हैं। उन्होंने बिग बॉस जैसे रियालिटी शो से अपने करियर की शुरुआत की थी। वो बॉलीवुड फिल्मों में डांस नंबर्स करने के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा वो कई हिंदी और साउथ की फिल्मों में बतौर एक्ट्रेस नजर आ चुकी हैं।

मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक लेदर पैंट में दिखाई बोल्डनेस, हॉटनेस ने बढ़ाई गर्मी

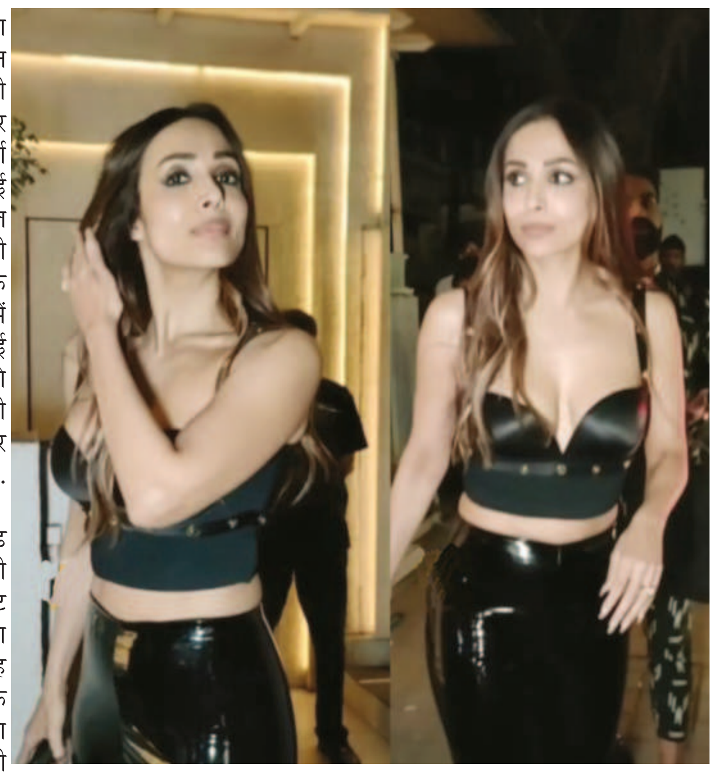

मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपनी शो के लेकर खासी चर्चा में बनी हुई हैं. 49 साल की उम्र में भी खूबसूरती के मामले में मलाइका नई एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हुई नजर आती हैं. मलाइका अक्सर बोल्ड लुक में सिटी में स्पॉट किया जाता है, जहां वह अपने लुक से फैंस का ध्यान खींचती नजर आती हैं. ऐसे मे हाल ही में, उनका एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक्ट्रेस बेहद स्टाइलिश और यंग दिख रही हैं. दरअसल मलाइका को एक बार फिर हद से ज्यादा बोल्ड लुक में डिनर डेट पर स्पॉट किया गया, जहां उन्हें देखने वालों के होश उड़ गए.

मलाइका के इस वायरल वीडियो में वह एक ब्लैक लैदर पैंट और वर्साचे बस्टियर पहने नजर आ रही हैं. दरअसल, 'वेयर कमांडो' ब्रांड की मलाइका की ये लैदर पैंट 9,631 रुपए की कीमत में आती है. लुक की बात करें तो इस दौरान मलाइका अरोड़ा बोल्ड विंटर आउटफिट में तहलका मचाती दिखीं. बॉडीकॉन लेदर पैंट और फॉक्स फर जैकेट के साथ ब्लैक कोर्सेट टॉप में उनका किलर लुक देखते ही बना, डीप नेक टॉप में उनके क्लीवेज साफ नजर आए.

इस लुक को उन्होंने स्मोकी आइज मेकअप और खुले बालों से कंप्लीट किया, अपने इस बोल्ड लुक से मलाइका फैंस को इम्प्रेस करती नजर आईं. काम की बात करें तो मलाइका अरोड़ा अपनी ओटीटी-डेब्यू सीरीज मूविंग इन विद मलाइका की रिलीज के लिए बिल्कुल तैयार हैं, उनका ये शो डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगा और इसकी स्ट्रीमिंग 5 दिसंबर से शुरू होगी.

मलाइका की प्रेग्नेंसी की खबरों पर भड़के अर्जुन कपूर:अर्जुन बोले- हमारी पर्सनल लाइफ से खेलने की हिम्मत मत करना

मलाइका अरोड़ा के प्रेग्नेंट होने की खबरें खूब सुर्खियों बटोर रही हैं। पिंकविला ने अपने सूत्रों के मुताबिक लिखा था कि कपल ने अक्टूबर में अपने करीबी दोस्तों को मलाइका के प्रेग्नेंट होने की गुड न्यूज दी है। खबरें फैलते ही अब अर्जुन ने भड़कते हुए इस पर अपना रिएक्शन दिया है। रिपोर्ट के अनुसार मलाइका और अर्जुन कपूर अक्टूबर में लंदन वेकेशन में गए थे, जहां उन्होंने अपने करीबी दोस्तों के सामने प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज दी थी। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि गुड न्यूज है।

खबरें फैलते ही अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए इस बात का खंडन करते हुए लिखा है, ये सबसे निचला स्तर है जहां तक कोई गिर सकता है और आप ये सब कैजुअली कर रहे हैं। इस तरह की कचरा खबरें चलाना बेहद अनैतिक और असंवेदनशील है। कुछ पत्रकार इस तरह की खबरें लगातार चला रहे हैं और बच जा रहे हैं क्योंकि हम हर बार इसे नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि ये इन खबरों को खूब सर्कुलेट करते हैं और इसे सच बताते हैं। ये ठीक नहीं है। हमारी पर्सनल जिंदगी से खेलने की हिम्मत मत करना।

हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अपनी डायमंड रिंग फ्लॉन्ट करते हुए तस्वीर पोस्ट की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था कि मैंने हां कर दिया है। सगाई की अफवाहें उड़ने के बाद मलाइका ने दूसरी पोस्ट में बताया कि उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार के एक रियलिटी शो मूविंग विद मलाइका के लिए हां कहा है।

अर्जुन- मलाइका पिछले 3 सालों से रिलेशनशिप में हैं। दोनों ने साल 2019 में अर्जुन कपूर के बर्थडे पर एक पोस्ट के जरिए रिश्ते को ऑफिशियल किया था। इसके बाद से ही दोनों रोमांटिक डेट और वेकेशन पर नजर आते रहे हैं। हाल ही में खबरें थीं कि दोनों 2023 में शादी कर सकते हैं, हालांकि इस पर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

मलाइका अरोड़ा ने 1998 में एक्टर अरबाज खान से शादी की थी, जिससे उन्हें एक बेटा अरहान है। शादी के 19 साल बाद कपल ने 2017 में तलाक लिया था। तलाक के बाद भी मलाइका और अरबाज अक्सर अपने बेटे के साथ स्पॉट किए जाते हैं। मलाइका ने तलाक के समय अरबाज से 15 करोड़ रुपए की एलिमनी ली थी।

बेटी न्यासा की ट्रोलिंग पर बोलीं काजोल, कहा- 'अगर आपको ट्रोल किया जा रहा है, तो इसका मतलब आप फेमस हैं'

एक्टर अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन इन दिनों जमकर चर्चा में बनी हुई हैं. दरअसल, न्यासा के लुक को लेकर उन्हें कई बार ट्रोल किया जाता है. खासकर इन दिनों उनके ट्रांसफॉर्मेशन को देखकर लोग हैरान हैं और तरह-तरह की बातें बना रहे हैं. उनकी हालिया वायरल हुई फोटोज देखकर फैंस को लगा का उन्होंने जरूर कोई सर्जरी करवाई होगी. लोग उनकी खूबसूरती का राज जानना चाहते हैं. इसी बीच न्यासा की मां काजोल भी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सलाम वेंकी' के प्रमोशन में बिजी हैं. इस दौरान जब उनसे सवाल किया गया कि वे मां होने के नाते अपनी बेटी के ट्रोल होने पर उसे किस तरह लेती हैं. उनका क्या रिएक्शन होता है.

काजोल ने बताया कि सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों की संख्या 75 पर्सेंट हैं. अगर आपको ट्रोल किया जाता है तो इसका मतलब आपको नोटिस किया जा रहा है. काजोल ने साथ ही ये भी कहा कि कुछ ही लोग हैं जो बुरे कमेंट करते हैं वरना अच्छे कमेंट्स करने वालों की भी कमी नहीं है. काजोल ने कहा कि मैं अपनी बेटी से इस बारे में सकारात्मक बात करती हूं. अगर एक व्यक्ति आपको बुरा कह रहा है और 1,000 लोग अच्छा कह रहे हैं तो इसका मतलब तुम दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की हो.

जनवरी में शादी नहीं करेंगे सिद्धार्थ-किआरा

दोस्त ने बताया सच, कहा- मुझे नहीं लगता कि दोनों ने इस बारे में अभी सोचा है

बीते दिनों खबरे आ रहीं थी का किआरा और सिद्धार्थ मल्होत्रा जनवरी 2023 में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी शादी को लेकर कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। इसी बीच हाल ही में कपल के करीबी दोस्त से शादी की खबरों को खारिज कर दिया है।

दरअसल किआरा-सिद्धार्थ के दोस्त से सवाल किया गया कि क्यों वो दोनों जनवरी में शादी करने वाले हैं। तो इस पर दोस्त ने कहा- मुझे नहीं लगता कि दोनों में से किसी ने भी अभी शादी के बारे में सोचा है, ये सब महज उड़ती हुई खबरें हैं। अभी किआरा के करियर का बेस्ट फेज चल रहा है, ऐसे में शादी उनके करियर पर ब्रेक लगा सकती है।'

कुछ समय पहले शाहिद और किआरा कॉफी विद करण के शो में पहुंचे थे। जहां बातचीत के दौरान शाहिद ने हिंट दिया था कि साल के अंत में किआरा आडवाणी एक बड़ी अनाउंसमेंट कर सकती हैं। जो कि किसी फिल्म की नहीं होगी। शाहिद कपूर के इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई कि किआरा और सिद्धार्थ जल्द शादी कर सकते हैं। तब से ही फैंस कपल की शादी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनके दोस्त की मानें तो ऐसे अभी तक शादी को लेकर कपल का कोई प्लान नहीं है।किआरा और साउथ स्टार राम चरण इन दिनों न्यूजीलैंड में अपनी अपकमिंग फिल्म 'आरसी 15' की शूटिंग कर रहे हैं। ये फिल्म दोनों की साथ में

पहली पैन इंडिया फिल्म है, जिसे एस. शंकर डायरेक्ट कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले किआरा ने शूटिंग की फोटोज शेयर की थी। आरसी 15' की बात करें तो ये एक पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म अगले साल तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किआरा ने 2014 में फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुग जुग जियो' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। किआरा की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द ही 'सत्यप्रेम की कथा', 'गोविंदा नाम मेरा' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। किआरा की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द ही 'सत्यप्रेम की कथा', 'गोविंदा नाम मेरा' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

सलमान खान ग्रे सूट में दिखे हैंडसम, सोशल मीडिया पर हुई जमकर तारीफ

सलमान खान का फैशन सेंस काफी यूनीक है। हाल ही में भाईजान इंटरनेशनल इंडियन फिल्म अकेडमी अवॉर्ड्स IIFA 2023 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में सलमान ग्रे सूट में काफी हैंडसम लग रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए। सलमान के इस स्टाइलिश लुक की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो फिल्म 'टाइगर-3' में नजर आएंगे। इसी के साथ वो फिल्म 'किसी का भाई, किसी की जान' में दिखेंगे। इतना ही नहीं सलमान खान 'दबंग-4' और 'बजरंगी भाईजान' में भी दिखाई देंगे। इसी के साथ सलमान खान बॉलीवुड के किंग यानी की शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' में भी एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। खबर है कि इस फिल्म में वो कैमियो करेंगे। वहीं अब फैंस उन्हें पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आंखों से लेकर नसों तक के लिए नुकसानदायक है हाई ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर बढ़ने की स्थिति शरीर के कई अंगों के लिए नुकसानदायक हो सकती है। आमतौर पर इसे हृदय रोगों के ही प्रमुख कारण के तौर पर जाना जाता है, पर क्या आप जानते हैं कि यह आपकी आंखों, किडनी और तंत्रिकाओं के लिए भी दिक्कतों को बढ़ा सकती है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्लड प्रेशर बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं, हालांकि अगर यह समस्या अक्सर बनी रहती है तो इस बारे में विशेष सावधानी बरतते रहने की जरूरत होती है। ब्लड प्रेशर का 140/90 या इससे अधिक बना रहना हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, उच्च रक्तचाप की स्थिति हृदय, मस्तिष्क, किडनी और आंखों जैसे महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। हालांकि अच्छी खबर यह है कि, ज्यादातर मामलों में रक्तचाप का प्रबंधन करके आप गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम कर सकते हैं। सामान्य घरेलू उपचार भी रक्तचाप की समस्या में आपके लिए लाभकारी हो सकते हैं।

आइए जानते हैं कि ब्लड प्रेशर को किस प्रकार से नियंत्रित करके इसके कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों से बचाव किया जा सकता है?

हाई ब्लड प्रेशर के लक्षणों के बारे में जानिए

डॉक्टर्स कहते हैं, ज्यादातर मामलों में ब्लड प्रेशर बढ़ने की स्थिति में कोई लक्षण नहीं होते हैं। हालांकि कुछ लोगों को सिरदर्द, सांस की तकलीफ, घबराहट, सीने में दर्द जैसी समस्या भी हो सकती है। इस तरह की समस्याओं का समय पर पहचान और इसे प्रबंधित करने के उपाय करना जरूरी हो जाता है। ब्लड प्रेशर के लगातार बढ़े रहने की स्थिति जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का कारण हो सकती है। इसके बचाव के लिए ये तीन उपाय विशेष लाभकारी हो सकते हैं।

आहार में सोडियम की मात्रा रखें कम

सोडियम (नमक) का अधिक सेवन ब्लड प्रेशर बढ़ने का कारण हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग अधिक नमक का सेवन करते हैं, उनमें अन्य लोगों की तुलना में ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा अधिक हो सकता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के विशेषज्ञों के सुझावों के मुताबिक दिनभर में 2,300 मिलीग्राम (एक बड़े चम्मच) से अधिक मात्रा में नमक का सेवन नहीं किया जाना चाहिए, इससे हाइपरटेंशन का खतरा हो सकता है।

नियमित व्यायाम की बनाएं आदत

शारीरिक गतिविधि और वर्कआउट आपको शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने में मदद करते हैं। व्यायाम की आदत बनाना रक्तचाप को नियंत्रित करने में भी आपके लिए लाभकारी हो सकती है। विशेषज्ञों ने पाया कि व्यायाम की आदत बनाना तंत्रिकाओं और हृदय को स्वस्थ रखने में भी लाभकारी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सभी लोगों को रोजाना 30 मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए।

बढ़ती उम्र और सवाल फिटनेस का:एक्टिव लोगों के दिमाग में बेहतर बदलाव होते हैं

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन रविवार को 80 वर्ष के हो गए। उनके आलोचक और डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेता सवाल उठाते हैं कि क्या वे दूसरे कार्यकाल के लिए फिट रहेंगे। अगर बाइडेन 2024 में चुनाव जीत जाते हैं तो दूसरे कार्यकाल के अंत में 86 साल के हो जाएंगे।

विशेषज्ञ कहते हैं कि 80 वर्ष के बाद भी लोग यदि एक्टिव रहते हैं, उनके जीवन का कोई उद्देश्य होता है तो वे स्वस्थ बने रह सकते हैं। वे अपना काम अच्छे तरीके से कर सकते हैं। बुद्धिमानी, विवेक और अनुभव उनकी महत्वपूर्ण खासियत है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बुजुर्गों के स्वास्थ्य से जुड़े दस विशेषज्ञों से जानना चाहा कि राष्ट्रपति की आयु के व्यक्ति की अगले छह सालों में क्या स्थिति रहेगी। इन विशेषज्ञों ने बाइडेन का इलाज नहीं किया है। हालांकि, 79 वें जन्मदिन पर जारी उनकी मेडिकल रिपोर्ट और सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी से अपने निष्कर्ष निकाले हैं। विशेषज्ञ सहमत हैं कि बाइडेन के पक्ष में कई कारण हैं। वे बहुत अधिक शिक्षित हैं। सामाजिक संपर्क ज्यादा है। उनके जॉब में बहुत सोच-विचार की जरूरत पड़ती है। अध्ययनों के अनुसार ये सभी कारण बुढ़ापे में दिमागी कमजोरी, मतिभ्रम से सुरक्षित रखते हैं।

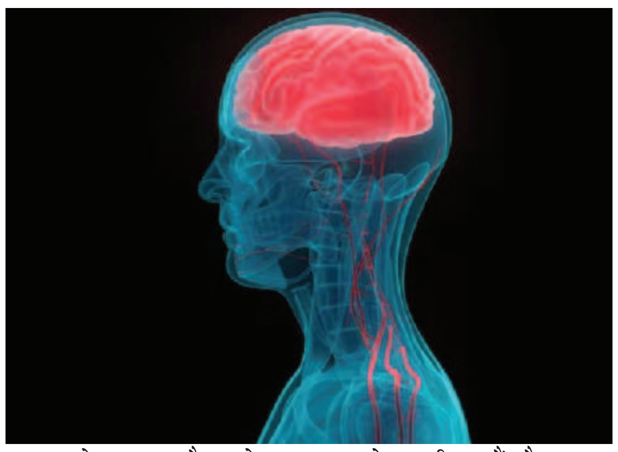

स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इसके अलावा बाइडेन शादीशुदा हैं और मजबूत पारिवारिक रिश्ते से बंधे हैं। वे स्मोकिंग नहीं करते, शराब नहीं पीते हैं। सप्ताह में पांच दिन एक्सरसाइज करते हैं। बाइडेन की नस्ल भी एक कारण है।कोलंबिया यूनिवर्सिटी में बुजुर्गियत और स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर डॉ. जॉन रो के अनुसार 80 साल के औसत श्वेत व्यक्ति आठ साल और जीवित रह सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है, सक्रिय लोगों का दिमाग अच्छे से काम करना सीखता है। यहां तक कि मस्तिष्क की कुछ गतिविधियां सुधर जाती हैं।

नई कोशिकाएं बनती हैं

मनोविज्ञानी डॉ. का कहना है, यह विचार सच नहीं है कि बुढ़ापे का संबंध केवल गिरावट से है। दुनियाभर में हुए अध्ययन बताते हैं कि शारीरिक, सामाजिक, दिमागी और संज्ञान की दृष्टि से एक्टिव लोगों के मस्तिष्क में खास नेटवर्क मजबूत होते हैं। आयु बढ़ने के साथ दिमाग के कुछ हिस्सों में नए न्यूरॉन बनते हैं।

जाड़े में जोड़ों के दर्द से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें

ठंड का मौसम आ गया है और इस समय हड्डियों व जोड़ों के दर्द की समस्याएं सिर उठाती हैं। ख़ासतौर से उम्रदराज़ लोगों को इस समय काफ़ी दिक़्क़तों का सामना करना पड़ता है। जोड़ों के दर्द से बचाव के लिए बेहद सरल उपाय हम आपसे साझा कर रहे हैं।

जोड़ों में दर्द का प्रमुख कारण है ठंड के दौरान नसों का सिकुड़ना व हड्डियों के लचीलेपन में कमी आना। विटामिन-डी की कमी के कारण भी जोड़ों में दर्द का सामना करना पड़ता है। इसलिए ठंड के मौसम में जोड़ों का ख़्याल रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। अच्छी बात है कि रोज़मर्रा की आदतों व खानपान में बदलाव लाकर दर्द से राहत पाई जा सकती है।

सुबह की धूप लें

सूर्य से हमारे शरीर को विटामिन-डी मिलता है और हड्डियों को सबसे ज़्यादा फ़ायदा सुबह की धूप लेने से होता है। ठंड से बचने के लिए लोग स्वेटर या जैकेट से शरीर ढक लेते हैं। ऐसे में उन्हें भरपूर मात्रा में विटामिन-डी नहीं मिल पाता। इसलिए सुबह के समय धूप में अपने शरीर को खुला रखकर बैठें। ख़ासकर अपने पैरों और हाथों के जोड़ों को धूप के संपर्क में लाएं। विटामिन-डी प्राप्त करने का यह क़ुदरती तरीक़ा है।

ज़रूर करें मालिश

मालिश से रक्त संचार तो बेहतर होता ही है साथ ही हड्डियों को भी मज़बूती मिलती है। इसलिए जब भी समय मिले गुनगुने तेल से मालिश करें। ख़ासतौर से ठंड के मौसम में मालिश से हड्डियों को गर्माहट मिलती है, जिससे नसों की सिकुड़न कम हो जाती है और दर्द से राहत मिलती है। इसके साथ ही प्रदूषण रहित वातावरण में टहलें और रक्त संचार को बेहतर करें ताकि मन व मस्तिष्क स्वस्थ रहें।

व्यायाम व योग अपनाएं

नियमित तौर पर व्यायाम या योग करने से शरीर की हड्डियों में लचीलापन व गर्माहट बनी रहती है। ठंड के मौसम में शारीरिक गतिविधियां भी कम हो जाती हैं। लोग आलस के कारण चलना-फिरना भी कम कर देते हैं जिसके चलते उनके जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए हल्की-फुल्की चहल-क़दमी दिनचर्या में ज़रूर शामिल करें। सुबह के समय टहलने से न सिर्फ़ शरीर को गर्माहट मिलती है बल्कि मानसिक तनाव भी दूर होता है।

कैल्शियम की कमी

हड्डियों के विकास व मज़बूती के लिए कैल्शियम बहुत ज़रूरी है। इसलिए कैल्शियम से युक्त खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करें। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में विटामिन भी लें। हड्डियों की मज़बूती के लिए विटामिन-डी भी आवश्यक है। इसकी अधिक कमी होने पर डॉक्टर सप्लीमेंट लेने की सलाह भी देते हैं। लेकिन उसके पहले ज़रूरी टेस्ट करने होते हैं, उनके आधार पर मात्रा निर्धारित की जाती है।

गुनगुने पानी से स्नान

जिन लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या है उन्हें गुनगुने पानी से नहाना चाहिए, ताकि नसों में ठंड के कारण सिकुड़न न आए। पैरों में ज़्यादा दर्द होने पर गुनगुने पानी में पैर डालकर रखने से भी आराम मिलता है। इसलिए सर्दियों में हल्के गर्म पानी से ही नहाएं। नहाने के बाद कुछ देर धूप में भी बैठ सकते हैं। गुनगुने तेल से मसाज भी कर सकते हैं।

कुछ महत्वपूर्ण बातें-

1 यदि आपको जोड़ों के दर्द की समस्या है तो डॉक्टर से परामर्श लेकर दर्द से राहत पाने के लिए व्यायाम ज़रूर करें।

2 योग को अपनी दिनयर्चा में शामिल करें। सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन जैसे आसन करें। योग किसी विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें।

3 सैर पर जाते समय अच्छी गुणवत्ता वाले स्पोर्ट्स शूज़ पहनें।

4 महिलाएं हाई हील वाले जूते व सैंडल न पहनें, क्योंकि इससे जोड़ों पर अधिक ज़ोर पड़ता है।

5 सही पॉश्चर में उठें-बैठें जिससे हड्डियों पर विपरीत असर न पड़े।

6 बिस्तर पर लेटकर मोबाइल, टीवी न देखें, क्योंकि लेटते समय जब इन्हें देखते हैं तो शरीर का पॉश्चर गड़बड़ा जाता है।

7 कंधों को और पीठ को झुकाकर न चलें।

8 जोड़ों को ठंडी हवा से बचाएं, उन्हें गर्म कपड़ों से ढक कर रखें।

9 व्यायाम करने से पहले और उसके बाद वॉर्म-अप ज़रूर करें।

चॉकलेट-टॉफी हो सकती है जानलेवा! आठ साल के बच्चे की मौत, आप भी बरतें सावधानी

तेलंगाना में आठ वर्षीय एक बच्चे की मौत चॉकलेट खाने से हो गई। असल में चॉकलेट बच्चे को गले में अटक गई थी, जिसके कारण उसका दम घुट गया। इस खबर ने कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या बच्चों को चॉकलेट नहीं देना चाहिए? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बच्चे ने चॉकलेट मुंह में रखी जो उसके गले में अटक गई। सांस न आने कारण बच्चा परेशान होकर जमीन पर गिर पड़ा, आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत करार दिया।

डॉक्टर्स का कहना है कि छोटे बच्चों में गले में भोजन फंसने के मामले और इसकी जटिलताएं अक्सर देखी जाती रहती हैं, कुछ स्थितियों में इसके गंभीर रूप लेने का खतरा हो सकता है। माता-पिता को इस बारे में विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

बच्चों के खाने को लेकर माता-पिता बरतें सावधानी

अमर उजाला से बातचीत में इंटेंसिव केयर यूनिट का डॉक्टर विक्रमजीत सिंह कहते हैं, बच्चों में चॉकलेट और टॉफी जैसी चीजों के श्वासनली में फंसने का जोखिम अक्सर देखा जाता रहा है, कुछ स्थितियों में इसके कारण गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं के विकसित होने का खतरा अधिक हो सकता है। अक्सर चलते-फिरते बच्चे चॉकलेट और कैंडी खाते रहते हैं, ऐसे में अचानक इसके गले में फंसने का जोखिम हो सकता है। खाने की चीजों को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। बच्चों को चॉकलेट न दें, इससे दांतों के साथ सेहत को और कई नुकसान हो सकते हैं।

वायुमार्ग में फंस सकती हैं ठोस चीजें

डॉक्टरकहते हैं, चॉकलेट जैसी खाने की सख्त चीजों को अगर सही तरीके से चबाया न जाए तो इसके वायुमार्ग में फंसने का खतरा हो सकता है। यही कारण है कि बच्चों को चॉकलेट या ठोस चीज खाने को देते समय विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है।

एहतियात के तौर पर छोटे बच्चों को बिल्कुल भी चॉकलेट या कैंडी खाने को नहीं देना चाहिए। छोटे बच्चों के दांत नहीं होते हैं ऐसे में चॉकलेट निगलने और फिर उसके गले में फंसने का खतरा हो सकता है। इस बारे में सभी माता-पिता को सावधानी बरतनी चाहिए।

श्वासनली में कुछ फंस जाए तो क्या करें?

डॉक्टर बताते हैं, खाने के दौरान हमेशा सावधानी बरतते रहना चाहिए, बच्चे ही नहीं वयस्कों के लिए भी इसका खास ख्याल रखा जाना चाहिए। हमेशा भोजन को चबा कर खाएं, सीधे निगलने से उसके श्वासनली में फंसने को जोखिम हो सकता है। इस तरह की स्थिति को आपत स्थिति के रूप में जाना जाता है, श्वासनली में कुछ फंस जाए तो वेलसेल्वा मैनेअर दिया जाता है। इसमें फेफड़ों के बीच दबाव डाला जाता है, जिससे खांसी के माध्यम से फंसी हुई चीजों के बाहर निकालने में मदद मिल सके। रोगी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में लेकर जाएं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ा रहा है टेंशन तो इन बातों पर गौर करें

पिछले कुछ दिनों से हृदय रोग और हार्ट अटैक से जान गंवाने वाले कम उम्र लोगों की फेहरिस्त में लगातार इजाफा हुआ है। इनमें से अधिकांश लोग न केवल फिटनेस को लेकर सतर्क थे बल्कि नियमित व्यायाम आदि से भी जुड़े थे। तथ्य यह है कि हृदय या किसी भी अन्य रोग के मामले में कोई भी एक कारण न तो सुधार की वजह बनता है न ही स्थिति के बिगड़ने की। हृदय के मामले में भी कई सारे कारण सेहत बिगड़ने के पीछे हो सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल इनमें प्रमुख रूप से शामिल है।

जब भी दिल की सेहत की बात होती है कोलेस्ट्रॉल का नाम हमेशा आता है। कभी इसे लेकर खान पान को सुधारने की बात कही जाती है तो कुछ लोगों को इसके स्तर को संतुलित बनाये रखने के लिए बकायदा नियमित दवाइयां भी दी जाती हैं। आखिर क्यों कोलेस्ट्रॉल का स्तर इतना महत्वपूर्ण है? क्या कोलेस्ट्रॉल का होना केवल बुरा ही होता है? आखिर दिल की सेहत को कोलेस्ट्रॉल कैसे नुकसान पहुंचाता है? और क्या इसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है? जानिए करीब से क्या है कोलेस्ट्रॉल का संतुलित स्तर और कैसे इसे बनाये रखा जा सकता है।

गंदगी का जमा हो जाना है कोलेस्ट्रॉल

इसे इस तरह समझिये। आपके किचन के सिंक में जूठन इकट्ठी होकर पानी के निकलने का मार्ग बंद कर देती है या उसमें बाधा पैदा करने लगती है। इसी वजह से पानी का जमाव एक जगह होने लगता है और सड़न पैदा होने लगती है। लगभग इसी तरह की बाधा कोलेस्ट्रॉल की वजह से खून ले जाने वाली धमनियों में पैदा होती है। इसकी वजह से खून और ऑक्सीजन ठीक तरह से शरीर में पहुंच नहीं पाता और हृदय पर भी दबाव बनने लगता है। यह स्थिति हृदय को अंदरूनी तौर पर नुकसान पहुंचाने और हार्ट अटैक आदि का कारण बन सकती है।

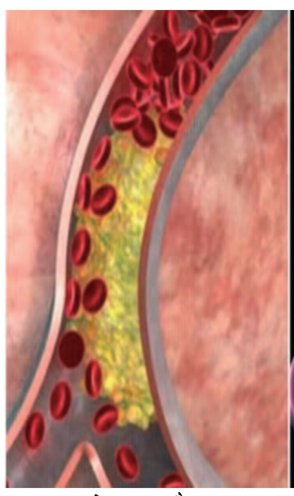

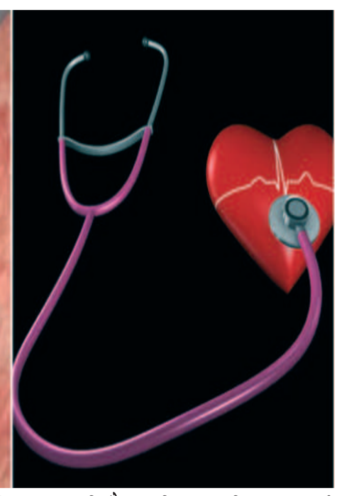

अच्छा भी, बुरा भी

कोलेस्ट्रॉल का होना शरीर के लिए अच्छा भी होता है और जरूरी भी। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को दो प्रकारों- अच्छा कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल और बुरा कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल में बांटा जाता है। इनमें से अच्छे कोलेस्ट्रोल का स्तर 60 या इससे ऊपर व बुरे कोलेस्ट्रॉल का स्तर 100 से नीचे होने चाहिए। शरीर में कुल कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 200 के भीतर होनी चाहिए। यह स्तर शारीरिक संरचना, स्थिति और महिला-पुरुष होने आदि पर भी निर्भर कर सकता है। लेकिन औसतन 200 के अंदर का स्तर जिसमें कि अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा सही हो, अच्छा माना जाता है।

वसा का एक प्रकार

कोलेस्ट्रॉल असल में एक प्रकार का लिपिड या वसा (फैट) है। याद कीजिये डॉक्टरों द्वारा लिपिड टेस्ट करवाने के लिए दी जाने वाली सलाह। यही टेस्ट कोलेस्ट्रॉल के स्तर को जांचने के काम आता है। कोलेस्ट्रॉल का संतुलित मात्रा में शरीर में होना भी जरूरी है। शरीर इसकी मदद कई कामों में लेता है। इसलिए खून के साथ इसका होना सामान्य बात है। जब इसकी मात्रा खून में बढ़ने लगती है तब मुश्किल खड़ी होती है। तब यह धमनियों की दीवारों पर इकट्ठा होने लगता है या कहिये जमने लगता है, क्षति पहुंचाने लगता है और एथरोस्क्लेरोटिक प्लाक (वसा का कड़क रूप) में बदलने लग जाता है। प्लाक के बनने की यह स्थिति एथरोस्केलेरोसिस कहलाती है।

हो सकती हैं ये परेशानियां

प्लाक के जमने की यह स्थिति कई गंभीर समस्याओं को जन्म देती है। इसमें शामिल हैं-

कोरोनरी आर्टरी डिसीज

पेरिफेरल आर्टरी डिसीज

कैरोटिड आर्टरी डिसीज

खून के साथ कोलेस्ट्रॉल के बहने और प्लाक के बनने की स्थिति इतनी धीमी होती है कि इसका पता बिना जांच के नहीं चल सकता। अधिकांशतः लम्बे समय तक कोई गंभीर लक्षण भी नहीं उभरते और फिर सीधे हार्ट अटैक या स्ट्रोक के रूप में मुसीबत सामने आ जाती है। यही कारण है कि डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को लेकर खासतौर पर सजग रहने को कहते हैं।

ये उपाय अपनाएं

सबसे पहली चीज है नियमित रूटीन। नियमित रूटीन यानी हर चीज में नियमितता। सोने-जागने, व्यायाम और खान-पान हर चीज में। चाहे आपकी उम्र 20 साल हो या 40

भोजन में दिन में कम से कम एक बार खीरा, सेब, पपीता, दही, छाछ, गाजर, आदि को शामिल अवश्य करें

वजन को हमेशा संतुलित रखें, खासकर पेट पर चढ़ने वाली चर्बी से बचें

धूम्रपान की लत को तुरंत छोड़ने का प्रयास करें

प्रोसेस्ड और डिब्बाबंद खाद्यों से दूरी बना लें और कचौरी-समोसे, पकौड़े जैसी चीजों को भी बहुत कम खाएं। आप महीने में एक बार एक कचौरी या समोसा खा सकते हैं

यदि आप नाइट शिफ्ट में काम करते हैं तो अपने डिनर का समय शाम 6 के बाद न रखें। इसके बाद 8 बजे तक आप दूध, फल आदि खा सकते हैं। अनाज खाने से बचें

भोजन के बाद टहलें

रात को भोजन के बाद सीधे सो नहीं जाएँ। थोड़ी देर टहलें जरूर ।

मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार, दलिया, चोकर वाला गेहूं का आटा आदि का प्रयोग अवश्य करें।

यदि आप पहले से कोलेस्ट्रॉल के बढ़े स्तर, मोटापे आदि की समस्या से ग्रस्त हैं तो सबसे पहला नियंत्रण भोजन पर ही करें।

सालाना जांचों पर हमेशा ध्यान दें और यदि आपको डायबिटीज और बीपी के प्रबंधन हेतु दवाई दी गई है तो उसका सेवन सही समय पर, सही मात्रा में और नियमित करें।

भरपूर मात्रा में पानी पीएं, नींद लें और मेडिटेशन जैसी तकनीकों से स्ट्रेस, तनाव आदि को दूर रखने की कोशिश करें।

कैसे बनता है आलू का दूध? एक बार आज़मा कर देखें जबरदस्त हैं इसके फायदे

आलू एक ऐसी सब्जी है जिसके बिना रसोईघर अधूरा सा लगता है और हर सब्जी में इसे मिक्स किया जाता है. आलू के बिना कोई भी सब्जी अधूरी सी लगती है. लेकिन आजकल आलू की सब्जी नहीं बल्कि आलू का दूध काफी ट्रेंड में है जिसे आलू का दूध कहा जाता है. अगर आपसे कोई कहे कि क्या आपने कभी पोटैटो मिल्क पिया है तो आपको सुनकर थोड़ी हैरानी होगी. लेकिन इसके फायदे जानकर आप दंग रह जाएंगे. आइए जानते हैं आलू का दूध के फायदे और इसे घर पर बनाने का तरीका.

आलू का दूध के फायदे

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार दूध में कैल्शियम और आयरन भरपूर मात्रा में होता है. वहीं आलू में कैल्शियम, लोहा, विटामिन-बी और फास्फोरस मिलता है. ऐसे में यदि आलू का दूध तैयार किया जाए तो आपको विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन डी, विटामिन के और विटामिन बी12 भरपूर मात्रा में प्राप्त होगा. विशेषज्ञों के अनुसार आलू का दूध व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक लाभ देने में सक्षम है. इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि आलू का दूध पीने से दिमाग शांत होता है मानसिक ताकत मिलती है.

घर पर बनांए आलू का दूध

वैसे तो आजकल बाजार में आलू का दूध मिलने लगा है लेकिन आप इसे घर पर ही तैयार करेंगे तो यह अधिक फायदेमंद साबित होगा.

इसके लिए सबसे पहले आलू को छीलकर उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें.

इसके बाद आलू के इन टुकड़ों को किसी बर्तन में डालकर उबालें.

आलू उबलने के बाद उसे मिक्सी में डालें और उसमें दूध और चीनी मिलाकर अच्छे से ब्लेंड कर लें.

इसके बाद इसे छान लें और फिर आलू का दूध पीने के लिए बिल्कुल तैयार है.

आप चाहें तो इसमें अपनी जरूरत के अनुसार आइस भी मिक्स कर सकते हैं.

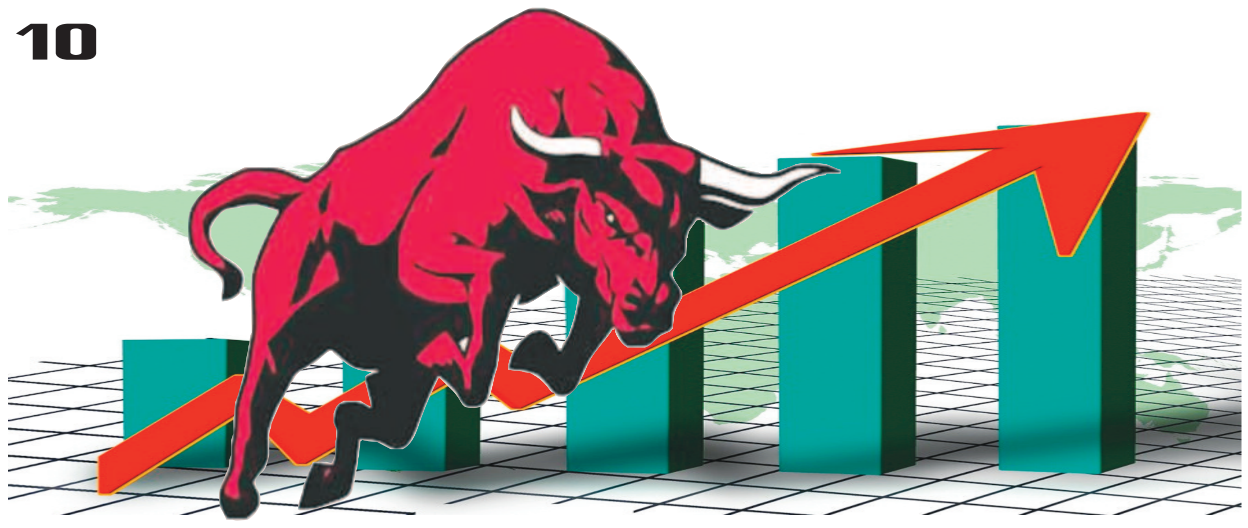

खरीदना है सोना-चांदी तो जान लीजिए आज महंगा मिलेगा या सस्ता

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजार में आज धीमा कारोबार हो रहा है और सोना हल्की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रही है। हालांकि आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना जोरदार उछाल के साथ कारोबार दिखा रहा है और चांदी भी तेजी के साथ बनी हुई है।सोना आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है और 53016 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबार कर रहा है और इसमें 32 रुपये या 0.06 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार हो रहा है। सोने के ये दाम इसके फरवरी वायदा के लिए हैं। इसके अलावा चांदी की बात करें तो सिल्वर के रेट आज 19 रुपये या 0.03 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 62,855 रुपये प्रति किलो पर बने हुए हैं। चांदी के ये दाम इसके मार्च वायदा के लिए हैं। स्पॉट मार्केट में भी सोना तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। ग्लोबल मार्केट में कॉमैक्स पर सोना 20.05 डॉलर या 1.15 फीसदी की बढ़त के साथ 1,768.45 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी में भी 0.050 डॉलर या 0.23 फीसदी की बढ़त के बाद 21.445 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। शेयर इंडिया के वीपी, हेड ऑफ रिसर्च डॉ रवि सिंह का कहना है कि आज गोल्ड के कारोबार में तेजी ही देखी जा सकती है। 52300-52400 की रेंज में खुलने के बाद सोना 52200-52600 रुपये प्रति 10 ग्राम की रेंज में कारोबार कर सकता है।

14 रु. तक सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल:कच्चे तेल के दाम गिरे

कस्टमर-कंपनी दोनों को फायदा

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कच्चे तेल के दाम गिरने के चलते देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 14 रुपए तक की कमी आ सकती है। इंटरनेशनल बाजार में कच्चे तेल (ब्रेंट) की कीमत जनवरी से निचले स्तर पर हैं। यह अब 81 डॉलर से नीचे आ गया है। अमेरिकी क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है।

मई के बाद पहली बार पेट्रोल-डीजल के दाम घट सकते हैं

खास तौर पर कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट से भारतीय रिफाइनरी के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत (इंडियन बास्केट) घटकर 82 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। मार्च में ये 112.8 डॉलर थी। इस हिसाब से 8 महीने में रिफाइनिंग कंपनियों के लिए कच्चे तेल के दाम 31 डॉलर (27%) कम हो गए हैं। एसएमसी ग्लोबल के मुताबिक, क्रूड में 1 डॉलर गिरावट आने पर देश की तेल कंपनियों को रिफाइनिंग पर प्रति लीटर 45 पैसे की बचत होती है। इस हिसाब से पेट्रोल-डीजल के दाम 14 रु. प्रति लीटर तक कम होने चाहिए। हालांकि, विशेषज्ञों के मुताबिक पूरी कटौती एक बार में नहीं होगी।

ऑयल कंपनियों को प्रति बैरल 245 रुपए की बचत

अभी देश में पेट्रोल और डीजल की जो कीमतें हैं, उसके हिसाब से क्रूड ऑयल का इंडियन बास्केट करीब 85 डॉलर प्रति बैरल होना चाहिए, लेकिन ये 82 डॉलर के आसपास आ गया है। इस भाव पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को प्रति बैरल (159 लीटर) रिफाइनिंग पर करीब 245 रुपए की बचत होगी।

ऑयल कंपनियों को हो रहा घाटा अब खत्म

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि सरकारी तेल कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर मुनाफा होने लगा है, लेकिन डीजल पर अब भी 4 रुपए प्रति लीटर घाटा हो रहा है। तब से अब तक ब्रेंट क्रूड करीब 10% सस्ता हो गया है। ऐसे में कंपनियां डीजल पर भी मुनाफे में आ गई हैं।

70 डॉलर की तरफ बढ़ रहा कच्चा तेल, मिलेगी राहत

पेट्रोलियम एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा ने कहा कि ब्रेंट तेजी से 70 डॉलर की तरफ बढ़ रहा है। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम जरूर कम होंगे, लेकिन थोड़ा वक्त लगेगा। तेल आयात से लेकर रिफाइनिंग तक का साइकल 30 दिन का होता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम घटने के एक माह बाद असर दिखता है।

3 वजहों से सस्ता हो रहा है कच्चा तेल

पेट्रोल-डीजल के आज के दाम

देश में तेल के दाम लगभग पिछले करीब 6 महीने से स्थिर हैं। हालांकि, जुलाई में महाराष्ट्र में पेट्रोल जरूर पांच रुपए और डीजल तीन रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ था, लेकिन बाकी राज्यों में दाम जस के तस बने हुए हैं।

भारत अपनी जरूरत का 85% कच्चा तेल करता है आयात

हम अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल बाहर से खरीदते हैं। इसकी कीमत हमें डॉलर में चुकानी होती है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने और डॉलर के मजबूत होने से पेट्रोल-डीजल महंगे होने लगते हैं। कच्चा तेल बैरल में आता है। एक बैरल यानी 159 लीटर कच्चा तेल होता है।

भारत में कैसे तय होती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें?

जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया।

इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी।19 अक्टूबर 2014 से सरकार ने ये काम भी ऑयल कंपनियों को सौंप दिया। अभी ऑयल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत, एक्सचेंज रेट, टैक्स, पेट्रोल-डीजल के ट्रांसपोर्टेशन का खर्च और बाकी कई चीजों को ध्यान में रखते हुए रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करती हैं।

दैनिक पचाग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-28	बजे
चंद्र-	कुंभ	में	धनु---	07-42	बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-46	बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ -	11-47	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	13-15	बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष--	14-51	बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	16-36	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	18-37	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-48	बजे
			सिंह...	23-01	बजे
			कन्या..	01-11	बजे
			तुला	03-17	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल-दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **07 -21** तक उपरान्त नवमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Dec 01**
नक्षत्र -पूर्वाभाद्रपद - **05 - 43** - अहोरात्र तक
योग - हर्षण-**09 - 32** - तक उप- वज्र
करण- बव - **07 - 21** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - नरसी मेहता जयन्ती

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:29 से 14:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:33 - 07:55	शुभ	अमृत	.17:39 - 19:16	शुभ
रोग	07:55 - 09:18	अशुभ	चंचल.	19:16 - 20:52	शुभ
उत्पात	09:18 - 10:42	अशुभ	रोग	20:52 - 22:29	अशुभ
चंचल	10:42 - 12:05	शुभ	काल.	22:29 - 00:05	अशुभ
लाभ	12:05 - 13:29	शुभ	लाभ	00:05 - 01:42	शुभ
अमृत	13:29 - 14:52	शुभ	उत्पात	01:42 - 03:19	अशुभ
काल	14:52 - 16:16	अशुभ	शुभ	03:19 - 04:55	शुभ
शुभ	16:16 - 17:36	शुभ	अमृत	04:55 - 06:33	शुभ

गन्ने का रेट न बढ़ने पर किसान आंदोलन की चेतावनी, पंजाब बढ़ा चुका रेट

चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र (हरियाणा), 30 नवंबर (एजेंसियां)। जारी किया वीडियोहरियाणा में अब तक गन्ने का रेट न बढ़ने पर किसान बिफर गए हैं। भाकियू चढूनी ने जनवरी महीने में आंदोलन की चेतावनी दे दी है। यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने बुधवार सुबह वीडियो जारी किया। कुरुक्षेत्र के पिहोवा क्षेत्र के गांव संधोला में किसानों की एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम चढूनी मुख्य तौर पर पहुंचे। गन्ना उत्पादक किसानों ने इस दौरान चढूनी के समक्ष अपनी समस्याएं रखी तो उन्होंने भी गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की। किसानों ने कहा कि मशीन द्वारा कटाई किए गए गन्ने पर लगने वाली काट सरकार ने बढ़ाकर सात फीसदी कर दी है जबकि पंजाब में काट केवल तीन फीसदी है और महाराष्ट्र में ये काट 4.5 फीसदी है। हरियाणा सरकार ने काट बढ़ाकर सात फीसदी कर दी है। चढूनी ने कहा की हरियाणा सरकार गन्ना किसानों के साथ अन्याय कर रही है एक और तो मिल में पिराई शुरू होने के बाद भी अभी तक गन्ने का रेट घोषित नहीं किया है और गन्ने का मौजूदा रेट हरियाणा प्रदेश में बेहद कम है। जबकि हरियाणा में गन्ने का रेट पूरे देश में सबसे अधिक होता था लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आने के बाद गन्ने के मूल्य उचित वृद्धि नहीं की है जिस कारण पंजाब में गन्ना का रेट 380 रुपये प्रति क्विंटल है जबकि हरियाणा में केवल 362 रुपये प्रति क्विंटल है। दूसरी और मशीन द्वारा कटाई किए गए गन्ने पर काट बढ़ाकर सात फीसदी कर दी है, जो की किसान पर दौहरी मार है। गुरनाम चढूनी ने कहा की हैरानी की बात यह है कि

गन्ने का रेट 362 रुपये प्रति क्विंटल है जबकि खोई जो चीनी बनाने के बाद वेस्ट के रूप में बचती है उसका मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल है। इस तरह फसल का मूल्य कम है और वेस्टेज का ज़्यादा। उन्होंने सरकार से मांग की मौजूदा पिराई सत्र के लिए सरकार गन्ने का रेट बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करें और काट को पंजाब की तर्ज़ पर तीन फीसदी किया जाए, ताकि गन्ना किसान घाटे में ना जाए। वहीं गुरनाम चढूनी ने सरकार को चेतावनी भी दी की अगर सरकार ने गन्ना का मूल्य मौजूदा पिराई सत्र में नहीं बढ़ाया तो भाकियू(चढूनी) जनवरी माह में आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। वहीं गुरनाम चढूनी ने किसानों को भी जनवरी माह में आंदोलन के लिए तैयार रहने को कहा। इस मौके पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह मथाना,प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस वडैच,पिहोवा ब्लॉक प्रधान जोगिंदर काजल ,जसमेर ढाडां,परविंद्र कंबोज,राजेश संधोला,रवि पुनिया,ज़िला पार्षद प्रतिनिधि सुंदरपाल सारसा,भाकियू युवा उप प्रधान व ब्लॉक समिति सदस्य आशुदेव ,सुखविंद्र वडैच व सैंकड़ो किसान मौजूद रहे।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आज प्रात: से ही आप अपने किसी प्रियजन के साथ दावत का मन बनायेंगे तथा उसी सोच-विचार में आधा दिन व्यतीत कर देंगे। जीवन साथी के रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। दैनिक कार्य-प्रणाली में कुछ बदलाव करने का मन बनेगा। साझेदारी के कार्यों में लाभ प्राप्ति के संकेत हैं। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज मन बहुत अधिक प्रसन्न रहेगा। माता के स्वास्थ्य में सुधार देखने को मिलेगा। आज ऋणों के पूर्ण भुगतानों का दिन है, इसमें आप कुछ हद तक सफल होंगे। शूगर के रोगियों को सावधानी बरतनी होंगी। सन्तान की गलत संगत से परेशान रहेंगे, उसका निवारण निकालने में असफल रहेंगे। दोपहर बाद समय अनुकूल रहेगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
यदि आप नौकरी पेशा है तो साथी कर्मचारी आपकी छवि खराब करने या हानि पहुँचाने की कोशिश करेंगे। सन्तान के विवाह की चिन्ता बनी रहेगी। दोपहर बाद की यात्रा लाभकारी रहेगी। आप अपने सगे-संबंधियों की भी मदद लेंगे। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज का दिन लाभकारी रहेगा।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज कार्य की अधिकता आप पर हावी रहेगी।कार्यक्षेत्र में कोई चुनौती भी आज आपको मिल सकती है।आज आपको महसूस होगा कि कार्यक्षेत्र में समय व्यतीत करना होगा। बहुत से लोगों को लगेगा कि आज आप अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हट रहे हैं।अर्थ प्रबन्ध की व्यवस्था के लिए ऋण लेने का विचार मन में आ सकता है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
महिला वर्ग के लिये दिन अति शुभ है।भाग्य आज उनके साथ हैंजो भी कार्य वे हाथ में लेंगी उसे सरलता से पूर्ण कर लेंगी। आजीविका के क्षेत्र में दिन अच्छा गुजरेगा।छोटी-मोटी बाधा रह सकती है परन्तु आप इन बाधाओं को सहज ही पार कर लेंगे।जो लोग प्रेम-संबंध में हैं उनमें मन-मुटाव या गलतफहमी पैदा हो सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रात: से ही आज धार्मिक कार्यों में रुचि रहेंगी। धार्मिक स्थल पर आज आप अपना योगदान भी देंगे। छोटे बहन-भाइयों से किसी बात को लेकर आप मन में गाँठ बना लेंगे। आपके प्रियजन ही आज आपकी पीठ पीछे आलोचना करेंगे। जीवन साथी से भी आज मन-मुटाव हो सकता है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पिछले समय से जो नये कार्य की नींव डालने का विचार जो मन में चल रहा था, उस प्रक्रिया को आज आप आगे बढ़ा सकते हैं। जुए-सट्टे या शेयर मार्केट में यदि निवेश का विचार है तो धन हानि की संभावना है। दोपहर बाद से ग्रह-स्थितियाँ बदलेंगी। कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय दोपहर बाद आप ले सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
पिछले कई दिनों से जिसे आप अपना जीवन साथी बनाने के लिए सोच रहे हैं उससे आप मन की बात आज कह सकते है। भोग-विलास पर आज धन खर्च का योग है। दोपहर बाद संतान से मतभेद होने की संभावना है। आज का दिन मिला-जुला सा गुजरेगा, महत्त्वपूर्ण निर्णय आज की बजाय कल पर टालें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आज प्रात: से ही आप अपने आप के लिये समय निकालने की सोचेंगे तथा अपने अधूरे कार्य पूरे करने की कोशिश करेंगे। दोपहर बाद आपके व्यवहार में बदलाव देखने को मिलेगा। लाभ तथा हानि की तुलना में आज आप उलझकर रह जाएंगे। कार्यक्षेत्र में भी आपको कई जगह कूटनीति अपनानी पड़ेगी।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
नौकरी पेशा व्यक्तियों के लिए आज का दिन अति शुभ है। आज शत्रु भी आपके कार्यों में आपकी मदद के लिए आगे रहेंगे। पिता के लिए आज का दिन शुभ है, उनकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के संकेत हैं। कई जगह लोग आज आपकी प्रतिष्ठा पर प्रश्न भी उठा सकते हैं। सर्तकता आपके लिए लाभदायक रहेगी।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
अपने वैवाहिक जीवन में इतने खो जाएंगे कि आप अपनी जिम्मेदारियों को भी नजर अंदाज कर बैठेंगे।जो भी व्यक्ति आपको अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराना चाहेगा,वही व्यक्ति आपके शत्रु सा प्रतीत होगा।दोपहर बाद आपको इसका आभास होगा तथा आप अपनी कार्यप्रणाली में तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पुश्तैनी जमीन जायदाद का मामला जो कुछ समय से आपके परिवार में चल रहा था वह मामला आज आपकी सलाह से आगे बढ़ सकती है। कई दिनों से जिस धन प्रबन्ध में आप जुटे हुए थे वह आज काफी हद तक पूर्ण हो जायेगा। आज के दिन कार्यक्षेत्र में विस्तार होने की संभावना है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

64 साल की उम्र में विक्रम किर्लोस्कर का निधन:दिल का दौरा पड़ने से गई जान

बेंगलुरु, 30 नवंबर (एजेंसियां)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस चेयरपर्सन विक्रम किर्लोस्कर का 29 नवंबर को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 64 साल के थे। किर्लोस्कर बिजनेस फैमिली की चौथी पीढ़ी के मेंबर, विक्रम किर्लोस्कर को टोयोटा के कारोबार को भारत में लाने का श्रेय काफी हद तक जाता है। कंपनी ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी। विक्रम किर्लोस्कर का जन्म नवंबर 1958 में हुआ था। उनके पिता का नाम श्रीकांत किर्लोस्कर है। विक्रम ने ऊटी के लॉरेंस स्कूल में पढ़ाई की। स्कूल के बाद वो मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ने चले गए। उन्होंने एमआईटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। 2017 में एक इंटरव्यू में, उन्होंने कहा था कि इंजीनियरिंग बैकग्राउंड ने उन्हें फैमिली बिजनेस में शामिल होने में उनकी मदद की। एमआईटी से ग्रैजुएशन करने के बाद विक्रम किर्लोस्कर फैमिली बिजनेस से जुड़ गए। शुरुआत में उन्होंने पुणे में किर्लोस्कर कमिंस में मैन्युफैक्चरिंग में ट्रेनी के रूप में जॉइन किया था। किर्लोस्कर को 1990 के दशक के अंत में टोयोटा के कारोबार को भारत में लाने का श्रेय दिया जाता है। आज, भारत में टोयोटा के कारोबार में कई कंपनियां शामिल हैं जिनमें किर्लोस्कर सिस्टम्स भागीदार है। किर्लोस्कर सिस्टम्स लिमिटेड, विक्रम के स्वामित्व वाली एक होल्डिंग और इन्वेस्टमेंट कंपनी है, जो टोयोटा के साथ मिलकर टेक्सटाइल मशीनरी, कार मैन्युफैक्चरिंग, ऑटो कॉम्पोनेंट, एल्यूमीनियम डाई-कास्टिंग और अन्य सेक्टर्स में मौजूद है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, पहले हमने टोयोटा के साथ टेक्सटाइल्स की शुरुआत की और फिर मैंने सोचा कि हमें कार बिजनेस में भी उतरना चाहिए।

बाजार में लगातार सातवें दिन बहार, सेंसेक्स पहली बार 63 हजार के पार

निफ्टी ने 18750 लांघा

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार लगातार सातवें दिन हरे निशान पर बंद हुए। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 417.81 अंकों (0.67%) की बढ़त के साथ 63,099.65 अंकों के लेवल पर कारोबार करते हुए बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 140.30 अंकों (0.75%) की बढ़त के साथ 18758.35 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार के कारोबारी सेशन में हुडको के शेयरों में 9% की बढ़त दिखी। वहीं, आईआरएफसी के शेयर 7 प्रतिशत तक टूटे। बुधवार को शेयर बजार ने फिर नया रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान सेंसेक्स पहली बार 63 हजार के पार पहुंचा। बुधवार के कारोबारी सेशन में यह 63303 के इंट्रा डे हाई पर पहुंचा। निफ्टी 140 अंकों की मजबूती के साथ 18758 के लेवल पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार के दौरान निफ्टी ने पहली बार 18,800 का लेवल भी पार किया। यह 18,816 के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। सेंसेक्स ने महज 14 महीने के भीतर 60 हजार के लेवल से से 63 हजार के स्तर का सफर तय किया है। रुपए में भी बुधवार को आज 30 पैसे की शानदार मजबूती आई और यह 81.42 के स्तर पर बंद हुआ।

बुधवार के टॉप गेनर शेयर

शेयर बाजार में बुधवार के दिन ऑटो इंडेक्स, एफएमसीजी, मेटल्स और रियल्टी इंडेक्स में सबसे अधिक मजबूती दिखी। रियल्टी इंडेक्स में 1.45 फीसदी, मेटल सेक्टर में 1.81 फीसदी, एफएमसीजी में एक फीसदी और ऑटो इंडेक्स में 1.72 फीसदी का उछाल आया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 26 शेयर तेजी के साथ कारोबार करते दिखे।

गेहूं की बोआई का रकबा बढ़ा, जबरदस्त उत्पादन का अनुमान, पिछले साल आई थी कमी

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। देश में चालू रबी सीजन में गेहूं की जबरदस्त बोआई हुई है। 28 नवंबर तक 1.52 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं बोया जा चुका है। जबकि पिछले साल इस अवधि तक 1.38 करोड़ हेक्टेयर में बोआई हुई थी। इसे देखते हुए सरकार को इस बार देश में गेहूं का बंपर उत्पादन होने का अनुमान है। देश में शीतकालीन या रबी फसलों के रूप में मुख्य रूप से गेहूं बोया जाता है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार देश में गेहूं की जबर्दस्त बोआई हो रही है। इसे देखते हुए अगले साल मार्च अप्रैल में गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार हो सकती है। नवंबर तक देश में रबी फसलों की कुल बोआई के रकबे में से गेहूं का रकबा 57 फीसदी के पार पहुंच गया है। पिछले साल खराब मौसम के कारण कई फसलों को नुकसान हुआ था। मंत्रालय के अनुसार गेहूं की ज्यादा बोआई मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि रबी सीजन 2022-23 गेहूं का स्टॉक फिर से भरने के लिए महत्वपूर्ण होगा। पिछले साल गर्मी की जल्दी शुरुआत होने से इसमें 30 लाख टन की कमी रही थी। इसके कारण गेहूं का स्टॉक 14 साल के निम्न स्तर पर पहुंच गया था। इस कारण खेरची बाजार में गेहूं के दाम बढ़ गए। 2021-22 में देश का गेहूं उत्पादन पिछले वर्ष के 1.09 करोड़ टन की तुलना में 1.06 करोड़ टन रहा था। कृषि मंत्रालय के अनुसार इस साल अब तक गेहूं का रकबा पिछले साल के मुकाबले 14 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। यह बीते चार साल का सर्वाधिक है। इस साल, यूक्रेन जंग के बाद विश्वभर में गेहूं की कीमतें बढ़ गई हैं। इसलिए भारत से गेहूं निर्यात में तेजी आई है। इस कारण सरकार को घरेलू कीमतों को स्थिर करने के लिए मई में निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इसके बाद भी गेहूं के खुदरा दाम ऊंचे बने हुए हैं।खुले बाजार में अनाज की कमी के कारण पिछले एक साल में गेहूं के आटे की कीमतों में 17 फीसदी की वृद्धि हुई है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार गेहूं की कम आपूर्ति के कारण इसके आटे की कीमतें 36.98 रुपये प्रति किलोग्राम के औसत मूल्य पर पहुंच गई हैं।

ये चावल के 37.96 रुपये प्रति किलो के बराबर पहुंच गए हैं।

वितीय बोझ का सामना किए बगैर एयर इंडिया में मिल गई सिंगापुर एयरलाइंस को 25.1% हिस्सेदारी!

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर एयरलाइंस ने एयर इंडिया में विस्तारा के विलय होने की घोषणा कर दी है। विस्तारा टाटा ग्रुप और सिंगापुर एयरलाइंस का एक ही ज्वाइंट वेंचर है। इस विलय के बाद एयर इंडिया देश की सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी बनने का गौरव हासिल करेगी। टाटा ने एयर इंडिया की किस्मत बदल दी है। लेकिन सिंगापुर एयरलाइंस को 'न्यूनतम' वित्तीय बोझ के एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने जा रही है। कंपनी ने खुद रेग्युलेटरी फाइलिंग में ये कहा है। भारतीय विमानन क्षेत्र में एयर इंडिया की 30 फीसदी भागीदारी हो जाएगी। नवंबर 2023 तक एयर इंडिया और विस्तारा की विलय प्रक्रिया में पूरी हो सकती है। सिंगापुर एयरलाइंस एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी के

लिए 2,059 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। भारत में 50 साल से सेवाएं दे रही एयर इंडिया, इस विलय के बाद 4 से 5 गुना बड़ी सेवाएं देने वाली एयरलाइन बन जाएगी। विलय के लिए एसआईए समूह का विस्तारा में 49 प्रतिशत के साथ 2,058.5 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एसआईए ने सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज को फाइलिंग में कहा कि वर्तमान में विस्तारा में एसआईए की 49 फीसदी हिस्सेदारी की है और शेष 51 फीसदी हिस्सेदारी टाटा समूह के पास है। विलय सौदे के बाद, एसआईए की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।सिंगापुर एयरलाइंस ने एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस के विलय की जानकारी देते हुए कहा कि उसके बोर्ड ने विलय को मंजूरी दे दी है। डील में टाटा संस के साथ विस्तारा के ज्वाइंट वेंचर को एयर इंडिया में विलय करने के बाद एयर इंडिया के नए स्वरूप में सिंगापुर एयरलाइंस की 25.1 फीसदी हिस्सेदारी होगी। सिंगापुर एयरलाइंस की टाटा सिंगापुर एयरलाइंस में 49 फीसदी हिस्सेदारी है। सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा के बीच 2022-23 और 2023-24 में एयर इंडिया के ग्रोथ ऑपरेशन की फंडिंग के लिए अतिरिक्त पूंजी निवेश को लेकर भी सहमति बन गई है।

अमेरिकी सीनेट में पास हुआ सेम सेक्स मैरिज बिल

जनवरी के पहले प्रेसिडेंट बाइडेन इसे कानून बनाएंगे

वॉशिंगटन, 30 नवंबर (एजेंसियां)। आखिरकार अमेरिकी सीनेट ने समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने वाला विधेयक मंगलवार को पारित कर दिया। समलैंगिक विवाह दशकों से अमेरिका में विवाद का विषय रहा है। बड़ी बात यह रही कि सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी और विपक्षी रिपब्लिकन दोनों ने विधेयक का समर्थन मिला। इसके पारित होने पर संतोष प्रकट करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा- प्यार-प्यार होता है...। दोनों दलों के सांसदों ने समलैंगिक विवाह विधेयक का इसलिए समर्थन किया क्योंकि अमेरिका की रुढ़िवादी सुप्रीम कोर्ट द्वारा गर्भपात कानून की तरह समलैंगिक विवाह का अधिकार भी प्रतिबंधित किए जाने की संभावना थी।

जिससे प्यार करें, उससे शादी का हो अधिकार : बाइडन

राष्ट्रपति बाइडन ने विवाह कानून संशोधन विधेयक पारित होने का स्वागत किया। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, "प्यार प्यार है, और अमेरिकियों को उस व्यक्ति से शादी करने का अधिकार होना चाहिए, जिससे वे प्यार करते हैं।" सीनेट ने विधेयक को 61/36 वोट से पारित किया। बाइडन का बयान इसके बाद आया। सीनेट से यह विधेयक फिर निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स को भेजा जाएगा। उसकी मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति बाइडन के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया तेजी से होने की संभावना है।

एलजीबीटीक्यू समुदाय को बड़ी राहत

सीनेट के नेता चक शूमर ने समलैंगिक विवाह विधेयक पारित होने को अमेरिका के एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसकी सराहना की। समलैंगिक विवाह अमेरिका में दशकों तक विवादित मुद्दा रहा है। इस विधेयक को पारित कराने में 11 रिपब्लिकन सांसदों का भी समर्थन मिला।

गर्भपात पर फैसला पलटने के बाद समलैंगिक विवाह पर था खतरा

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में समलैंगिक संगठनों को गारंटी दी गई है, लेकिन इसी साल जून में शीर्ष अमेरिकी अदालत ने गर्भपात के अधिकार को वापस ले लिया है। इससे देश के प्रगतिशील लोगों को डर था कि समलैंगिक विवाह पर भी खतरा हो सकता है। इसलिए अमेरिकी विवाह कानून में संशोधन कर उसकी सुरक्षा की जा रही है।

भारत में समलैंगिक विवाह पर केंद्र से मांगा जवाब

इधर, भारत में भी समलैंगिक विवाह को मान्यता देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने एक युगल की वह गुहार सुनने को सहमत हुई है, जिसमें यह कहा गया है कि समलैंगिक विवाह की इजाजत नहीं देना भेदभाव है। यह एलजीबीटीक्यूआईए युगलों के अधिकारों का हनन है।

समलैंगिक विवाह 30 देशों में वैध

याचिका में कहा गया है कि विशेष विवाह अधिनियम, 1954 का हवाला दिया है। इस अधिनियम में उन युगलों के लिए कानूनी विवाह (सिविल मैरिज) का प्रावधान है, जो अपने व्यक्तिगत कानून (पर्सनल लॉ) के तहत शादी नहीं कर सकते। याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए शीर्ष अदालत ने देश की विभिन्न हाईकोर्ट में लंबित ऐसे सभी मामलों को अपने पास स्थानांतरित करने का भी आदेश दिया है। समलैंगिक विवाहों को अमेरिका समेत 30 देशों में वैध कर दिया गया है।

पाक में अहमदियों के कब्रिस्तान पर हमला

संदिग्धों ने कब्रें तोड़ीं, समुदाय विरोधी नारे लिखे

इस्लामाबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कट्टरपंथियों ने अहमदिया समुदाय के कब्रिस्तान पर हमला किया। यहां संदिग्धों ने कब्रों को तोड़ दिया और उन पर अहमदी विरोधी नारे लिख दिए। इससे लोग बहुत डर में हैं और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अहमदियों ने सरकार से न्याय की गुहार भी लगाई है। अहमदिया समुदाय के नेता आमिर महमूद ने बताया- 22 नवंबर को संदिग्धों ने लाहौर से करीब 111 किमी दूर हफिसाबाद जिले के प्रेमकोट में कब्रिस्तान में घुसकर वहां मौजूद कब्रों को तोड़ दिया। अनजान लोगों ने हमारे समुदाय की 4 कब्रों के साथ बेअदबी की। कई कब्रों पर लगे पत्थरों पर कुछ लिखा भी।

फरवरी में इसी कब्रिस्तान में हमला हुआ था

आमिर महमूद ने कहा- ये घटना उसी कब्रिस्तान में हुई है, जहां फरवरी में 45 कब्रों को तोड़ा गया था। ये हमले पाकिस्तान में बढ़ती कट्टरता को दिखाता है। इस तरह की घटनाओं से कई लोग आहत हुए हैं। उन्होंने सरकार से इंसाफ की गुहार भी लगाई है। अल्पसंख्यक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उनको डर है कि उन पर भी हमला हो सकता है।

अहमदिया को 1974 में गैर-मुस्लिम घोषित किया गया

पाकिस्तान में 22 करोड़ आबादी में करीब 1 करोड़ लोग गैर-मुस्लिम हैं। 1974 में पाकिस्तान की संसद ने अहमदिया समुदाय को गैर-मुस्लिम करार दे दिया था। 10 साल बाद उन्हें मुस्लिम कहने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। अहमदिया सऊदी अरब की यात्रा भी नहीं कर सकते। वे किसी भी तरह का उपदेश नहीं दे सकते हैं। अहमदिया खुद को इस्लाम का अनुयायी मानते हैं, लेकिन पाकिस्तान में मुस्लिम उन्हें खुद से अलग मानते हैं। हिंदू, ईसाई और अन्य धर्म के लोग जिस तरह पाकिस्तान में भेदभाव का सामना कर रहे हैं, ऐसे ही कुछ हालात इस समुदाय की भी है।

शराब पिलाने के बाद साथियों ने छात्र को नग्न कर बनाया वीडियो, फिर किया ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू

देहरादून, 30 नवंबर (एजेंसियां)। प्रेमनगर क्षेत्र के स्टेंजा लिविंग हॉस्टल में सहपाठियों ने एक छात्र को पहले शराब पिलाई फिर उसे नग्न कर वीडियो बना लिया। इसके बाद तीन छात्रों ने ब्लैकमेल कर 60 हजार रुपये मांगे। आरोप है कि रुपये न देने पर मारपीट भी की। शिकायत पर पुलिस ने मारपीट और ब्लैकमेलिंग के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी छात्र हॉस्टल से भाग गए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। सभी छात्र बिधौली स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) में बीबीए की पढ़ाई करते हैं। इंस्पेक्टर प्रेमनगर प्रदीप बिष्ट ने बताया कि छात्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रविवार रात को अपने कमरे में पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान आकर्ष गुप्ता, सैमंजय अंटोनी और जेरमी मलिक नाम के छात्र आए। उन्होंने शराब पीने के लिए कहा तो उसने पी ली। आरोप है कि इसके बाद तीनों उसके साथ मारपीट करने लगे। साथ ही उसे नग्न कर दिया और वीडियो बनाने लगे।

भारत के साथ हमारे संबंधों में दखल न दे अमेरिका'

सीमा विवाद मुद्दे पर चीन ने दी चेतावनी

वाशिंगटन, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चीन और अमेरिका के बीच एक बार फिर से तनातनी शुरू हो गई है। दोनों देश एक दूसरे के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। ताजा मामला है भारत के साथ संबंधों का जिसे लेकर चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी है और कहा है कि अमेरिकी अधिकारी भारत के साथ उसके संबंधों में दखलअंदाजी न दे। पेंटागन ने कांग्रेस को भेजी अपनी रिपोर्ट में इस बात की चर्चा भी की है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन की रिपोर्ट में चीन के बयानों को प्रमुखता से जगह दी गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी सेना भारत को अमेरिका के नजदीक जाने से रोकना चाहती है और इसके लिए वह सीमा (एलएसी) पर तनाव कम करने की हर संभव कोशिश कर रही है लेकिन इस बीच अमेरिका की दखलअंदाजी उसे पसंद नहीं आ रही है।

अमेरिका ने लगाए आरोप तो भड़क गया चीन

दरअसल, पेंटागन की रिपोर्ट में अमेरिका ने चीन पर आरोप लगाते हुए कहा है कि 2021 के दौरान, चीनी सेना(पीएलए) ने सीमा पर अवैध रूप से बलों की तैनाती को बनाए रखा और एलएसी के साथ बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा। वार्ता में न्यूनतम प्रगति हुई क्योंकि दोनों पक्ष सीमा पर कथित लाभ खोने का विरोध करते हैं। मई 2020 की शुरुआत में, चीनी और भारतीय सेना को एलएसी के साथ कई स्थानों पर कंटीले तारों में लिपटे चट्टानों, डंडों और क्लबों के साथ झड़पों का सामना करना पड़ा। परिणामी गतिरोध ने सीमा के दोनों ओर बलों के निर्माण को गति दी। प्रत्येक देश ने दूसरे की सेना को वापस लेने और पूर्व-गतिरोध की स्थिति में लौटने की मांग की, लेकिन न तो चीन और न ही भारत उन शर्तों पर सहमत हुए। अमेरिका के आरोपों के बाद चीन भड़क गया और पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) अधिकारियों ने अमेरिकी अधिकारियों को चेतावनी दी है कि वे भारत के साथ उसके संबंधों में हस्तक्षेप न करें।

अमेरिका ने चीन और भारत के बीच सीमा विवाद पर उठाए सवाल

अमेरिका ने पेंटागन की रिपोर्ट में आगे कहा कि पीआरसी ने भारतीय बुनियादी ढांचे के निर्माण पर गतिरोध को दोषी ठहराया, जिसे उसने पीआरसी क्षेत्र पर अतिक्रमण के रूप में माना, जबकि भारत ने चीन पर भारत के क्षेत्र में आक्रामक घुसपैठ शुरू करने का आरोप लगाया।

2020 की झड़प के बाद से, पीएलए ने लगातार बल की उपस्थिति बनाए रखी है और एलएसी के साथ बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 की गालवान घाटी की घटना पिछले 46 वर्षों में दोनों देशों के बीच सबसे घातक संघर्ष थी। पीआरसी अधिकारियों के अनुसार, 15 जून, 2020 को गलवान घाटी में गश्ती दल हिंसक रूप से भिड़ गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग बीस भारतीय सैनिक और चार पीएलए सैनिक मारे गए।

जिनपिंग सरकार से गतिरोध के बाद अरबपति जैक मा ने छोड़ा चीन!

छह महीने से टोक्यो में रह रहे

बीजिंग, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चीनी अरबपति और ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी अलीबाबा के संस्थापक जैक मा के बारे में लंबे समय बाद कोई खबर सामने आई है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अरबपति जैक मा बीते छह महीनों से जापान की राजधानी टोक्यो में रह रहे हैं और बेहद लो प्रोफाइल जिंदगी जी रहे हैं। बता दें, 2020 में चीन की जिनपिंग सरकार के साथ जैक मा की तकरार की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद जैक मा की कंपनी पर अरबों डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। कुछ दिन बाद उनके लापता होने की खबरें भी सामने आई थीं।

परिवार के साथ रह रहे जैक मा

रिपोर्ट में कहा गया है कि जैक मा टोक्यो के बाहर एक ग्रामीण इलाकों में हॉट स्प्रिंग्स और स्की रिसॉर्ट में अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। इसके साथ ही वह अमेरिका व इस्राइल की यात्राएं भी कर रहे हैं। बता दें, 2020 में चीनी नियामकों की आलोचना के बाद जैक मा लंबे समय से लापता चल रहे थे। वह कभी-कभी ही कार्यक्रमों में नजर आते थे।

कहां से शुरू हुआ था विवाद

चीनी सरकार के साथ तकरार से पहले जैक मा अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में बतौर वक्ता मौजूद रहते थे और अपने मोटिवेशनल भाषणों के लिए भी युवाओं में काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने 2020 अक्तूबर में शंघाई में एक कार्यक्रम के दौरान चीन के ब्याजखोर वित्तीय नियामकों और सरकारी बैंकों की तीखी आलोचना की थी। जैक मा ने सरकार से आह्वान किया था कि सिस्टम में बदलाव किया जाना चाहिए ताकि बिजनेस में नई चीजें शुरू करने के प्रयासों को दबाने नहीं जाए। इस भाषण के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी भड़क उठी। जैक मा की आलोचना को कम्युनिस्ट पार्टी पर हमले के रूप में लिया गया। इसके बाद जैक मा के बुरे दिन शुरू हो गए।

शुरू हुई थी कई जांचें

इसके बाद उनके कारोबार के खिलाफ तरह-तरह की जांच शुरू कर दी गईं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इशारे पर चीनी अधिकारियों ने जैक मा झटका देते हुए नवंबर, 2020 में उनके एंट ग्रुप के 37 अरब डॉलर के आईपीओ को निलंबित कर दिया।

कनाडा में महसूस हुए भूकंप के दो तगड़े झटके

रिक्टर स्केल पर मापी गई 6 और 5.2 तीव्रता

ओटावा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए. इनकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6 और 5.2 दर्ज की गई है. मीडिया रिपोर्ट की मानें तो भूकंप का अल्बर्टा में दर्ज किए गए अब तक के सबसे तेज भूकंपों में एक उत्तरी अल्बर्टा में दर्ज किया गया. 6.0 तीव्रता का भूकंप अल्बर्टा में अब तक का सबसे खतरनाक भूकंप रहा. इससे पहले अप्रैल 2001 में अल्बर्टा-ई.पू. के पास 5.4 की तीव्रता का भूकंप आया था. वहीं, 5.2 तीव्रता का भूकंप रेनो, अल्टा के गांव के लगभग 29 किलोमीटर दूर था. यह इलाका एक शांत नदी के पास है. भूकंप की गहराई चार किलोमीटर आंकी गई थी और यह शाम करीब 4:45 बजे आया था.

भूकंप ने नहीं हुआ कोई नुकसान

एक घंटे बाद ही रेनो के पास शाम करीब 6 बजे एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए. इसकी तीव्रता 6.0 बताई गई है और यह दो किलोमीटर की गहराई में हुआ है. हालांकि, दोनों ही बार कोई नुकसान नहीं हुआ है. यह एडमोंटन, कैलगरी और फोर्ट मैकमरे के साथ-साथ अल्बर्टा और उत्तरी ई.पू. में महसूस किया गया था. पिछले दो हफ्ते के अंदर यह अल्टा में तीसरा भूकंप है. इससे पहले यहां 4.1 तीव्रता और 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था.

क्यों आता है भूकंप?

धरती के हिलने की असल वजह धरती के अंदर प्लेटों का टकराना होता है. धरती के अंदर सात प्लेट्स हैं जो लगातार घूमती रहती हैं. जब ये प्लेट्स किसी जगह पर एक दूसरे से टकराती है तब फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतर के कोने मुड़ जाते हैं. वहीं, जब सतर के कोने मुड़ते हैं तो उसके दबाव के चलते प्लेट्स टूटने लगती हैं. इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता देखती है और जब एनर्जी बाहर आती है तब धरती हिलती है. इसी को भूकंप कहा जाता है.

अंतरिक्ष स्टेशन में पहली बार में एकत्रित हुए चीन के छह अंतरिक्ष यात्री

बीजिंग, 30 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले एक अंतरिक्ष यान में सवार तीन अंतरिक्ष यात्रियों ने आज (30 नवंबर) वहां मौजूद अपने तीन सहकर्मियों से मुलाकात की. इसके साथ ही अंतरिक्ष में पहली बार देश के छह अंतरिक्ष यात्री इकट्ठा हुआ. चीन ने मंगलवार रात अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक अंतरिक्ष यान के जरिये तीन अंतरिक्ष यात्रियों (फी जुनलॉन्ग, डेंग किंगमिंग और झांग लू) को रवाना किया था. चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) के अनुसार, शेनझोउ-15 अंतरिक्ष यान को उत्तर-पश्चिमी चीन स्थित जियुक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया. अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद तीन लोगों ने तीन नए क्रू सदस्यों का गले लगाकर स्वागत किया. उन्होंने एक सामूहिक तस्वीर भी खींची. ये छह अंतरिक्ष यात्री निर्धारित कार्यों के लिए करीब पांच दिन एक साथ मिलकर काम करेंगे. इसके बाद अंतरिक्ष स्टेशन में छह महीने तक रहने वाले पहले के तीन यात्री पृथ्वी पर लौट आएंगे.

जमीन बेच देने की बात की तो दो पोतों ने दादा की कर दी हत्या, लाठी-डंडों से मरने तक पीटा

डिंडौरी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के डिंडौरी में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। जमीन विवाद को लेकर दो लालची पोते ने 75 वर्षीय दादा की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। दादा ने अपनी जमीन बेचने की बात कही तो विवाद हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार मामला डिंडौरी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम सरहरी का है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि 75 वर्षीय वीर सिंह मरावी ग्राम सरहरी में रहता है। जमीन को लेकर परिवार में विवाद चल रहा है। सोमवार रात वीर सिंह ने जमीन बेच देने की बात कही तो उसके दो पोते सुरेंद्र केशवराम मरावी (30) और नरेंद्र केशवराम मरावी (27) नाराज हो गए और जमकर विवाद किया। गाली-गलौज से बात मारपीट तक पहुंच गई। वीर सिंह के छोटे बेटे संतोष ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

रणनीतिः अब 'अर्जुन' करेगा पाक ड्रोन का शिकार

सेना ने चील को किया प्रशिक्षित

जम्मू/उत्तराखंड, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन का शिकार करने के लिए एक नई रणनीति तैयार की है। ड्रोन के खतरे से निपटने के लिए सेना ने चील को प्रशिक्षित किया है। इसका नाम अर्जुन रखा है, जो ड्रोन का खत्म करने में सहयोग कर रहा है। उत्तराखंड के औली में भारत-अमेरिका के संयुक्त प्रशिक्षण युद्ध अभ्यास के दौरान दिखाया गया। ड्रोन का शिकार करने के लिए इस तरह का प्रयोग पहली बार हुआ है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना सैन्य अभियानों के लिए डॉग (श्वान) के साथ-साथ चीलों का भी इस्तेमाल कर रही है। अभ्यास के दौरान दिखा कि ड्रोन की आवाज सुनकर डॉग ने भारतीय सेना को अलर्ट किया, वहीं ड्रोन की लोकेशन की पहचान कर चील ने हवा में उसे खत्म करने का काम किया।

जम्मू-कश्मीर व पंजाब में आए दिन आ रहे मामले

सेना के मुताबिक, ऐसी क्षमता सुरक्षा बलों को सीमा पार से जम्मू-कश्मीर और पंजाब में भारतीय क्षेत्रों में आने वाले ड्रोन के खतरे से आगाह करेगी और उससे निपटने में मदद कर सकती है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां पाकिस्तान की तरफ से आने वाले ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में ड्रग्स, बंदूकें और पैसे की खेप गिराई है। हाल ही में 24 नवंबर को, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू के सांबा जिले में एक पाकिस्तानी ड्रोन के गिराए गए हथियारों और भारतीय मुद्रा की एक खेप बरामद की। पंजाब के अमृतसर में सोमवार की रात बीएसएफ ने एक ड्रोन को मार गिराया।

एमआई-17 हेलीकॉप्टर से अभ्यास

युद्ध अभ्यास के दौरान भारतीय सेना के जवानों ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर से रेंगने का ऑपरेशन किया। वहीं सैनिकों ने निहत्थे युद्ध कौशल का भी प्रदर्शन किया। युद्ध अभ्यास-22 का 18वां संस्करण शनिवार को शुरू हुआ था। इसका आयोजन दोनों देशों की सेनाओं के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान के उद्देश्य से किया जाता है।

एकतरफा इश्क में पागल सिरफिरे आशिक ने की छात्रा की जान लेने की कोशिश, डंडे से सिर फोड़ा

दमोह, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में एक तरफा प्यार में पागल हुए सिरफिर आशिक ने छात्रा पर जानलेवा हमला कर दिया। छात्रा को गंभीर चोट आने पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। छात्रा ने महिला थाने पर शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी फरार है। छात्रा पहले भी आरोपी की कई बार शिकायत कर चुकी है। जानकारी के अनुसार मामला दमोह जिले के पथरिया थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली छात्रा 11वीं में पढ़ती है और रोज की तरह स्कूल जा रही थी। तभी आशीष प्रजापति नामक युवक ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। हमले से छात्रा के सिर से खून बहने लगा तो आरोपी मौके से भाग गया। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने छात्रा को पथरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

पिता की मौत के बाद पहले आसरा दिया

फिर नाबालिग के साथ किया रेप, अब भुगतेगा आजीवन कारावास

जबलपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जबलपुर के कटंगी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग व उसकी मां को आसरा देकर किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जिला अदालत ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पॉक्सो की विशेष न्यायधीश ने आरोपी गुड्डा विश्वकर्मा पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने पीड़िता को प्रतिकर के रूप में 50 हजार रुपये की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि 14 सितंबर 2018 को पीड़िता ने कटंगी थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह कक्षा आठवी तक पढ़ी है और मजदूरी करती है। उसके पिता का 15 साल पहले स्वर्गवास हो चुका है, तभी से वह अपनी मम्मी के साथ रहती है और पिता का दोस्त गुड्डा विश्वकर्मा भी साथ ही रह रहा था। 20 अगस्त 2018 को रात्रि करीब 12:00 बजे गुड्डा विश्वकर्मा उसके पास सोते समय आया और जबरन बुरा काम किया और इसके बाद भी 2-3 बार जबरन बुरा काम किया, उसके मना करने पर तथा किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। उसने घटना अपनी मां को बताई। पीड़िता की उक्त लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने दुराचार पर पॉक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को उक्त सजा से दंडित किया।

बाइक और मोबाइल रिपेयरिंग करती हैं आदिवासी लड़कियां

लड़के ताने मारते थे तुम्हारे हाथ बेलन-चूड़ी सजेगा, राष्ट्रपति कर चुके हैं सम्मानित

एक्सक्लूसिव डेस्क, 30 नवंबर। "मर्दों को लगता है कि लड़कियों के हाथ सिर्फ चूड़ियां पहनने, मेहंदी लगाने, चूल्हा-चौका करने और चौखट के भीतर दो वक्त की रोटियां बेलने के लिए ही हैं। हम अब इस सोच को तोड़ रहे हैं, चुनौती दे रहे हैं।"

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के खालवा ब्लॉक की रहने वाली कोरकू आदिवासी समुदाय की गायत्री और मंटू ये बातें कह रही हैं। सांवली खेड़ा गांव की गायत्री कासडे और काला आम खुर्द की मंटू कासीर मोटर साइकिल रिपेयरिंग का गैराज चलाती हैं।

यह इलाका खंडवा से करीब 50 किलोमीटर दूर है। इस ब्लॉक में 145 आदिवासी गांव हैं। जंगल और पहाड़ के बीच उपजाऊ जमीनें। खेतों में चना, बाजरा, गेहूं की फसल, लेकिन गांव गरीबी की चादर ओढ़े।

सुबह के करीब 10 बज रहे हैं। गायत्री और मंटू अपनी गैराज पर हैं। मेहंदी लगे हाथों में चूड़ियां खनक रही हैं और दोनों प्लास, पेचकस, रिंच जैसे औजार के साथ एक मोटर साइकिल के नट-बोल्ट खोलने में लगी हैं।

गायत्री पहिए के रिंग पर जैसे ही हथौड़ा मारती हैं, उनकी नजर मुझ पर पड़ती है। मानो आत्मविश्वास के साथ कहना चाह रही हों, देखो जिस काम को मर्द करते हैं, उसे हम भी कर सकते हैं।

मैं मोटर साइकिल के पास ही बैठ जाता हूं। बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ता है। गायत्री कहती हैं, जब हमने गैराज खोला तो गांव के लोगों ने कहना शुरू किया, 'लड़कियों के हाथ में बेलन ही अच्छे लगते हैं। चली हो गैराज खोलने, गाड़ी के नट-बोल्ट तो खोल नहीं पाओगी। नकली मैकेनिक।'

इसके बावजूद दोनों ने ठान लिया था कि हमें कुछ तो नया करना है।

इतने में मंटू सर्विसिंग के काम को थोड़ा विराम देते हुए बोल पड़ती हैं- जब लड़कियां हवाई-जहाज उड़ा सकती हैं, ट्रेन चला सकती हैं, घर चला सकती हैं, बच्चों को पाल सकती हैं, बड़ी-बड़ी कंपनियों में काम कर सकती हैं, तो फिर हम अपने गांव में गैराज क्यों नहीं चला सकते हैं?

अब हम अपने पैरों पर खड़े हैं। हमारे परिवार को किसी पर आश्रित नहीं होना पड़ रहा है। कहीं पलायन भी नहीं करना पड़ रहा है।

ये बातें सुनकर पलायन का दंश गायत्री की आंखों को नम कर देता है। वो बोल पड़ती हैं- हम लोग आदिवासी परिवार से आते हैं। हर कोई मजदूरी करने के लिए बरसों तक घर से दूर रहता है। दूसरे राज्यों में कम दिहाड़ी पर मजदूरी करनी पड़ती है। मालिक बंधक भी बना लेता है।

सबसे ज्यादा तकलीफ तो हम लड़कियों को रहने, नहाने में होती है। एक तो मर्दों के बीच रहना पड़ता है। और दूसरा, वो पर्दा नहीं होता है यानी कोई बाथरूम नहीं जहां हम नहा भी पाएं।

कपड़े पहने हुए ही खुले में नहाना और फिर कमरे में जाकर चादर की आड़ में कपड़े बदलना। एक दिन की बात हो, तो बर्दाश्त की जा सकती है, लेकिन महीने-छह महीने कौन सह सकता है?

फिर वो मुझ से सवाल करती हैं, और जवाब भी देती हैं- आप शहर होते हुए आए हैं न? बाइक का थोक में जमावड़ा दिखा ही होगा।

गायत्री सच ही कह रही हैं। वाकई में, जब मैं खंडवा से खालवा आदिवासी इलाके की तरफ रुख कर रहा था, तब सब्जी मंडी की तरह बाइक के शो रूम दिखाई दिए। सड़क किनारे कुछ-कुछ दूरी पर अलग-अलग कंपनियों के शो रूम मौजूद हैं। दूरियों की वजह से यहां के लोग कहीं आने-जाने के लिए बाइक पर ही निर्भर हैं।

गायत्री अपने पलायन की पीड़ा को कहते-कहते रुक जाती हैं।

इतने में मंटू बोल पड़ती हैं, मुझे तो दूसरे राज्यों में काम करने के लिए नहीं जाना पड़ा, लेकिन शहर के ही बड़े-बाबूओं के यहां शोषण का शिकार हुई। हर रोज 14-14 घंटे काम करना पड़ता था। मजदूरी मांगने पर बोला जाता- कल ले लेना, आज नहीं है। ऐसा हर दिन ही होता।

लॉकडाउन में जब हम लड़कियां गांव लौटे, तब कुछ ने गैराज खोलने का फैसला किया तो कुछ ने मोबाइल रिपयेरिंग और पशु सखी (बकरियों का इलाज करना) का काम।

वो हल्की मुस्कान के साथ ठसक आवाज में बोलते हैं, लोग तो ताने मार सकते हैं, लेकिन हमारे घर तो नहीं चला सकते हैं न? बेटियां काम करके ही पैसे कमा रही हैं न, चोरी तो नहीं कर रहीं, डाका तो नहीं डाल रहीं।

हम लोगों ने सालों तक दूसरे राज्यों में रहकर दिहाड़ी-मजदूरी की है। आज भी हमारे गांव के दर्जनों लोग पलायन कर रहे हैं।

गायत्री और मंटू मोटर साइकिल की सर्विसिंग में व्यस्त हो जाती हैं और अब हमारा अगला पड़ाव होता है जामधड़, यहां से करीब 16 किलोमीटर दूर।

रास्ते में सैकड़ों झोपड़ीनुमा घर और बकरियों-मवेशियों के झुंड। इस इलाके में शेड्यूल कास्ट परिवार सबसे ज्यादा रहते हैं। साकिया और सती बरधाया दोनों बहने हैं। एक बीए कर रही है, जबकि दूसरी एमए। दोनों बहनों को भी मोटर साइकिल रिपेयरिंग का काम आता है। सती कहती हैं, पढ़ाई करने के लिए गांव से शहर जाना पड़ता है। इसलिए अधिकांश लड़कियों की शादी कम उम्र में ही हो जाती है।

हम पढ़ाई के साथ-साथ ब्यूटी-पार्लर, श्रृंगार शॉप और रिपेयरिंग का भी काम करते हैं। गांव में इतनी सुविधाएं नहीं हैं कि लड़कियां सज-संवर सकें, लोग मोटर साइकिल में कोई खराबी होने पर बनवा सकें।

गांव में रोजगार के साधन नहीं हैं, तो लोगों को शहरों या दूसरे जिलों-राज्यों में दिहाड़ी करने के लिए जाना पड़ता है। आमदनी के लिए हम लोग सबसे ज्यादा बकरी पालन करते हैं, क्योंकि इसमें खर्च कम आता है। गांव में 500 से ज्यादा बकरियां हैं।

सती की बहन साकिया आसमानी ब्लू रंग की साड़ी पहनी हुई हैं। वो गांव में किसी के यहां बकरी का इलाज करने के लिए जा रही हैं। बताती हैं, पहले हम लोग भी मनरेगा में काम करते थे। सिर पर टोकरी लादकर भरी दोपहरी में कोसों चलना पड़ता था। कम पैसों में मजदूरी करती थी।

अब मैं पशु सखी हूं। गांव में किसी की बकरी बीमार पड़ती है, तो लोग मुझे बुलाने के लिए आते हैं। हमें 'गॉट ट्रस्ट' संस्था से ट्रेनिंग का सर्टिफिकेट मिला हुआ है। गांव के लड़कों को हमारे काम से परेशानी भी होती है। वो कहते हैं, 'अरे! लड़की होकर गांव में दूसरों के दरवाजे पर घूमती है। शर्म नहीं आती, कोई शादी भी नहीं करेगा।'

इधर सती एक लड़की को सजाने-संवारने में जुट जाती हैं और मैं यहां से 22 किलोमीटर दूर मामाडोह गांव की तरफ निकल पड़ता हूं।

गायत्री कहती हैं- शहर से दूर होने की वजह से हमारे इलाके के घरों में दो वक्त का खाना हो न हो, लेकिन बाइक हर घर में जरूर है।

गोंड आदिवासी समुदाय की अंकिता अमीन उइके अपनी दुकान पर मोबाइल रिपेयरिंग और साइकिल बनाने का काम कर रही हैं।

वो कहती हैं, लॉकडाउन की वजह से पढ़ाई छूट गई। मैंने दो महीने पहले ये काम शुरू किया है। अब घर के हालात भी अच्छे हो रहे हैं और मैं पढ़ भी रही हूं। घर वालों को पैसों के लिए किसी बाबू-भइया के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता है।

इन बातों को घर के बरामदे में बैठे अंकिता के पिता सुनकर मुस्कुराने लगते हैं। ये मुस्कुराहट तसल्ली भरी दिखाई देती है। अंकिता को एक दिन पहले कोई मोबाइल बनाने के लिए दे गया है। वो इसकी रिपेयरिंग करने में व्यस्त हो जाती हैं।

अंकिता से बातचीत के बाद अब मेरा आखिरी पड़ाव होता है यहां से 50 किलोमीटर दूर मेहलू गांव।

रास्ते हिमाचल की तरह दिखाई पड़ते हैं। दोनों तरफ सिर्फ सागवान के पेड़। ऊंचे-ऊंचे पहाड़। गांव पहुंचने पर हमारी मुलाकात मोनू उइके से होती है, ये पेट्रोल बेचने का काम करती हैं। उम्र 18 साल, लेकिन बिजनेस की जबरदस्त समझ।

रास्ते में जब मैं जा रहा था, तो 100 किलोमीटर के रेंज में मात्र एक पेट्रोल पंप दिखाई दिया। मोनू के यहां पहुंचने पर उधर से एक मोटर साइकिल वाला पेट्रोल खत्म हो जाने की वजह से मोटर साइकिल को धक्का देते हुए मोनू की दुकान तक ला रहा है।

मोनू कहती हैं, इलाके में लोगों के पास बड़ी संख्या में मोटर साइकिल तो है, लेकिन पेट्रोल भरवाने के साधन नहीं। लोगों को गैलन में पेट्रोल भरकर रखना पड़ता है। इसलिए हमने ये काम शुरू किया है। जरूरत पड़ने पर रिपेयरिंग का काम भी कर लेती हूं। अब इलाके के लोग हमसे आकर खुदरा में पेट्रोल भी खरीद रहे हैं और मोटर साइकिल के किसी पार्ट में खराबी होने पर उसे बनवाते भी हैं।

अब तक मैं करीब 200 किलोमीटर की यात्रा कर चुका हूं। सुबह से शाम हो गई है। खंडवा की तरफ लौटना पड़ता है। हमारे साथ खालवा ब्लॉक में अलग-अलग सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाली संस्था 'स्पंदन' की डायरेक्टर सीमा प्रकाश हैं, जिन्होंने इन लड़कियों से मिलवाने में मदद की।

इसी एनजीओ ने लॉकडाउन के बाद लौटी लड़कियों को मोबाइल और मोटर साइकिल रिपेयरिंग की ट्रेनिंग दी है। लड़कियों को पलायन करने से रोका है। सीमा कहती हैं, आदिवासी लोगों के पास रोजगार और पढ़ाई का कोई साधन नहीं हैं। लड़कियों को भी दूसरे राज्यों में जाकर काम करना पड़ता है। भूखा पेट क्या नहीं करवाता...

इसलिए हम लोग जब अलग-अलग गांव का दौरा कर रहे थे, तो इन लड़कियों की तकलीफ देख इन्हें ट्रेनिंग देने का फैसला किया।

फिर मोबाइल और मोटर साइकिल रिपेयरिंग की ट्रेनिंग ही क्यों?

अब ये मेरा सवाल था।

सीमा तल्ख आवाज में कहती हैं, क्या लड़कियां सिर्फ सिलाई और ब्यूटी पार्लर का ही काम कर सकती हैं? हमने इसी सोच को बदलने की कोशिश की है। इन लड़कियों ने मोबाइल रिपेयरिंग और मोटर साइकिल रिपेयरिंग की ही ट्रेनिंग लेने की इच्छा जताई, तो फिर हम इनके मनोबल को कैसे तोड़ सकते थे।

'स्पंदन' पिछले 25 साल से टाटा के सपोर्ट से मध्य प्रदेश के कई जिलों में आदिवासी, पिछड़े तबकों के लिए काम कर रही है। अंत में मैं इन लड़कियों की एक बात को अपने साथ लेकर खंडवा से भोपाल के लिए लौट जाता हूं। सभी ने यही कहा, "एक बार हम लड़कियों पर भरोसा करके तो देखो, हम सब कुछ कर सकते हैं! हम कर्मयोगिनी हैं।"

मुस्लिम युवक के घर मिली युवती, मचा हंगामा

धर्म परिवर्तन का एफिडेविट मिलने पर भीड़ ने घेरा एसपी ऑफिस, लड़की ने कहा- प्यार करती हूं

जशपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जशपुर जिले में लव जिहाद का आरोप लगाकर मंगलवार रात सैकड़ों लोगों ने एसपी ऑफिस का घेराव कर दिया। भारी संख्या में लोग एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए। पूरा विवाद लगभग 15 दिन पहले उस समय शुरू हुआ, जब कोतवाली थाना क्षेत्र की एक युवती घर से लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जशपुर कोतवाली पुलिस ने युवती को मुस्लिम युवक के घर से बरामद कर सखी वन स्टॉप केंद्र में भेजा। दूसरे धर्म की युवती ने काउंसलिंग में बताया कि वो मुस्लिम युवक शाहबाज अंसारी से प्रेम करती है और उसी के साथ रहना चाहती है। वो अपने माता-पिता के साथ नहीं जाना चाहती। इसके बाद युवती को युवक को ही सौंप दिया गया, लेकिन पूरे मामले में मंगलवार को तब माहौल गरमा गया, जब युवती का धर्म परिवर्तन करने का एक शपथ पत्र सामने आया। इसके सामने आते ही शहरवासी आक्रोशित हो गए। सुबह दोनों समुदायों के युवाओं के बीच हल्की नोकझोंक हुई।

समझाइश के बाद दोनों पक्षो में सुलह हो गई, लेकिन शाम होते-होते मामले ने सांप्रदायिक रंग पकड़ लिया। युवती के समाज के लोग एकजुट होकर रैली की शक्ल में नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय पहुंच गए। वे आरोपी लड़के की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। एएसपी उमेश कश्यप को

ज्ञापन सौंपकर शाहबाज पर युवती के परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए लोगों ने तत्काल आरोपी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। लोगों ने कहा कि आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए। वे अपनी मांग पर अड़ गए।

परिजनों का दावा है कि युवती की मानसिक हालत ठीक नहीं है। बीते 2 सालों से उसका इलाज चल रहा है। ऐसे में दबाव में शपथपत्र पर हस्ताक्षर लेने की आशंका भी लोगों ने जताई है। इधर एएसपी उमेश कश्यप ने कहा कि हिंदू समुदाय के लोग और युवती के पिता एसपी कार्यालय में आवेदन देने के लिए आए थे। उन्होंने शाहबाज अंसारी नाम के युवक पर उनकी युवती को ले जाने और जबरदस्ती धर्म परिवर्तन के लिए एफिडेविट दिलाने का आरोप लगाया है। इसकी जांच की जाएगी। जांच के बाद जो भी बात सामने निकलकर आएगी, उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी उमेश कश्यप ने बताया कि साल 2021 में भी युवती कहीं चली गई थी। गुमशुदगी की रिपोर्ट परिवार ने सिटी कोतवाली थाने में दर्ज कराई थी। उस वक्त धारा 363 के तहत मामला दर्ज किया गया था। दूसरे दिन युवती को बरामद कर उसे माता-पिता के सुपुर्द किया गया था। वहीं 6 नवंबर 2022 को एक बार फिर युवती शाहबाज अंसारी के साथ चली गई। जिसकी शिकायत एक बार फिर माता-पिता ने कोतवाली में दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने फिर से उसे युवक के पास से बरामद किया और उसकी काउंसलिंग कराई गई।

युवती ने बताया है कि वो अपनी मर्जी से युवक के ही साथ रहना चाहती है। वहीं परिजनों का आरोप है कि युवती से दबावपूर्वक धर्म परिवर्तन के शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कराया गया होगा। युवक की गिरफ्तारी नहीं होने पर लोगों ने उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। फिलहाल मामले में जांच चल रही है। वहीं शहरवासियों और स्वजनों की नाराजगी को देखते हुए एएसपी उमेश कश्यप ने 24 घंटे के अंदर कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर भीड़ ने धरना समाप्त किया। बताया जा रहा है कि युवक ड्राइवर का काम करता है और कई सालों से युवती के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा है। युवती बालिग है, इसलिए उसे उसकी मर्जी से युवक के पास भेजा गया है। इसी महीने बीजेपी की महिला नेताओं ने बयान दिया था कि छत्तीसगढ़ की हिंदू महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। रायपुर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, रायपुर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, भाजपा नेत्री विश्वदिनी पांडे ने कई घटनाओं का जिक्र किया था। महिला नेताओं ने कहा था कि अप्रैल 2022 में कवर्धा जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र में अलीसान खान ने युवती के साथ दुष्कर्म किया था। अक्टूबर 2022 में एक युवती वाहिद के साथ नया रायपुर जाती है, लेकिन वहां से उसकी लाश बरामद होती है। 2020 में डोंगरगढ़ की एक युवती ने बदमाशों के चंगुल से छूटने के बाद कहा था कि हिंदू महिलाओं को टार्गेट कर उन्हें 1 लाख रुपए में बेचा जाता है। इस खुलासे के बाद सलमान खान, जुनैद खान, साजिदा और सैयद नाम के आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी।

2020 में ही राजधानी रायपुर में धर्म विशेष के साथ प्रेम और धोखे का एक और मामला सामने आया था, जिसमें शादी का झांसा देकर निसार अहमद सिद्दिकी नाम के व्यक्ति ने हिंदू महिला के साथ 3 साल तक बलात्कार किया था। वो उसके साथ गालीगलौज और मारपीट भी करता था।

छत्तीसगढ़ की विवाहित महिला एमपी के ग्वालियर में दुष्कर्म और प्रताड़ना शिकार हुई। पीड़िता दो बच्चों की मां है। जानकारी के अनुसार, ग्वालियर निवासी आरोपी सोहेल खान ने महिला के साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी ने महिला को 8 साल तक लिव इन में रखा। मन भर जाने के बाद अब 2 साल से धर्म परिवर्तन कर निकाह के लिए उसे प्रताड़ित कर रहा है। 23 नवंबर को पीड़िता ने पुरानी छावनी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। पिछले हफ्ते मध्यप्रदेश की ग्वालियर पुलिस ने आरोपी पर धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया। इसके अलावा एफआईआर में दुष्कर्म की धारा भी लगाई गई है। आरोपी फरार है। महिला छत्तीसगढ़ राज्य के किस जिले की रहने वाली है, इसका खुलासा पुलिस ने नहीं किया है।

सीएम भूपेश बोले-बीजेपी ने हमारे पीएम का अपमान किया

रायपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भानुप्रतापपुर उपचुनाव में कांग्रेस के प्रचार के लिए रवाना हो रहे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, भाजपा ने एक बलात्कारी के साथ प्रधानमंत्री की फोटो लगाकर उनका अपमान किया है। भाजपा के लिए अच्छा होगा कि वे पहले बलात्कारी के साथ लगी प्रधानमंत्री की फोटो हटाएं। ऐसे प्रत्याशी से भाजपा अपना समर्थन भी वापस ले। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भाजपा हमारे प्रधानमंत्री का अपमान कर रही है। एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार करने वाले को कैंडिडेट बना दिया है। अब उसके साथ प्रधानमंत्री की फोटो लगाएं हैं। यह सीधे-सीधे प्रधानमंत्री का अपमान नहीं है? भाजपा ही प्रधानमंत्री का अपमान कर रही है। एक बलात्कारी के साथ प्रधानमंत्री की फोटो लगाएं हैं, यह कितनी अपमानजनक बात है। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के आरोपों से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, अजय चंद्राकर जी पहले खुद देख लें। बलात्कार के आरोपी ब्रह्मानंद नेताम के साथ प्रधानमंत्री की फोटो लगाए हैं कि नहीं लगाएं हैं। पहले प्रधानमंत्री की फोटो वहां से हटायें। मुख्यमंत्री ने कहा, अच्छा तो यह होगा कि जब यह पता चल

गया कि ब्रह्मानंद नेताम बलात्कारी है तो भाजपा उससे अपना समर्थन वापस ले ले। उनके हाईकमान से भी कहना चाहूंगा कि अपना समर्थन वे वापस लें। एक बलात्कारी के बचाव में भाजपा के राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर का नेतृत्व क्यों खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुंह छिपाने से काम नहीं चलेगा। भाजपा नेताओं को आगे बढ़कर ब्रह्मानंद नेताम से अपना समर्थन वापस ले लेना चाहिए। सिंबल तो वापस नहीं हो सकता लेकिन समर्थन तो वापस ले ही सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, कल गुजरात दौरे से लौटा और आज भानुप्रतापपुर जा रहा हूं। वहां नामांकन रैली और कार्यकर्ताओं की बैठक में गया था। उसके बाद आज जा रहा हूं। भानुप्रतापपुर में कम समय देने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, आज जा रहा हूं, कल जाउंगा फिर तीन दिसम्बर को जाना है। तीन दिन दे रहा हूं एक उप चुनाव के लिए और कितना? यह बहुत है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, कल-परसों का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। भाजपा की गलत नीतियों के कारण सभी वर्गों को आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा था। अब इसके लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसमें आदिवासियों के, अनुसूचित जाति के, ओबीसी के और ईडब्ल्यूएस सभी का बिल आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, यह विधेयक पारित होगा ही, सदन में उनकी पार्टी का तीन चौथाई बहुमत है। हम चाहेंगे कि इस विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया जाए। अगर भाजपा भी समर्थन करेगी तो अच्छी बात है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 30 नवंबर को कोडेकुर्सी, भानुप्रतापपुर, पुरी और टंहकापार में चुनावी सभाओं को संबोधित करने वाले हैं। अगले दिन यानी 1 दिसम्बर को मुख्यमंत्री दुर्गुकोंदल और चारामा में जनसभा के बाद रोड शो में भी शामिल होंगे। प्रचार के अंतिम दिन यानी 3 दिसम्बर को मुख्यमंत्री बघेल कोरर और लखनपुरी में सभा को संबोधित करने वाले हैं। यानी इस प्रचार अभियान में रोड शो सहित आठ चुनावी सभाओं को संबोधित करने वाले हैं। उप चुनाव में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ही कांग्रेस के सबसे बड़े प्रचारक हैं। 17 नवम्बर को नामांकन के बाद मुख्यमंत्री पहली बार इस चुनाव में प्रचार के लिए उतरने वाले हैं।

बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या मामले में चार और आरोपी गिरफ्तार

रांची, 30 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चक्रधरपुर में बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या के आरोप में पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को इस कार्रवाई की जानकारी दी है। एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम जाहिद हुसैन (25), मोहम्मद राकिब (25), मोहम्मद शाकिर (28) और मोहम्मद हाशिम (48) हैं। इससे पहले भी इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, नवंबर माह में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी सत्यवान प्रधान और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। गौरतलब है कि 12 नवंबर को चक्रधरपुर कस्बे के भारत भवन चौक पर बजरंग दल के कार्यकर्ता कमलदेव गिरि (35) पर बम फेंका गया था। इससे गिरि की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने बताया कि हत्या की वारदात गिरि और सतीश प्रधान के बीच क्षेत्र में वर्चस्व की लंबी लड़ाई का नतीजा थी। झारखंड पुलिस ने हत्या की जांच के लिए 13 सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया था। गिरि पर हमला उस वक्त किया गया जब वे रेलवे स्टेशन से अपने घर लौट रहे थे। हमले में प्रधान और उसके सात अन्य सहयोगी शामिल थे। एसपी शेखर ने बताया कि बाकी आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने गिरि की हत्या को लेकर भादंवि की धारा 302, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक सामग्री कानून के तहत केस दर्ज किया था। हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया था।

जिला प्रशासन को इलाके में धारा 144 लगाना पड़ी थी। गिरि पर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने देसी बम फेंका था। इसके बाद इलाज के दौरान उनकी अस्पताल में मौत हो गई थी। इसके दूसरे दिन रविवार को जब गिरि के समर्थक शव श्मशान ले जा रहे थे, तभी दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी।

चिता से उठाकर कराया पोस्टमार्टम

9 महीने पहले हुई थी शादी, आरा में फंदे से उतार जला रहे थे ससुराली

आरा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। 'दहेजमुक्त बिहार' के सरकारी सपने की हकीकत आरा में फिर सामने आई, जब 9 महीने पहले शादी होकर ससुराल आई खुशबू के शव को मायके वालों ने दौड़ते-भागते हुए चिता से उतरवाया और पुलिस से गुहार लगाकर उसका पोस्टमार्टम कराया। युवती की गली दबाकर हत्या का आरोप है, जबकि ससुराल वाले उसके सुसाइड की बात कह रहे। दोनों ही हालत में लाश बिना पुलिस की सूचना के जलाई नहीं जा सकती है, लेकिन चरपोखरी थाना क्षेत्र मदरीहां गांव में ससुराल वालों ने मंगलवार की देर शाम खुशबू की चिता सजा दी। करीब 45 किमी

दूर मायके वालों को खुशबू की मौत की सूचना किसी तरह मिल गई थी तो परिजन पुलिस के पास मदरीहा गांव के बाहर श्मशान पहुंच गए और चिता से लाश उतारी गई। डीएम के आदेश से रात में ही सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करा दिया गया। खुशबू मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गनौली गांव निवासी स्व. सत्यदेव प्रसाद की 22 वर्षीय बेटी थी।

प्यारे 'ऑस्कर' का मनाया अनोखा बर्थडे

कार्ड छपवाकर बांटे, 300 लोगों को दी दावत

धनबाद, 30 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद की एक महिला अपने प्यारे पपी 'ऑस्कर' का अनोखा जन्मदिन मनाकर क्षेत्र में खूब ख्याति पाई है। उसने बाकायदा कार्ड छपवाकर न्योते दिए और करीब 300 लोगों को शानदार दावत दी। धनबाद के लोयाबाद की सुमित्रा कुमारी द्वारा आयोजित श्वान का जन्म दिन कार्यक्रम क्षेत्रवासियों के लिए यादगार बन गया है। सुमित्रा ने कार्यक्रम में अपने परिजनों व प्रियजनों के अलावा मोहल्ले के तमाम लोगों को आमंत्रित किया था। लोयाबाद में रहने वाली सुमित्रा के अनुसार पिछले साल 29 नवंबर को वह मटकुरिया पेट्रोल पंप पर वाहन में ईंधन भराने गई थी। तभी

एक बस ने एक मादा श्वान और उसके तीन बच्चे को कुचलकर मार दिया था। वहीं, उनके शवों के पास पिल्ला मानो विलाप कर रहा था। कोई उसे संभालने वाला नहीं था। तभी सुमित्रा की संवेदना जागी और उसने उसे उठाया और अपने साथ लेकर घर आ गई। सुमित्रा ने इस पपी को दिल जान से पाला पोसा। उसका नाम सुमित्रा ने 'ऑस्कर' रख दिया। ऑस्कर भी अपने वफादारी के मूल स्वभाव के अनुसार परिवार में घुल मिल गया। वह परिवार का ही एक सदस्य बन गया था। चूंकि, सुमित्रा ऑस्कर को 29 नवंबर को अपने घर लाई थी, इसलिए इसे उसने जन्मदिन मानते हुए कार्यक्रम रखा। सुमित्रा ने ऑस्कर के जन्मदिन के लिए निमंत्रण पत्र छपवाया और 300 लोगों को आमंत्रित किया। इन सभी को शानदार दावत दी गई। उसने ऑस्कर के जन्मदिन के मौके पर एक कुष्ठ आश्रम में रोगियों में फल भी वितरित किए। प्रिय पपी की सलामती व लंबी उम्र के लिए लोयाबाद के काली मंदिर में बकरे की बलि भी दिलवाई।

4 दिसंबर को राजस्थान आएंगे राहुल गांधी : कालबेलिया-बिंदौरी डांस से स्वागत

राजस्थान में सबसे ज्यादा 521 किमी यात्रा, 3 मंदिरों में दर्शन

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। 84 दिन पहले 7 सितम्बर को कन्याकुमारी से शुरू हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 4 दिसंबर को राजस्थान पहुंचने की संभावना है। राहुल गांधी अब तक 7 राज्यों के 36 जिलों से गुजरकर 2300 किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय कर चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा में राजस्थान वो राज्य है, जहां सबसे लम्बा रास्ता कवर होगा। राहुल गांधी यहां 15 दिनों में 521 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। इस दौरान वे 7 जिलों झालावाड़, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, टोंक, दौसा और अलवर की 18 विधानसभाओं से गुजरेंगे। यात्रा के दौरान टोंक जिले में सिर्फ 5-6 किलोमीटर का हिस्सा कवर होगा। राहुल फिलहाल मध्यप्रदेश के उज्जैन में हैं। यहां से वे चवली नदी को पार कर राजस्थान के झालावाड़ जिले और झालरापाटन विधानसभा से राजस्थान में प्रवेश करेंगे। चवली में यात्रा के प्रवेश करने के बाद मध्यप्रदेश के यात्री राजस्थान को यात्रा झंडा सौंपेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा का डिटेल प्लान... पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के गढ़ से शुरुआत

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के गढ़ झालरापटन से होगी। वसुंधरा राजे यहीं से चुनाव लड़ती हैं और जीतकर मुख्यमंत्री बनती हैं। राजस्थान में प्रवेश करते ही राहुल की यात्रा का राजस्थान के लोकनृत्य कालबेलिया और हाड़ौती के बिन्दौरी से स्वागत किया जाएगा। राजस्थान में यात्रा के कंट्रोल रूम प्रभारी मुमताज मसीह का कहना है कि यात्रा का रूट तय है। इस अनुसार हमारी तैयारियां शुरू हो गई है। राजस्थान यात्रा के रूट में सबसे बड़ा राज्य है। जहां सबसे ज्यादा 521 किलोमीटर यात्रा निकाली जाएगी। झालावाड़ के चवली से यात्रा एंटर होनी है। अभी राजस्थान यात्रियों के इंटरव्यू चल रहे हैं। ज्यादा लोगों को राजस्थान यात्री बनाने की कोशिश है। अबतक जितने भी राज्यों से यात्रा आई है। उनमें सबसे अच्छा रिस्पॉन्स यात्रा को राजस्थान में मिलेगा।पहले दिन राजस्थान-एमपी बॉर्डर से महज 200 मीटर दूर एक खेत को राहुल गांधी और भारत यात्रियों के रुकने के लिए तैयार किया गया है। इसी जगह पर राहुल के साथ पूरी टीम रात का स्टे करेगी। इसके बाद अगले दिन से राजस्थान में प्रॉपर यात्रा शुरू होगी।

इस तरह से राजस्थान को कवर करेगी यात्रा - झालावाड़ में 2 दिन

पहला दिन : राजस्थान में यात्रा की शुरुआत सुबह 6 बजे झालावाड़ में काली तलाई से होगी। लगभग 16 किलोमीटर चलने के बाद बिन्दा टोल के पास राहुल गांधी लंच करेंगे। यहां से झालरापाटन में सूरजपोल नाका चौराहा पर राहुल की सभा यानी कॉर्नर मीटिंग होगी। इसके बाद झालावाड़ में विजयाराजे खेल संकुल में नाइट स्टे होगा।

दूसरा दिन : खेल संकुल से यात्रा शुरू होकर देवरी घटा पहुंचेगी। यहां लंच के बाद सुकेत से यात्रा शुरू होकर हिरिया खेड़ी चौराहा पहुंचेगी। यहां राहुल की सभा होगी। इसके बाद मोरू कलां के

खेल मैदान में नाइट स्टे होगा।

कोटा में 2 दिन

तीसरा दिन : कोटा में दरा स्टेशन के बाद गणेश मंदिर से यात्रा शुरू होगी। इसके बाद अकलंग स्कूल में लंच होगा। मान्दल्या रोड, मंडाना से यात्रा फिर शुरू होकर केबल नगर पहुंचेगी। यहां कॉर्नर मीटिंग के बाद यात्रा मदन मोहन मालवीय फार्म हाउस योजना, जगपुरा पहुंचेगी। जहां राहुल का नाइट स्टे होगा।

चौथा दिन : आशापूर्ण सूर्यमुखी मंदिर पर राहुल गांधी दर्शन करेंगे। यहां से यात्रा शुरू होकर कोटा शहर में प्रवेश करेगी। यहां राहुल गांधी राजीव गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद उम्मेद सिंह स्टेडियम में उनका लंच होगा। यहां से रंगपुर में नोरदन बायपास चौराहा पर सभा कर राहुल गुडली पहुंचेंगे। यहां राहुल का नाइट स्टे होगा।

बूंदी में 3 दिन

पांचवां दिन : बूंदी के केशवरायपाटन विधानसभा के गुडली चौराहे से यात्रा शुरू होगी। इसके बाद अरनेठा-श्रीपुरा के बीच में लंच, कापरेन के बालापुरा चौराहे पर कॉर्नर मीटिंग और बाजड़ली रेलवे अंडरपास के नजदीक राहुल गांधी का नाइट स्टे होगा।

छठा दिन : बलदेवपुरा से शुरू होकर लवान सीएडी कैम्पस पर लंच और फिर लाखेरी चौराहे पर कॉर्नर मीटिंग के बाद आजाद नगर में नाइट स्टे होगा।

सातवां दिन : केशवरायपाटन में ही बबई तेजाजी रामदेव मंदिर से यात्रा शुरू होगी। इसके रणथम्भौर मिडवे, पीपलवाड़ा पर लंच और फिर भगत सिंह चौराहा, कुसथला में कार्नर मीटिंग होगी। इसके बाद बोरिप में नाइट स्टे होगा।

सवाईमाधोपुर में 3 दिन

आठवां दिन : यात्रा जीनापुर से शुरू होगी। यहां से आगे बढ़कर सवाई माधोपुर के सुरवाल पहुंचेगी। यहां लंच के बाद दुब्बी में कॉर्नर मीटिंग और फिर नाइट स्टे दहलोद में होगा।

नौवा दिन : सवाई माधोपुर के भाडोती से शुरू होकर श्यामपुरा पहुंचेगी। यहां लंच के बाद बगडी में कॉर्नर मीटिंग और फिर बीलोना में नाइट स्टे।

दसवां दिन : यात्रा गोलियां से शुरू होकर लालसौट के डीडवाना पहुंचेगी। यहा एंग्रीकल्चर कॉलेज में लंव के बाद नयावास पर कॉर्नर मीटिंग और फिर नागल राजवतान में मीणा हाईकोर्ट में नाइट स्टे होगा।

दौसा में 2 दिन

ग्यारहवां दिन : मीणा हाईकोर्ट से शुरू होकर कोली समाज धर्मशाला दौसा में लंच, गिरराज धरण दौसा में कॉर्नर मीटिंग और भांडारेज काला खोह-हाइवे पर नाइट स्टे होगा।

बारहवां दिन : यात्रा शुरू होकर सिकंदरा पुलिस स्टेशन के पास लंच होगा। वहीं बांदीकुई के मुकुरपुरा में कॉर्नर मीटिंग और फिर कोलोना कोर्ट कॉम्पलैक्स में नाइट स्टे होगा।

अलवर में 2 दिन

तेरहवां दिन : कोलाना से यात्रा अलवर में प्रवेश कर सुरेर के ढाणी पहुंचेगी। यहां लंच के बाद मालाखेड़ा में कॉर्नर मीटिंग होगी। इसके बाद महुआ में नाइट स्टे होगा।

चौदहवां दिन : बूरजा में भगवान महावीर आईटीआई से शुरू होगा लोहिया का तिवारा पर लंच होगा। इसके बाद रामगढ़ में कॉर्नर मीटिंग और फिर अलवर के बिजवा में यात्रा का नाइट स्टे होगा। इसके बाद अगले दिन यात्रा कुछ दूरी तय कर हरियाणा में प्रवेश कर जाएगी।

रोजाना इस तरह का रहेगा राहुल का प्लान

राहुल गांधी सुबह एक तय जगह से अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे। उसके बाद पैदल चलने के दौरान वे लोगों से मुलाकात और बातचीत करेंगे। सुबह की यात्रा रूकने के बाद तय जगह पर लंच होगा। लंच की व्यवस्था हर जगह तीन लेयर में की जाएगी। पहली लेयर में सिर्फ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और चुनिंदा नेता ही साथ होंगे। लंच के बाद थोड़ा आराम कर राहुल फिर यात्रा शुरू करेंगे। शाम की यात्रा में कुछ दूर चलने के बाद तय जगह पर हर रोज एक कॉर्नर मीटिंग होगी। यहां राहुल सभा करेंगे। ये सभाएं हर जगह अलग-अलग तरह की होगी।

गहलोत-पायलट समर्थकों को अंतिम चेतावनी

बोले तो- पद से हटेंगे :हाईकमान ने बयानबाज नेताओं की लिस्ट मांगी ; पीसीसी अध्यक्ष देंगे रिपोर्ट

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमों के बीच चल रही खींचतान पर राहुल गांधी की यात्रा को देखते हुए एक बार के लिए सियासी सीजफायर हो गया है। इस बीच कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दो महीने बाद एक बार फिर नए सिरे से नेताओं की एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करने पर चेतावनी दी है। कांग्रेस महासचिव ने मंगलवार शाम हुई बैठक में मंत्रियों और नेताओं को साफ कहा- अगर अब किसी ने गाइडलाइन का उल्लंघन करके पार्टी नेताओं के खिलाफ बयानबाजी की तो 24 घंटे में पद से हटा दिया जाएगा।

वेणुगोपाल ने नेताओं से कहा, 'अब एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी करके पार्टी को कमजोर करने का वक्त नहीं हैं। आपस में ही लड़ेंगे तो बीजेपी से मुकाबला कैसे करेंगे? मेरी गाइडलाइन के बावजूद पिछले दिनों कई मंत्रियों और नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए हैं, उससे पार्टी का गलत मैसेज गया है।'

चौधरी पर नाराज हुए वेणुगोपाल

वेणुगोपाल ने बैठक में पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी के सवाल पर नाराजगी जताई। वेणुगोपाल ने जब बयानबाजी बंद करने की बात कही तो हरीश चौधरी ने काउंटर सवाल किया कि किसी नेता के मन में कोई भावना है तो वह प्रकट कैसे करेगा? इस पर वेणुगोपाल ने लगभग फटकारने वाले लहजे में हरीश चौधरी पर नाराजगी जताई।

वेणुगोपाल ने कहा- 'जब आप जैसे जिम्मेदार पदों पर बैठे नेता इस तरह की बात करेंगे तो बाकी से क्या उम्मीद की जा सकती है। बाहर कोई बयान नहीं देगा। यह पहले से ही गाइडलाइन जारी की हुई है, उसके बाद और कहने को क्या रह जाता है?' 25 सितंबर को सीएम अशोक गहलोत खेमे के विधायकों के विधायक दल की बैठक का ब हिष्कार करने के बाद हुए सियासी बवाल के समय गहलोत और पायलट खेमों के बीच खूब बयानबाजी हुई थी।

तीन नेताओं को नोटिस मिलने के बाद संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 27 सितंबर को लिखित एडवाइजरी जारी करके पार्टी नेताओं के खिलाफ बयानबाजी करने पर रोक लगा दी थी। इस एडवाइजरी के कुछ ही दिन बाद फिर से गहलोत और पायलट खेमों के नेताओं ने बयानबाजी शुरू कर दी। पहली गाइडलाइन फेल होने के बाद अब वेणुगापेल ने बैठक में नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी है।

27 सितंबर की एडवाइजरी के बाद बयानबाजी करने वाले नेताओं के बारे में वेणुगोपाल ने प्रदेशाध्यक्ष से रिपोर्ट मांगी है। एडवाइजरी के बाद बयानबाजी करने वाले नेताओं पर कार्रवाई के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा- 'मेरे निर्देश के बाद किस किस नेता ने स्टेटमेंट दिए हैं, मैंने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगा है। रिपोर्ट मांगी है।' वेणुगापेल की गाइडलाइन के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट से लेकर दोनों के समर्थक एक दूसरे खेमों के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। सबसे बड़ा बवाल खुद सीएम अशोक गहलोत के सचिन पायलट को गद्दार कहने पर हुआ। इससे पहले गहलोत समर्थक मंत्री परसदीलाल मीणा ने पायलट खेमे पर कई बार निशाना साधा। इससे पहले एसीआर के मुद्दे पर मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास और हरीश चौधरी आपस में भिड़ गए थे।

दोनों के बीच तल्ख बयानबाजी का दौर चला। पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र गुढ़ा लगातार मुखर होकर बयानबाजी करते रहे हैं और पायलट को सीएम बनाने की मांग उठाते रहे हैं। पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए उन पर धोखा देने का आरोप लगाया था। ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा लगातार अनुशासनहीनता के मुद्दे पर गहलोत खेमे पर हमलावर रही हैं। कई बार बयान दे चुकी हैं।

संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ताजा चेतावनी को राहुल गांधी की यात्रा से पहले किसी भी तरह के विवाद को टालने की रणनीति माना जा रहा है। इसीलिए नेताओं को बयानबाजी नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई है। पुरानी गाइडलाइन के समय कुछ दिन शांत रहने के बाद नेताओं ने बयान देने शुरू कर दिए थे। खुद सीएम और सचिन पायलट तक ने बयान दिए थे।

जिले के हर गांव से गुजरेगी भाजपा की आक्रोश यात्रा

3 से 6 दिसंबर तक घूमेंगे 5 रथ, शिकायत के लिए मिस्ड कॉल नंबर जारी

जालोर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जालोर जिले में 3 दिसंबर से शुरू होने वाली भाजपा की जन आक्रोश यात्रा की जानकारी देते भाजपा पदाधिकारी।

राजस्थान में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसको लेकर भाजपा प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर आक्रोश यात्रा निकाल रही है। जालोर में भाजपा की आक्रोश यात्रा हर गांव से गुजरेगी। जिले में 3 से 6 दिसंबर तक 5 रथ घूमेंगे। इसको लेकर एक मिस्ड कॉल नंबर भी जारी किया गया है, जिस पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जिला प्रभारी महेंद्र बोहरा और जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने रथ यात्रा को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने महिला सुरक्षा, बेरोजगारी, पेपर लीक मामला, किसान कर्ज माफी जैसे कई मुद्दों पर प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। विधायक गर्ग ने कहा कि राजस्थान में करीब 75 हजार किलोमीटर की यात्रा है और पांच लाख से भी ज्यादा लोग इस यात्रा में जुड़ेंगे। वहीं, इस यात्रा के दौरान जनसंपर्क के अलावा 20 हजार चौपाल सभा और 20 हजार नुक्कड़ सभाएं करेंगे। उन्होंने कहा कि हम हर गांव तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। वहीं, इसके अलावा भाजपा के 7 मोर्चे (किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा, युवा मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा) भी एक-एक हजार चौपाल करेंगे।

जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि हमने मिस्ड कॉल नंबर भी जारी किया है, जिस पर कोई भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। इसके साथ ही एक वेबसाइट भी जारी है। उन्होंने बताया कि यात्रा में रथ के साथ एक शिकायत पेटी भी रहेगी, जिसमें कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत लिखकर डाल सकता है। आक्रोश यात्रा के जिला अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने कहा कि जालोर में दो दिसंबर जिला स्तर पर रथ की लॉन्चिंग की जाएगी। उसके बाद 3 से 6 दिसंबर तक पांचों रथ अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे। इसके साथ ही विधानसभा स्तर पर भी लॉन्चिंग का कार्य भी 3 दिसंबर को होगा। हर विधानसभा में करीब 500 किलोमीटर की यात्रा होगी। वहीं, हर विधानसभा में 100 सभा की जाएगी।

जयपुर में 2 करोड़ के लिए पत्नी-साले का मर्डर

इंश्योरेंस क्लेम के लिए हत्या ; 10 लाख की सुपारी देकर एसयूवी चढ़वाई

जयपुर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक पति ने बीमा के 1.90 करोड़ रुपए के लिए पत्नी और साले का मर्डर करवा दिया। हत्या का तरीका भी इतना शातिर था कि पहले पूरा मामला सड़क हादसे का लगा। पुलिस जांच में केस मर्डर का निकला। हत्या के आरोप में पुलिस ने बुधवार को महिला के पति सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला जयपुर के हरमाड़ा थाने का है। डीसीपी वंदिता राणा (वेस्ट) ने बताया कि पांच अक्टूबर को कार की चपेट में आने स्कूटी सवार एक भाई-बहन की मौत हो गई थी। इस पूरे मामले का जांच करते हुए पुलिस को हत्या का शक हुआ था। जांच में पता लगा कि मृतका शालू (36) के पति महेश (38) ने हाल ही में पत्नी का 1.90 करोड़ का इंश्योरेंस कराया था। इंश्योरेंस की शर्त थी कि अगर सड़क

महेश चंद्र, पति

शालू, पत्नी

दुर्घटना में शालू की मौत होगी तो यह पैसा महेश को मिलेगा। इस पर पुलिस का शक महेश पर गहराता चला गया। राणा ने बताया कि एक्सीडेंट में शालू की मौत मौके पर हुई थी। वहीं, उसके भाई राजू दसलानिया की हॉस्पिटल में मौत हुई थी। शालू की शादी वर्ष 2015 में आरोपी महेश चंद के साथ हुई थी। साल 2017 में शालू ने एक बेटी को जन्म दिया था। इसके बाद से ये लोग अलग रहने लगे थे। साल 2022 में महेश चंद ने एक प्लान बनाया। पत्नी का मई 2022 बीमा करवाकर उसकी हत्या कर क्लेम लिया। इसके बाद वह 2022 में शालू से नजदीकी बनाने लगा। मृतका से फोन पर बात करने लगा। अप्रैल में उसके घर भी गया। बताया- थोड़े टाइम बाद में तुझे घर ले जाऊंगा। इसके बाद आरोपी महेश चंद ने एक प्लानिंग बनाई। मृतका शालू को बताया कि बालाजी से कोई मन्नत बोल रखी है। तुम्हें बालाजी के 11 बार रेगुलर दर्शनों के लिए बाइक पर जाना होगा।

ताकि मेरा काम हो जाएगा। उसके बाद तुझे अपने साथ ले जाउंगा। यह बात आप और किसी को मत बताना। इसके बाद शालू बालाजी के दर्शन के लिए जाने लगी थी। पूछताछ में महेश ने बताया कि उसने दोस्त हिस्ट्रीशीटर मुकेश को अपनी पत्नी को मारने की 10 लाख रुपए में सुपारी दी थी। उसे 5.50 लाख रुपए एडवांस दिए।

हिस्ट्रीशीटर ने दोस्तों के साथ मिलकर 5 अक्टूबर को कार से शालू और उसके भाई को टक्कर मारी। इस साजिश में महेश के साथ कुल छह लोग शामिल थे।

गहलोत का भाजपा पर हमला: आठ उप चुनाव में छह में कांग्रेस जीत चुकी है

बीकानेर, 30 नवंबर (एजेंसियां)। इससे पहले गहलोत राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक और महाराजा गंगा सिंह युनिवर्सिटी के कार्यक्रम में बीकानेर आए थे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि सरदारशहर उप चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस जीतने वाली है। प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में आठ बार उपचुनाव हुए हैं, जिसमें छह बार कांग्रेस जीती है। भाजपा की तो जमानत भी जब्त हुई है और तीसरे नंबर पर भी रही है। गहलोत ने दावा किया कि न सिर्फ उप चुनाव बल्कि अगले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस की सरकार बननी तय है।

ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने के लिए कांग्रेस की आलोचना पर गहलोत ने नीति आयोग को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी सिक्योरिटी रखते हैं लेकिन कर्मचारियों को सिक्योरिटी क्यों नहीं? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मांग रखी कि पूरे देश में ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करें। केंद्र के साथ सभी राज्यों को ओल्ड पेंशन स्कीम के लिए दबाव बनाएं।

गहलोत ने अपनी योजनाओं की तारीफ की। बीएसएफ हेलीपेड पर और बाद में बेरोजगारों के सामने उन्होंने राज्य सरकार की चिरंजीवी योजना की जमकर तारीफ की। इसके अलावा उड़ान योजना, ओल्ड पेंशन स्कीम को केंद्र में लागू करने की बात कही। उनके साथ शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल, ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी तथा कौशल, रोजगार और उद्यमिता राज्य मंत्री अशोक चांदना और मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी मौजूद रहे।

गहलोत ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया कि अब तक नौ लाख छत्तीस हजार लोग देश छोड़कर जा चुके हैं। कोई रोजगार के लिए जा रहा है तो कोई पढ़ाई के बाद वहीं पर व्यवसाय कर रहा है। आने वाले वक्त में दुनिया कहेगी कि भारतीय अपना देश छोड़कर जा रहे हैं। दस लाख लोग बाहर जाना गंभीर विषय है। केंद्र सरकार को इस पर विचार करना चाहिए।

अधिकारियों से लिया फीड बेक

इस दौरान गहलोत अधिकारियों से भी फीड बेक लिया। कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल और और संभागीय आयुक्त नीरज के. पवन से भी बातचीत की। रोजगार मेले के संबंध में भी अधिकारियों से रिपोर्ट ली। बताया गया कि सत्रह सौ से ज्यादा युवकों को बीकानेर में ऑफर लेटर मिल चुके हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत इससे पहले एक अक्टूबर को बीकानेर आए थे। तब राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलकूद के विजेताओं को पुरस्कार दिए। तब गहलोत ने कबड्डी गर्ल्स का मुकाबला भी देखा और लड़कियों के साथ बातचीत भी की। इससे पहले महाराजा गंगा सिंह युनिवर्सिटी के कार्यक्रम में गहलोत आए थे। पिछले कुछ समय से गहलोत का बीकानेर में ये तीसरा दौरा है, जबकि अक्टूबर और नवम्बर में लगातार दो महीने में दूसरा दौरा है।

विधायक के खिलाफ कार्यवाही को लेकर पीसीसी चीफ को पत्र

भरत सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक एक्शन की मांग, यशवंत चौधरी ने लिखा पत्र

कोटा, 30 नवंबर (एजेंसियां)। विधायक भरत सिंह के द्वारा लगातार की जा रही बयानबाजी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पीसीसी सदस्य, किसान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व जिला परिषद सदस्य यशवंत सिंह चौधरी ने विधायक भरत सिंह से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा से विधायक भरत सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही

करने और पार्टी निलंबित करने की मांग की है। उन्होंने सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा से पत्र लिखकर कहा कि कोई भी बात पार्टी के फोरम पर उठानी चाहिए। इस समय राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं, लेकिन विधायक भरत सिंह का कृत्य पार्टी विरोधी और पार्टी को तोड़ने वाला है। विधायक अपनी बात को विधानसभा सत्र के दौरान भी उठा सकते हैं, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से पार्टी को कटघरे में खड़े करने का काम किया है, जो कांग्रेस की रीति नीति के खिलाफ है। यशवंत सिंह चौधरी ने कहा कि भरत सिंह लगातार इस प्रकार के कार्य करते रहे हैं।

सिरोही में 15 मिनट में एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश : 20 लाख रुपए कैश भरा था, थाने से महज 200 मीटर की दूरी

सिरोही, 30 नवंबर (एजेंसियां)। सिरोही में 4 बदमाश 15 मिनट में एसबीआई बैंक का एटीएम उखाड़ ले गए। एटीएम में करीब 20 लाख रुपए कैश भरा था। बदमाशों ने एटीएम रूम में लगे सीसीटीवी कैमरे पर काला रंग लगा दिया, जिसके कारण वह फुटेज में नहीं आए। एटीएम लूट की यह घटना पिंडवाड़ा थाने से 200 मीटर की दूरी पर हुई है।

जानकारी के अनुसार पिंडवाड़ा नगरपालिका के सामने और सरकारी अस्पताल से मात्र 50 मीटर दूरी पर एसबीआई बैंक की मैन ब्रांच है। इस ब्रांच के अंदर ही एक कोने में एटीएम लगा हुआ है। रात करीब 1 बजे कुछ बदमाश बोलेरो लेकर आए और एटीएम रूम का शटर तोड़कर अंदर घुसे और 15 मिनट में एटीएम उखाड़कर ले गए। एसबीआई बैंक का एटीएम उखाड़कर ले जाने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक मैनेजर नगेंद्र राजोरिया को सूचना देकर मौके पर बुलाया। पुलिस ने बदमाशों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो सामने आया कि बदमाशों ने कैमरों पर काला कलर लगा दिया। हालांकि पुलिस को सीसीटीवी से पता चला कि बदमाशों ने लूट के लिए बोलेरो का इस्तेमाल किया। इसके बाद बदमाशों को पकड़ने के लिए जिलेभर में नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पिंडवाड़ा डीएसपी जेठू सिंह करनोत ने बताया कि देर रात को बदमाश SBI बैंक का एटीएम लूटकर ले गए। वारदात के दौरान गार्ड बैंक के अंदर सो रहा था। बदमाश बोलेरो लेकर आए। उन्होंने सबसे पहले कलर से सीसीटीवी कैमरे काले कर दिए और 15 मिनट में ATM उखाड़कर ले गए। एक ऑटो ड्राइवर ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बदमाशों की गाड़ी की लोकेशन सिरोही की तरफ जाने की मिली।

बैंक मैनेजर नगेंद्र राजोरिया ने बताया कि एटीएम में करीब 20 लाख रुपए कैश भरा था। बदमाशों ने जिस जगह से एटीएम उखाड़ा ठीक उसके पीछे लगे गेट से बैंक में घुसा जा सकता है। बैंक में लाखों रुपए नकदी के अलावा लोगों के लॉकर भी हैं। उन्होंने बताया कि एटीएम की देखरेख करने वाले अधिकारी जोधपुर से आकर रिपोर्ट दर्ज करवाएंगे।

आदर्श जूनियर कॉलेज व छात्रवास में भारी परेशानियां

भोजन में कीडे व अन्य असुविधाओं को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन

मदनूर, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल मेनूर गांव के आदर्श जूनियर कॉलेज के छात्र वास के छात्रों ने पाठशाला गेट के बाहर बुधवार के दिन घटों तक आंदोलन करते हुए बताया कि सन 2020 से लेकर आज तक इस पाठ पाठशाला में आध्यापकों की मनमानी चल रही है। पाठशाला के अध्यापक छात्रों को सही ढंग से नहीं पढ़ा रहे हैं, जिसके कारण विद्यार्थी पढाई में पिछडे जा रहे हैं। इसके अलावा पाठशाला में विद्यार्थियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मिड डे मिल्स में कीड़े, सड़े हुवे टमाटर की सब्जी के साथ पाठशाला में फोन की सुविधा नहीं होने से विद्यार्थियों को भी कई समस्याओं का सामना करना पड रहा है।

इस सुविधा के बारे में उन्होंने कई बार स्थानीय तहसीलदार, मंडल शिक्षण अधिकारी, डिविजन अधिकारी, जिला अधिकारियों के साथ स्थानीक जन प्रतिनिधियों को बताया, फिर भी इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया तथा कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। तीन दिन पहले एक छात्रा द्वारा सेलफोन पर एक तेलुगु पंडित अध्यापिका के खिलाप पोस्ट किया गया। इस विषय को लेकर सबंधित विद्यार्थी के साथ उसके परिजन अध्यापिका से गलती की माफी मांगने के बाद ही अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठशाला के कक्षा में सब के सामने लकड़ी से पिटाई करने के बाद छात्रा के परिजनों ने मंगलवार के श्याम तेलगु पंडित अध्यापिका महेश्वरी के नाम से मदनूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। प्रदर्शन के दौरान भी विद्यार्थी बुधवार के सुबह आदर्श पाठशाला के छात्रों ने आंदोलन करते हुए पाठशाला की प्रधान अध्यापक लावण्या, तेलुगु पंडित महेश्वरी को सस्पेंड करने की मांग की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर दोनों प्राध्यापिकाओं को बर्खास्त नहीं किया गया, तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

कंटी वेलुगु के लिए पैरामेडिकल नेत्र रोग अधिकारी की भर्ती की जाएगी

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने 18 जनवरी से शुरू होने वाले आगामी कंटी वेलुगुकार्यक्रम में काम करने के लिए जिला कलेक्टरों को आउटसोर्सिंग के आधार पर पैरामेडिकल नेत्र रोग अधिकारियों (पीएमओओ) की भर्ती करने का निर्देश दिया है।

इसमें पीएमओओ को प्राथमिकता दी जाएगी जिनके पास कार्यात्मक एआर मशीनें हैं और ऐसे चिकित्सा उपकरणों के लिए मासिक किराये की राशि डीएम और एचओ द्वारा जारी की जाएगी। नेत्र संबंधी अधिकारी, जिनके पास ओप्थाल्मिक असिस्टेंट (डीओए) में डिप्लोमा या ऑप्थेल्मिक मेडिसिन (डीओएम) में डिप्लोमा होना चाहिए, उनका पारिश्रमिक 30,000 रुपये होगा। भर्ती अधिसूचना 1 दिसंबर को जिला कलेक्टरों द्वारा जारी की जाएगी और वॉक-इन इंटरव्यू 5 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा।

किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य : पोन्नला

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और पूर्व पीसीसी अध्यक्ष पोन्नला लक्ष्मैया ने आज राज्य सरकार से कृषि भूमि से संबंधित समस्याओं और अन्य को हल करने की मांग को लेकर जंगांव में एक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने जनगांव चौराहे से जिला कलेक्टर कार्यालय तक रैली भी निकाली। उन्होंने इस संबंध में अपर कलेक्टर प्रफुल्ल देसाई को ज्ञापन सौंपा।

बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, पोन्नाला लक्ष्मैया ने विवादास्पद धरणी पोर्टल को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने राज्य के लोगों की निजी संपत्तियों का ब्योरा गोपनीय रखने के बजाय निजी कंपनियों को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास जमीन है, उन्हें धरनी पोर्टल को खत्म करने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाना चाहिए और कहा कि राज्य सरकार उन लोगों को बहुत नुकसान पहुंचा रही है, जिनके पास पोर्टल है।

लक्ष्मैया ने कहा कि 24 लाख एकड़ जमीन धरणी पोर्टल पर नहीं दिखी।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार भूमि संबंधी समस्याओं का तत्काल समाधान करे। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार अपने चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार सभी पात्र किसानों को कर्ज माफी प्रदान करे। पोडू भूमि का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पात्र आदिवासी लोगों को जमीन का पट्टा देने के बजाय इस मुद्दे पर समितियां बनाकर समय बर्बाद कर रही है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार अधिनियम के तहत जमीन के पट्टे आवंटित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए, पोन्नाला ने आरोप लगाया कि पूर्व सभी निवेश अपने गृह राज्य गुजरात में ले जाने की कोशिश कर रहे थे और कहा कि पीएम के कदम से तेलंगाना राज्य को बहुत नुकसान होगा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री केसीआर दोनों अपने राजनीतिक लाभ के लिए तेलंगाना राज्य को नष्ट कर रहे हैं।

येल्लंदु में तेंदुए ने पालतू कुत्ते को मार डाला

कोत्तागुडेम, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के येल्लंदु मंडल के पुसापल्ली वन क्षेत्र में एक तेंदुए को घूमते हुए देखा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार की रात एक पालतू कुत्ते को तेंदुए ने मार डाला था, कुत्ते के अवशेष, जो वास्तव में जंजीर से बंधे थे, को पास के खेत में छोड़ दिया गया था. वन अधिकारियों ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा किया और पग के निशान के आधार पर तेंदुए की हरकत की पुष्टि की। स्थानीय लोगों को अकेले जंगलों में नहीं जाने की चेतावनी दी गई।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा श्री हरि कथा आज से

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परम पूजनीय गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की कृपा से स्कंदगिरी मंदिर के पास श्री आई माता मंदिर, पद्माराव नगर, सिकंदराबाद, हैदराबाद में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा चार दिवसीय श्री हरि कथा का आयोज 1 से 4 दिसंबर 2022 तक सायं 4:30 से 7:30 बजे तक किया जाएगा। इस कथा में श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्यों द्वारा श्री हरि व उनके भक्तों की कथाओं का भजन-संकीर्तन के साथ सुन्दर प्रस्तुतीकरण किया जायेगा। साथ ही प्रभु के जीवन की लीलाओं के भीतर छिपे हुए आध्यात्मिक रहस्यों को उजागर किया जाएगा।

तेलंगाना में कोंग्रेस सरकार बनने पर किसानों का दो लाख रूपये का कर्ज माफ : गंगाराम

मदनूर, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कोंग्रेस के सुप्रीमो रेवंत रेड्डी के आदेशानुसार मदनूर मंडल केंद्र 161 अंतर राष्ट्रीय महामार्ग पुराने बस स्टैंड पर स्थानीय कांग्रेज़ पार्टी मंडल अध्यक्ष रमेश वटनालवार के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं ने किसानों का कर्ज माफ के साथ धरणी पोर्टल रद्द करने की मांग को लेकर घंटों तक रास्ता रोका। इस कार्यक्रम में जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक सौदागर गंगाराम ने स्थानीय जनता को संबोधित करते हुए बताया कि चुनाव के समय के. चंद्रशेखर राव किसानों को गुमराह करके मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ गये। आज तक किसनों का एक लाख रूपये का कर्ज माफ नहीं किया गया। दलित व्यक्ति को मुख्यमंत्री, प्रत्येक दलित को दलित बंधु, तीन एकड़ जमीन, 12 प्रतिशद आरक्षण, डबल बेडरूम, हर एक व्यक्ति को रोजगार के झूठे आश्वाशन देकर केसीआर मुख्यमंत्री कुर्सी पर बैठ कर राज कर रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि आने वाले दिनों में तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार आने पर किसानों का दो लाख रूपये का कर्ज माफ किया जायगा। इस समय बड़ी मात्रा में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केबीआर पार्ष में भगवान गणेशजी की पूजा-अर्चना करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय दागजी, जवाहरलाल सोलंकी, महेश राजू, समाजसेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

'मीडिया चौपाल-2022' में देश के तीन कुलपतियों का होगा सान्निध्य

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ में 2 से 4 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले 'मीडिया चौपाल' में देश भर के लगभग 500 संचारकर्मी, संचारविद एकत्रित आयेंगे और भारत की स्वतंत्रता के अमृतकाल में संचार की भूमिका को अत्यधिक अर्थपूर्ण बनाने के लिए मंथन करेंगे। यह 'मीडिया चौपाल-2022' इस कारण अत्यधिक विशिष्ट एवं प्रभावकारी होने जा रहा है क्योंकि इसमें देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के तीन कुलपतियों का सान्निध्य प्राप्त होगा। चौपाल के पहले दिन, 02 दिसंबर (शुक्रवार) को 'अमृतकाल में संचार-शिक्षा : भारतीय दृष्टि' विषय पर 'अकादमिक चौपाल' होगा। इसमें हरियाणा उच्च शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ; कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा ; माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. के. जी. सुरेश का सान्निध्य और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। 'मीडिया चौपाल' का आरम्भ 21वीं सदी के दूसरे दशक में तब हुआ, जब मीडिया में स्पष्ट बिखराव दिखायी देने लगा था और मीडिया हाउस का एकाधिकार सा उत्पन्न हो गया था। इसी समय के दौरान नव-संचार माध्यम जनतांत्रिक भाव से जनाकांक्षाओं की पूर्ति करने का कार्य करने में जुट गये थे। इस संक्रांति काल ने अकादमिक जगत में मीडिया की शिक्षा और अनुसंधान को भी प्रभावित किया।

हिन्दी महाविद्यालय के विद्यार्थियों का क्रीडा में बेहतर प्रदर्शन, सम्मान किया गया

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय, नल्लाकुंटा के विद्यार्थियों ने सिद्ध किया है कि शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी माहिर हैं। विगत दिनों तलवारबाजी में आयोजित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय क्रीडा प्रतियोगिताओं में हिन्दी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न स्तरों पर विजय हासिल की। हिन्दी महाविद्यालय के विद्यार्थी वी. लोकेश ने लंदन में आयोजित अंडर-17 कैडेट चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधितव किय। वी. लोकेश तलवारबाजी के सीनियर डिवीजन में तेलंगाना राज्य का नेतृत्व करेंगे। 26 एवं 27 नवंबर को डुंडिगल स्थित मरी लक्ष्मण रेड्डी इंस्टीट्यूट में आयोजित इंटर डिस्टिक्ट फेंसिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसका आयोजन तेलंगाना फेंसिंग असोसिएशन द्वारा किया गया। वी. लोकेश को इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में भी स्वर्णपदक प्राप्त हुआ है। हिन्दी महाविद्यालय की छात्रा ने भी क्रीडा जगत में अपना नाम दर्ज किया है। एस. के. नाजिया ने विगत दिनों लंदन में आयोजित फेंसिंग प्रतियोगिता अंडर-17 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और दो कांस्य प्रदक प्राप्त किए। एस.के. नाजिया भी तलवारबाजी की तेलंगाना के सीनियर डिवीजन की महिला टीम का नेतृत्व करेंगी। एस.के. नाजिया ने मरीलक्ष्मण रेड्डी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालोजी डुंडीगल में 26 एवं 27 नवंबर को आयोजित इंटर डिस्टिक्ट फेंसिंग चैम्पियनशीप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसका आयोजन भी तेलंगाना फेंसिंग असोसिएशन द्वारा किया गया। हिन्दी महाविद्यालय की छात्रा गुर्रम प्रणति ने 25 नवंबर को डुंडीगल स्थित मरीलक्ष्मण रेड्डी इंस्टीट्यूट में आयोजित अंडर-18 हैदराबाद डिस्टिक्ट फेंसिंग सेलेक्शन ट्रायल्स में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसका आयोजन हैदराबाद फेंसिंग असोसिएशन द्वारा किया गया। महाविद्यालय की छात्रा सी.एच. रितिशा ने तेलंगाना फेंसिंग असोसिएन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उसे तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। उस्मानिया विश्वविद्यालय फिजिकल एजुकेशन विभाग द्वारा गोशामहल ग्राउंड में आयोजित इंटर कॉलेज टूर्नामेंट फार मेन में टी. अरविंद को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल एवं उपप्राचार्य श्रीमती अश्विनी सनपूरकर ने उनको सम्मानित किया। हिन्दी महाविद्यालय की टीम को ओवर ऑल टीम का भी टाइटल मिला। महाविद्यालय समिति के मानद मंत्री श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा एवं उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा ने उन्हें प्रोत्साहित किया।

कवयित्री डॉ. रमा द्विवेदी का विशेष सम्मान किया गया

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच ने अपना 9वाँ अखिल भारतीय साहित्य महोत्सव तथा सम्मान समारोह दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित किया। आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्य शाखा की अध्यक्ष डॉ. रमा द्विवेदी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रो. विश्वंभर शुक्ल (लखनऊ) ने अध्यक्षता की और साहित्यकार बी.एल. गौड़ के मुख्य अतिथित्य में एवं डॉ अशोक मैत्रेय, प्रमुख अतिथि डॉ. विनोद प्रकाश गुप्ता (पूर्व आईएएस) विशिष्ट अतिथि और अमेरिका से पधारी डॉ. अनीता कपूर, विशिष्ट अतिथि की गरिमामयी उपस्थिति में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देश के कोने -कोने से साहित्यकार एवं समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित हुए तथा इन्द्रप्रस्थ लिटरेचर फेस्टिवल के अध्यक्ष चंद्रमणि ब्रह्मदत्त और ओम प्रकाश प्रजापति भी उपस्थित हुए। इस दौरान मंचीय कार्यक्रम के पश्चात हैदराबाद की साहित्यकार डॉ. रमा द्विवेदी कृत "मैं द्रौपदी नहीं हूँ' लघुकथा संग्रह लोकार्पित किया गया तथा इसके लिए उनका विशेष सम्मान भी हुआ।

मल्लिकार्जुन खड़गे के विरोध में प्रदर्शन किया गया

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विरोध में प्रदर्शन किया गया। भाजपा पार्षद राकेश जायसवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और प्रधानमंत्री का अपमान करने के लिए खड़गे की आलोचना की। राकेश जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को 'रावण' कहा, जो बिलकुल गलत है। एक पीएम के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। यह निंदनीय है और यह कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। यह सिर्फ पीएम मोदी का अपमान नहीं है, हर देशवासी का अपमान है। इस अवसर पर बीजेपी नेताओं रामकृष्ण, रेणुका, सुरेश व्यास, साईराम, रोशन, बालाजी आदि शामिल रहे।

कपास का समर्थन मूल्य दस हजार घोषित करने की मांग

आसिफाबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी किसान संगम के जिलाध्यक्ष वैरागड़े मारुति पटेल ने कपास का मूल्य 10 हजार देने की मांग की।बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल 10 हजार रुपये समर्थन मूल्य घोषित करना चाहिए।सीसीआई के माध्यम से कपास। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कपास की उपज दो किश्तों में भी नहीं आ रही है।

उन्होंने सरकार से फसल को पूरी तरह से खरीदने और किसानों के साथ खड़े होने की मांग की। इस कार्यक्रम में, कुछ व्यापारी कपास की कीमत में हेराफेरी कर रहे हैं। जोक प्रणाली रायथु संगम जिला महासचिव गदला शंकर बीसी कल्याण संग जिला महासचिव गजुला जक्कैया रायथू संगम नेता पडोर साडू, बोइरे गंगाराम, शेंडे साधु, कवलकर नारायण, गेडेकर अन्ना राव और अन्य ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

बेलगावी की फाइट...

इस ऐक्ट के जरिए राज्यों को भाषायी और प्रशासनिक आधार पर विभाजित किया गया।

बेलगाम पर बवाल क्या है

बॉम्बे सरकार ने केंद्र से विरोध जताया। इसके बाद 1966 में पूर्व मुख्य न्यायाधीश मेहर चंद महाजन की अध्यक्षता में महाजन आयोग बना। 1967 में आयोग ने विवादित क्षेत्र में महाराष्ट्र को 264 और कर्नाटक को 247 गांव दे दिए। हालांकि आयोग ने तय किया कि बेलगाम को कर्नाटक में ही बने रहना चाहिए। महाराष्ट्र ने इस रिपोर्ट को नहीं माना और कर्नाटक ने यथास्थिति की मांग की।

महाराष्ट्र सरकार ने 2006 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की। इसमें उसने बेलगाम पर दावा ठोका। राज्य सरकार ने कहा, 'कर्नाटक में रहने वाले मराठी भाषी लोगों में असुरक्षा की भावना है।' बेलगाम जिला और बेलगाम शहर कर्नाटक का हिस्सा बना हुआ है। आज भी जब मुद्दा गरमाता है तो परिवहन सुविधाओं पर असर पड़ता है। बसों की आवाजाही दूसरे राज्य में रोक दी जाती है। ऐसे में यात्रियों को काफी दिक्कत होती है।

आगे क्या

कहा जा रहा है कि सीमा से लगे महाराष्ट्र के 40 से अधिक गांवों के लोग कर्नाटक में आना चाहते हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि इस पर कोई भी निर्णय राज्य के सभी राजनीतिक दलों और कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद ही लिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष सिद्धारमैया ने कहा है कि महाराष्ट्र के उन गांवों को कर्नाटक में शामिल क्यों नहीं किया जाता है, जहां के लोग चाहते हैं? विवाद बना हुआ है। अब दोनों राज्यों की नजरें सुप्रीम कोर्ट पर हैं।

किसान को 205...

अब सोशल मीडिया पर फसल बेचने की रसीद वायरल हो रही है, जिसे देखकर लोग सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि ऐसे में हमारे किसान भाई आत्महत्या नहीं करेंगे तो क्या करेंगे। जबकि कुछ यूजर्स ने कहा कि एक तरफ बाजार में और ऑनलाइन एक किलो प्याज 25 से 31 रुपये किलो में बिक रहा है। जबकि किसान को 200 किलो प्याज के सिर्फ 8 रुपये मिल रहे हैं। यह कैसा न्याय है। आखिर पैसा कौन खा रहा है। तमाम यूजर्स ने इसे शर्मनाक और शॉकिंग बताया है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 284 वीवी पैड गोवा भेजा गया : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 284 वी. वी पैड को गोवा भेजा जा रहा है यह बात जिला कलेक्टर राहुल राज ने कही। बुधवार को जिला केंद्र में वी एम., वी. वी पैड को गोदाम से जिला अपर समाहर्ता राजेशम एवं विभिन्न राजनैतिक दल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में एवं भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 284 वी. वी पैड को अधिकारियों और प्रतिनिधियों की मौजूदगी में उन्हें वापस ले लिया गया। गोदाम की सुरक्षा के लिए सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे लगे हैं और हर समय निगरानी की जा रही है।इस कार्यक्रम में कागज नगर आर. डी ओ राजेश्वर, तहसीलदार राममोहन, चुनाव डी. टी जितेंदर, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

आगापुरा में राजस्थान झुंझनू से पधारे सीआरएफ डिप्टी कमांडेड रवी कुमार चौधरी का साफा शाल द्वारा सम्मान करते हुए दिलीप चौधरी, समाजसेवी धर्माराम ढाका, उद्योगपति जगदीशचंद्र चौधरी, रामदेव उपाध्याय, दिनेश जैन, रामनिवास उपाध्याय, प्रेम चौधरी, रामनारायण सिखवाल व अन्य।

मंत्री तलसानी को जनसमस्याओं को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में जारी कई निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग करते हुए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में खैरताबाद जोनल कमिश्नर रवि किरण ने मंत्रियों से कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के धूलपेट में केएम दास मठ (बंदोबस्ती), जामबाग अंज बाजार में श्री पुरेंद्र मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की जमीन (बंदोबस्ती), एएनटी अस्पताल के पीछे सरकारी जमीन, चूड़ी बाजार और जुम्मरात बाजार में से किसकी पहचान की जाए। गोसामहल निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की ओर से आनंद कुमार गौड़ ने मंत्री को उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के आदेश पर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में कई करोड़ के विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि मच्छी मार्केट, हिन्दी नगर खेल परिसर, सुबनपुरा में बस्ती दवाखाना आदि के विकास कार्य मंत्री के आदेशानुसार किये जा रहे हैं। आनंद कुमार गौड़ ने आश्वासन दिया कि यदि उनके ध्यान में विधानसभा क्षेत्र के किसी भी कार्य को लाया जाता है तो वह मंत्री से नहीं बल्कि अधिकारियों से चर्चा कर कार्य को पूरा कराएंगे। इस दौरान जामबाग प्रमंडल महासचिव जी. नंदू कुमार, अल्पसंख्यक अध्यक्ष अहमद, महेश सहित अन्य ने भाग लिया।

बारिश के कारण तीसरा वनडे रद्द

न्यूजीलैंड ने सीरीज 1-0 से जीती, 2 ओवर और होते तो भारत मैच हार जाता

खेल डेस्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)।भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला गया तीसरा वनडे मैच बारिश के कारण रद्द हो गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया 47.3 ओवर में 219 के स्कोर पर सिमट गई। वाशिंगटन सुंदर ने अर्धशतकीय पारी खेली, उन्होंने 51 रन बनाए, जबकि श्रेयस अय्यर ने 49 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में 1 विकेट खोकर 104 रन बना लिए थे। डेवोन कॉनवे 38 रन बनाकर और कप्तान केन विलियमसन बिना खाता खोले क्रीज पर थे। फिन एलेन 57 रन बनाकर उमरान मलिक की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद बारिश के कारण खेल संभव नहीं हो पाया। दूसरा वनडे भी बारिश के कारण रद्द करना पड़ा था। न्यूजीलैंड ने सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली है। तीसरे वनडे में में अगर दो ओवर और हो गए होते तो न्यूजीलैंड की टीम जीत जाती। किसी भी वनडे मैच में फैसला होने के लिए दोनों पारियों में कम से कम 20-20 ओवर का खेल

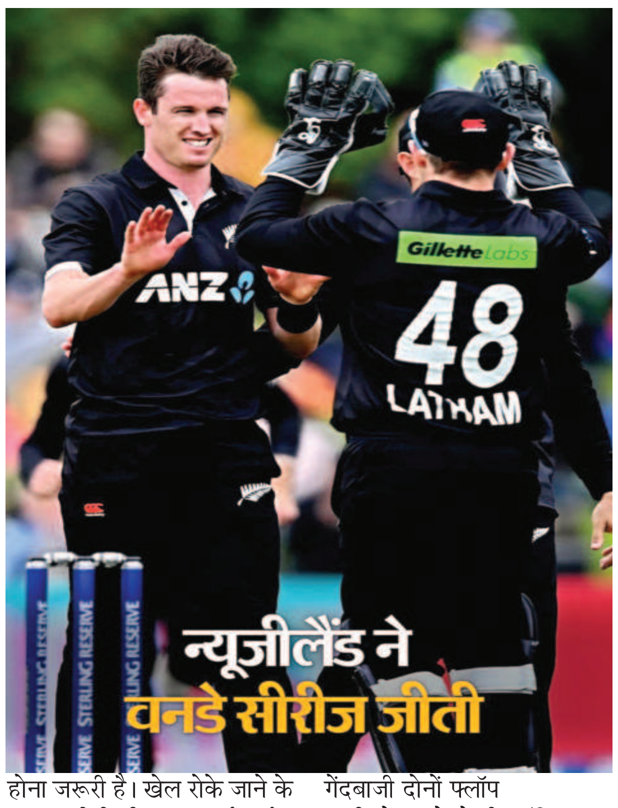

होना जरूरी है। खेल रोके जाने के समय कीवी टीम डकवर्थ लुईस नियम के तहत 50 रन आगे थी, लेकिन 20 ओवर पूरे नहीं होने के कारण नतीजा सामने नहीं आया।

भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों फ्लॉप

तीसरे वनडे में टीम इंडिया हर मोर्चे पर फ्लॉप रही। बल्लेबाजी में वाशिंगटन सुंदर और श्रेयस अय्यर के अलावा कोई भी अच्छी पारी नहीं खेल सका। इसी तरह 18 ओवर की गेंदबाजी में भारत का कोई भी बॉलर खास प्रभाव नहीं डाल सका।

50 ओवर भी नहीं खेल सकी टीम इंडिया

हेगले ओवल के ग्रॉसी विकेट पर टीम इंडिया पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी। कीवी गेंदबाजों उसे नियमित अंतराल में झटके देते रहे और टीम बड़ा स्कोर बनाने में कामयाब नहीं हुई। केवल श्रेयस अय्यर और वाशिंगटन सुंदर ने कुछ समय क्रीज पर बिताया। शेष बल्लेबाज जल्दबाजी में दिखे।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

शुभमन गिल : मिल्ने की बॉल को फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन स्क्वेयर लेग की दिशा में सैंटनर के हाथों कैच हुए।

शिखर धवन : एडम मिल्ने ने धवन को क्लीन बोल्ड कर दिया।

ऋषभ पंत : डेरिल मिचेल की बॉल पर डीप स्क्वेयर लेग में ग्लेन फिलिप्स को कैच दे बैठे।

सूर्यकुमार यादव : मिल्ने की बॉल पर टिम साउदी ने कैच किया।

श्रेयस अय्यर : लॉकी फर्ग्युसन की बॉल पर डेवोन कॉनवे ने डीप पॉइंट पर शानदार कैच पकड़ा।

दीपक हुड्डा : साउदी की बॉल को पुल करना चाहते थे, लेकिन विकेट के पीछे लैथम के हाथों कैच हुए।

दीपक चाहर : डेरिल मिचेल की बॉल को पुल करना चाहते थे। टिम साउदी ने मिड विकेट के पास कैच किया।

यजुवेंद्र चहल : सेंटनर की बॉल पर टिम साउदी ने कैच किया। बॉल टॉप एज लेकर हवा में उठी थी। साउदी ने स्लिप के पास कैच किया।

अर्शदीप सिंह : डेरिल मिचेल ने एलबीडब्ल्यू कर दिया।

वॉशिंगटन सुंदर : टिम साउदी की बॉल पर टॉम लैथम ने विकेट के पीछे कैच किया।

2019 से घर में कोई वनडे सीरीज नहीं हारी है कीवी टीम

न्यूजीलैंड की टीम पिछले कुछ सालों से घरेलू जमीन पर वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। कीवी टीम को घर में 2019 के बाद से किसी भी वनडे सीरीज में हार नहीं मिली है। 2019 में उसे भारत ने 4-1 से हराया था। उसके बाद से न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश और भारत को दो-दो बार और नीदरलैंड को 1 बार वनडे सीरीज में हराया।

भारतीय हॉकी टीम का बड़ा उलटफेर

रोमांचक मैच में ऑस्ट्रेलिया को दी मात

खेल डेस्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही है. उसे सीरीज के पहले दो मैचों में जीत हासिल हुई थी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पांच मैचों की सीरीज के तीसरे टेस्ट में दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को बुधवार को 4-3 से हराकर उलटफेर किया. भारत ने पहले दो मैचों में भी भारत ने अच्छी टक्कर दी थी.

शुरुआती दोनों मैचों में जीत दर्ज करने में नाकाम रहा भारत इस अप्रत्याशित सफलता के साथ सीरीज जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखने में कामयाब रहा. टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (12वें मिनट), अभिषेक (47वें मिनट), शमशेर सिंह (57वें मिनट) और आकाशदीप सिंह (60वें मिनट) ने गोल किए.

ऑस्ट्रेलिया के लिए जैक वेल्च (25वें), कप्तान एरान जालेवस्की (32वें) और नाथन इफ्राम्स (59वें) ने गोल दागे. इस जीत के बाद भारत श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ रहा है। मेहमान टीम को पहले दो टेस्ट मैच में 4-5 और 4-7 से हार का सामना करना पड़ा था.

पहले टेस्ट में आखिरी मिनट में गोल गंवाने के कारण भारत को 4-5 से पराजय मिली. दूसरे मैच में तीसरे मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर भारत ने बढत बना ली थी लेकिन आखिरी क्वार्टर में गोल गंवाकर 4-7 से हार गई. सीरीज का चौथा मैच शनिवार और आखिरी मैच रविवार को खेला जाएगा.

दोनों टीमों के लिये यह श्रृंखला भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 जनवरी से शुरू हो रहे विश्व कप की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण है. बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भारत की ऑस्ट्रेलिया के हाथों सात गोल से हार के बाद भारत की यह पहली जीत है.

सैमसन-पंत पर थरूर का सवाल

फेल हो रहे पंत टीम में, रन बना रहे संजू बेंच पर?

नई दिल्ली, 30 नवंबर (एजेंसियां)। इंडियन क्रिकेट टीम की सिलेक्शन प्रोसेस पर अब राजनेता भी सवाल उठा रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में एक बार फिर संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली। मैच शुरू होते ही कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पर सवाल उठाया। उन्होंने ट्वीट में संजू को बेंच पर बिठाए जाने का कारण पूछा है।

दिसंबर में होने वाले बांग्लादेश दौरे के लिए भी शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भारतीय टीम में नहीं चुना गया। पंत को इस टीम में जगह दी गई है। इसके बाद सोशल मीडिया पर 'कास्टिस्ट बीसीसीआई' यानी 'जातिवादी बीसीसीआई' ट्रेंड करने लगा था।

पंत अच्छा खिलाड़ी, जिसकी फॉर्म खराब- थरूर

शशि थरूर ने लिखा, वीवीएस लक्ष्मण कह रहे हैं- पंत 4 नंबर पर अच्छा खेल रहा है इसलिए उन्हें सपोर्ट करना जरूरी है। वह

अच्छा खिलाड़ी है, जो खराब फार्म में है। पंत पिछली 11 में से 10 पारियों में फेल रहा है। सैमसन का एकदिवसीय मैचों में एवरेज 66 है, उन्होंने अपने पिछले सभी 5 मैचों में रन बनाए हैं लेकिन बेंच पर हैं। पता लगाओ क्यों।

पंत के आउट होने के बाद शशि थरूर ने एक और ट्वीट किया और लिखा- पंत का एक बार फिर फेल हो गए, जिन्हें व्हाइट बॉल क्रिकेट से एक ब्रेक की सख्त जरूरत है। संजू सैमसन से एक और मौका छिन गया। अब उन्हें IPL का वेट करना होगा ये दिखाने के लिए कि वे भारत के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं।

तीसरे वनडे में चुने गए पंत फिर फेल, 5 मैचों में 41 रन बनाए

न्यूजीलैंड से चल रहे तीसरे मैच में भी ऋषभ पंत फ्लॉप रहे। वे 16 गेंद पर 10 रन बनाकर आउट हुए। पहले वनडे में उन्होंने 15 रन बनाए थे। वनडे और टी-20 मिलाकर पिछली 5 पारियों में उन्होंने 41 रन बनाए हैं। इनमें एक वनडे और 4 टी-20 शामिल हैं।

ऋषभ पंत की रिकॉर्ड बुक

ऋषभ पंत का प्रदर्शन फास्ट क्रिकेट के दोनों फॉर्मेट में कमजोर ही रहा है। बात 50 ओवर के मैचों की करें तो कुल 27 वनडे मैचों में 36.52 की औसत से 840 रन बनाए हैं। वहीं टी-20 इंटरनेशनल में यह लेवल और नीचे रहा है। उन्होंने 66 मैचों में महज 22 की औसत से सिर्फ 987 रन बनाए हैं।

पंत की तुलना में सैमसन बेहतर

केरल के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन, पंत की तुलना में बेहतर हैं। सैमसन, 10 वनडे मैचों में 73.50 की औसत से 294 रन बना चुके हैं, लेकिन टी-20 में सैमसन और पंत के रिकॉर्ड में ज्यादा अंतर नहीं है। सैमसन ने 16 टी-20 में 21 की औसत से 296 रन बनाए हैं।इस कमजोर रिकॉर्ड की एक वजह ये भी है कि सैमसन को टीम इंडिया में रेगुलर नहीं चुना गया।

पाकिस्तान पहुंची इंग्लिश टीम के 14 मेंबर्स संक्रमित

बीमारी से बचने के लिए शेफ साथ ले गए थे

रावलपिंडी, 30 नवंबर (एजेंसियां)। बीमार पड़ने वाले खिलाड़ियों में बेन स्टोक्स और जेम्स एंडरसन भी शामिल हैं।

करीब 17 साल बाद टेस्ट सीरीज खेलने पाकिस्तान पहुंची इंग्लैंड की क्रिकेट टीम संकट में घिर गई है। 1 दिसंबर से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है और इंग्लैंड टीम के 14 मेंबर बीमार पड़ गए हैं। बीमार पड़े सदस्यों में आधे खिलाड़ी हैं और बाकी सपोर्ट स्टाफ बताए जा रहे हैं।

वायरल से संक्रमित हुई इंग्लिश टीम

शुरुआत में खबर आई कि इंग्लैंड टीम के सदस्य फूड पॉइजनिंग का शिकार हुए हैं। फिर पता चला कि इनको वायरल हुआ है। पाकिस्तानी और इंग्लिश मीडिया ने खबर की पुष्टि कर दी है।

इंग्लिश टीम के प्रवक्ता ने कहा कि टीम के सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं हुए हैं। ये किसी दूसरे वायरस का शिकार हुए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मैच से पहले ज्यादातर खिलाड़ी ठीक हो जाएंगे।

बीमार होने वालों में स्टोक्स और एंडरसन भी

वायरल से ग्रस्त सभी खिलाड़ियों का नाम सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और स्टार गेंदबाज जेम्स एंडरसन इनमें शामिल हैं। बल्लेबाज जो रूट भी बीमार पड़े थे, लेकिन अब वे ठीक हैं और बुधवार को प्रैक्टिस के लिए भी पहुंचे।

फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए शेफ के साथ गई है टीम

इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे खिलाड़ी भारतीय उपमहाद्वीप के दौरों पर अक्सर फूड पॉइजनिंग का शिकार होते रहे हैं। इससे बचने के लिए इंग्लैंड की टीम अपने साथ शेफ लेकर आई है। खिलाड़ी बाहर का खाना खाने से बच रहे थे, लेकिन इस बीच वायरस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

एक मैच भी न जीत सका मेजबान कतर

अब नीदरलैंड ने हराया; गाकपो ने दागा टूर्नामेंट में लगातार तीसरा गोल

खेल डेस्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में मंगलवार को ग्रुप A के मैच में नीदरलैंड ने होम टीम कतर को 2-0 से हरा दिया। अल बेत स्टेडियम में इस हार के साथ मेजबान कतर टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं जीत सका। उसे शुरुआती 2 मैचों में इक्वाडोर और सेनेगल ने हराया। नीदरलैंड के कोडी गोकपो ने 26वें और फ्रैंकी डी जॉन्ग ने 49वें मिनट में गोल दागे।

ग्रुप A में ही सेनेगल ने रोमांचक मुकाबले में इक्वाडोर को 2-1 से हरा दिया। ग्रुप A के सभी मैच खत्म हो चुके हैं। इस ग्रुप से नीदरलैंड और सेनेगल ने राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर लिया। इक्वाडोर इस ग्रुप में तीसरे

और मेजबान कतर ग्रुप में आखिरी स्थान पर रहा। प्री-क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड का मुकाबला 3 दिसंबर और सेनेगल का मुकाबला 5 दिसंबर को होगा।

नीदरलैंड के लिए मैच का पहला गोल कोडी गाकपो ने किया। वह 26वें मिनट में साथी खिलाड़ी डेवी क्लासेन के असिस्ट पर बॉल को कतर के पेनाल्टी बॉक्स में ले गए। यहां उन्होंने डिफेंडर्स और गोलकीपर को छकाते हुए बॉल को नेट में पहुंचा दिया। कोडी गाकपो का यह टूर्नामेंट के 3 मैचों में लगातार तीसरा गोल है। उन्होंने इक्वाडोर और सेनेगल के खिलाफ भी एक-एक गोल स्कोर किए थे।

फर्स्ट हाफ में 1-0 की बढ़त लेने के बाद सेकेंड हाफ में फ्रैंकी डी जॉन्ग ने नीदरलैंड के लिए दूसरा गोल दागा। 49वें मिनट में डच प्लेयर गाकपो बॉल लेकर कतर के पेनाल्टी बॉक्स में पहुंचे। उन्होंने शॉट खेला लेकिन, बॉल कतर के गोलकीपर से टकरा कर डच टीम के ही डी जॉन्ग के पास चली गई। यहां जॉन्ग ने कोई गलती नहीं की और गोल स्कोर किया।

आज के मैच में हार के साथ फीफा वर्ल्ड कप की होम टीम कतर टूर्नामेंट में अपने सभी मैच हार कर बाहर हुई। उन्हें ग्रुप-A के पहले मैच में इक्वाडोर ने 2-0 और दूसरे मैच में सेनेगल ने 3-1 से हराया था। उनके लिए टूर्नामेंट का एकमात्र गोल मोहम्मद मुंतारी ने दागा।

नीदरलैंड ने नहीं दिया कोई चांस

नीदरलैंड की टीम ने कतर को पूरे मैच में कोई भी चांस नहीं दिया। उन्होंने मैच में 13 शॉट लगाए, जिनमें से 4 टारगेट पर थे। कतर मैच में 5 ही शॉट लगा पाया, जिनमें 3 टारगेट पर थे, लेकिन एक पर भी गोल नहीं लगा। नीदरलैंड ने 63% समय बॉल पॉजेशन अपने पास रखा। लेकिन, उन्होंने 19 फाउल और 5 ऑफ साइड किए। कतर की टीम ने मैच में 9 फाउल किए।

सेनेगल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

इक्वाडोर को रोमांचक मुकाबले में हराया, कौलिबली ने दागा डिसाइडर

खेल डेस्क, 30 नवंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को फीफा वर्ल्ड कप में ग्रुप A के आखिरी मुकाबले हुए। इक्वाडोर और सेनेगल के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला खेला गया। इसमें सेनेगल ने 2-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ अब वह अगले राउंड के लिए क्वालीफाई कर गई है। सेनेगल 2014 के बाद प्री क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाला पहला अफ्रीकन देश बना। तब एलजीरिया और नाइजीरिया ने क्वालिफाई किया था।

ग्रुप A में सेनेगल के साथ नीदरलैंड भी अगले राउंड के लिए क्वालीफाई हो गया है। वहीं, इक्वाडोर और कतर का वर्ल्ड कप में सफर खत्म हुआ। मैच में सेनेगल के लिए इस्माइला सार और कालिदौ कौलिबली ने गोल स्कोर किया। वहीं, इक्वाडोर के लिए इकलौता गोल मोइसेस कैइडो ने किया।

ग्रुप A में ही नीदरलैंड ने कतर को 2-0 से हरा दिया। ग्रुप A के सभी मैच खत्म हो चुके हैं। इस ग्रुप से नीदरलैंड और सेनेगल ने राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई कर लिया। इक्वाडोर इस ग्रुप में तीसरे और मेजबान कतर ग्रुप में आखिरी स्थान पर रहा। प्री-क्वार्टर फाइनल में सेनेगल का मुकाबला 5 दिसंबर और नीदरलैंड का मुकाबला 3 दिसंबर को होगा।

सेनेगल ने पहले हाफ में बनाई लीड

सेनेगल ने पहले हाफ में मैच का पहला गोल दागा और लीड बनाई। गोल, टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी इस्माइला सार ने 45+1वें मिनट में किया। उन्होंने पेनाल्टी ली। पेनाल्टी लेते समय सार ने स्लो रनअप लिया और चतुराई से गोलकीपर को झांसा देते हुए बॉटम राइट कार्नर में बॉल को शूट किया। गोलकीपर अपनी ही जगह पर खड़े रह गए।

67वें मिनट में इक्वाडोर ने स्कोर लाइन की बराबर

67वें मिनट में इक्वाडोर के मोइसेस कैइडो ने गोल मारा। इसके बाद स्कोर लाइन 1-1 से बराबर हो गई। मोइसेस कैइडो ने कॉर्नर का फायदा उठाते हुए हेडर लिया और बॉल नेट के अंदर पहुंचा दी।

सेनेगल के कालिदौ कौलिबली ने दागा विजयी गोल

70वें मिनट में कालिदौ कौलिबली ने सेनेगल के लिए विजयी गोल दागा। सेनेगल के खिलाड़ी इद्रिसा गुये ने फ्री किक ली। उन्होंने बॉल को बॉक्स के अंदर पहुंचाया और कौलिबली ने हवा में ही शानदार किक मार कर गोल दागा।

सेनेगल ने खेला अटैकिंग फुटबॉल

सेनेगल पूरे मैच में इक्वाडोर पर हावी रहा। जहां इक्वाडोर ने बॉल को अपने पास ज्यादा रखा। वहीं, कम समय बॉल रखने के बावजूद सेनेगल ने 14 शॉट गोल की तरफ मारे। उन्होंने पूरी तरह इक्वाडोर पर प्रेशर बनाए रखा। इसके साथ ही सेनेगल ने 6 कॉर्नर लिए और इक्वाडोर ने 3 कॉर्नर लिए। इक्वाडोर ने मैच में कुल 23 फाउल किए, जिसका उन्हें नतीजा भुगतना पड़ा। 23 में से 1 फाउल की वजह से ही सेनेगल को गोल करने का मौका मिला।

टीम की हार पर ईरान में जश्न : अमेरिका ने फीफा वर्ल्ड कप में 1-0 से हराया, सरकार के खिलाफ चल रहा प्रोटेस्ट

तेहरान, 30 नवंबर (एजेंसियां)। माशा अमीनी की हत्या का विरोध करती ईरान की फुटबॉल फैन। पुलिस कस्टडी में 16 सितंबर को अमीनी की मौत हुई थी। इसके बाद से वहां सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

कतर में चल रहे फीफा वर्ल्ड कप में मंगलवार देर रात अमेरिका ने ग्रुप-B के मुकाबले में ईरान को 1-0 से हरा दिया। आमतौर पर किसी टीम की हार पर उसके देश में मातम का माहौल होता है लेकिन इस मामले में बिल्कुल उल्टा देखने को मिला।

ईरान के कई शहरों में इस हार के बाद जश्न मनाया गया।

सरकार का विरोध सबसे बड़ा कारण

ईरान में इन दिनों सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। बीते 16 सितंबर को माशा अमीनी नाम की महिला की पुलिस कस्टडी में मौत होने के बाद से इस तरह के विरोध शुरू हुए। माशा पर आरोप था कि उन्होंने हिजाब ठीक से नहीं पहना था। ईरान में महिलाओं को बिना सिर ढके बाहर निकलने की आजादी नहीं है। ऐसा करने पर वहां की मॉरल पुलिस महिलाओं को गिरफ्तार कर सकती है और उससे पूछताछ कर सकती है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि माशा के साथ पुलिस ने टॉर्चर किया, जिससे उसकी मौत हुई। ईरान की हार पर जश्न मनाने वाले लोगों का मानना है कि उनकी फुटबॉल टीम वहां की सरकार को रिप्रजेंट करती है न कि आम लोगों को। तेहरान सहित ईरान के कई बड़े शहरों में लोगों ने सड़क पर निकलकर अमेरिका के खिलाफ मिली हार का जश्न मनाया। ईरान में महिलाएं ताजा विरोध प्रदर्शन में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं।

सीएम केसीआर के सख्त निर्देश के बाद विभागीय अधिकारियों में हलचल

विभागों का पुनर्गठन व अधिकारियों को क्षमता हस्तांतरण पर विशेष ध्यान

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जमीनी स्तर पर कार्यों में तेजी लाने और दक्षता और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास और सड़क और भवन विभागों का एक बड़ा पुनर्गठन किया जा रहा है, जिसमें अधिकारियों को शक्तियों के हस्तांतरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशों के चलते काम में तेजी लाने के लिए आता है, खासकर राज्य के ग्रामीण इलाकों में तेजी आई है। तदनुसार, विभाग अब प्रस्तावित पुनर्गठन पर कार्य योजना बना रहे हैं, विशेष रूप से अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को कम करने, शक्तियों के प्रत्यायोजन और अन्य पहलुओं के लिए।

सड़क और भवन विभाग प्रत्येक अधीक्षण अभियंता के सर्कल क्षेत्राधिकार को मौजूदा 2,500 किलोमीटर से घटाकर 1,500 किलोमीटर करने का प्रस्ताव कर रहा है। इसी प्रकार संभाग वृत्त की सीमा को 1100 किमी से घटाकर 800 किमी करने की योजना बनाई जा रही है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इससे बिना अधिक समय लिए प्रभावी ढंग से मरम्मत सहित कार्यों की बेहतर निगरानी और निष्पादन में मदद मिलेगी। सड़क और भवन मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी ने पहले ही कार्य योजना पर अधिकारियों के साथ बैठक की है, जिसे मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित रोडमैप के अनुसार तैयार किया जा रहा है।

शक्तियों के हस्तांतरण के संदर्भ में, विभाग विशिष्ट बजट कार्यों को विभिन्न स्तर के अधिकारियों को सौंपने की भी योजना बना रहा है।

इसी तरह पंचायत राज एवं ग्रामीण विभाग भी अपने पुनर्गठन की कार्ययोजना बना रहा है। इस पहल के तहत, प्रत्येक जिले में एक अधीक्षण अभियंता (एसई) की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे थे। विचार यह सुनिश्चित करने का था कि एक एसई लगभग छह से सात विधानसभा क्षेत्रों को कवर करे। सड़क कार्यों में तेजी लाने के लिए, विभाग एसई, डीई और एई को संबंधित स्तर पर अनुमान तैयार करने और कार्यों को मंजूरी देने के लिए शक्तियों के आवंटन पर विचार कर रहा है, जैसा कि सिंचाई विभाग में किया जा रहा है।

वर्तमान में, पीआर एंड आरडी विभाग इंजीनियरिंग अनुभाग में, केवल एक मुख्य अभियंता और एक मुख्य अभियंता है। बेहतर प्रशासनिक सुविधा सुनिश्चित करने के लिए विभाग दो और मुख्य अभियंताओं को नियुक्त करने का प्रस्ताव कर रहा है। इन सभी कार्य योजनाओं को शीघ्र ही सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि कैबिनेट की बैठक के दौरान इन योजनाओं पर चर्चा की जाएगी और उन्हें मंजूरी दी जाएगी।

कांग्रेस ने एमएलसी कविता की टिप्पणियों पर नाराजगी जताई

उन्हें बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आज टीआरएस पार्टी एमएलसी के कविता द्वारा पार्टी के खिलाफ की गई टिप्पणियों को गंभीरता से लिया। कविता की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि कांग्रेस पार्टी के सभी नेता तेलंगाना राज्य के गद्दार हैं, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि वह राज्य के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही हैं। उन्होंने कविता को बताया कि यह उनके पिता और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव हैं, जिन्होंने सदन के पटल पर सार्वजनिक रूप से कहा था कि अलग तेलंगाना राज्य के निर्माण के लिए कांग्रेस पार्टी की नेता सोनिया गांधी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह कविता है, जो राज्य में एक शानदार जीवन का आनंद ले रही है और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने यह जानते हुए भी अलग तेलंगाना राज्य के गठन की मांग को स्वीकार कर लिया था कि इसके गठन से दो तेलुगु भाषी राज्यों में पार्टी को राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। कांग्रेस नेता ने कविता को बताया कि कांग्रेस नेता मर्री चन्ना रेड्डी ने उनके जन्म से पहले ही अलग राज्य के लिए आंदोलन किया और उनका मजाक उड़ाया कि उनकी पार्टी की नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनके जन्म से पहले ही बटुकम्मा को ढोया था। उन्होंने कविता को तेलंगाना राज्य के गठन के बाद उनके और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा अर्जित संपत्ति पर बहस के लिए चुनौती दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्ताधारी टीआरएस पार्टी के नेता अपने अतिक्रमण से आवंटित भूमि भी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद के आसपास की 80 प्रतिशत जमीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के पास है। गौड़ ने पूछा कि क्या उन्होंने कभी तेलंगाना राज्य के शहीदों के परिवार के सदस्यों की स्थिति के बारे में सोचा है? उन्होंने उपहास किया कि राज्य के 80 प्रतिशत कैबिनेट मंत्री वे हैं, जिन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के गठन का विरोध किया। उन्होंने उपहास किया कि सत्ताधारी दल की सबसे बड़ी उपलब्धि अधिशेष तेलंगाना राज्य को कर्ज में डूबे राज्य में बदलना है, जिसके सिर पर 5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के गठन के बाद भी राज्य के लोगों का जीवन नहीं बदला और कहा कि सीएम केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों का जीवन सोने में बदल गया है। उन्होंने कविता को चेतावनी दी कि यदि उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की तो राज्य के लोग उनके परिवार को अस्वीकार कर देंगे।

तेज गति से चल रहा है तिरुपति स्टेशन का उन्नयन कार्य

दमरे जीएम ने की रेलवे स्टेशन पर कार्य की प्रगति की समीक्षा

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति रेलवे स्टेशन का एक प्रमुख उन्नयन लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जो यात्रियों को एक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए मंदिर शहर के दोनों ओर से स्टेशन परिसर को एकीकृत करेगा। दक्षिण की ओर आने वाले एक नए प्रवेश द्वार के साथ स्टेशन का पूरा मेकओवर होगा, जबकि रेल यात्रियों को एकीकृत अनुभव प्रदान करने के लिए उत्तर की ओर मौजूदा प्रवेश द्वार को अपग्रेड किया जाएगा। अगले 40 साल तक रेल यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का अपग्रेडेशन किया जा रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने बुधवार को तिरुपति रेलवे स्टेशन पर कार्य की प्रगति की समीक्षा की। स्टेशन के लिए विकास कार्यों का ठेका मैसर्स को दिया गया है। वरिंदरा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, नई दिल्ली ने मई, 30 2022 को ईपीसी मोड के तहत अगले 33 महीनों के भीतर यानी फरवरी 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। तब से, परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए तेजी से काम किया गया है। मीडिया से बात करते हुए, दमरे महाप्रबंधक ने अब तक पूरे किए गए कार्यों का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा कि सामग्री के ढेर के लिए साइट कार्यालय और कंक्रीट प्रयोगशाला और भंडारण शेड स्थापित करने के लिए कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी तरह भूगर्भीय जांच के साथ-साथ पूरे स्टेशन का सर्वे पूरा हो चुका है। जबकि दक्षिण की ओर उपयोगिताओं को पूरी तरह से स्थानांतरित कर दिया गया है, उत्तर की ओर की इमारत में उपयोगिताओं को स्थानांतरित करने की 70% व्यवस्था भी पूरी हो चुकी है। बेसमेंट फ्लोर, जिसमें भूमिगत पार्किंग और अन्य सुविधाएं होंगी, के लिए खुदाई शुरू कर दी गई है और 53,600 घन मीटर (99 प्रतिशत) खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। एजेंसी द्वारा कंक्रीट मिक्स डिजाइन से संबंधित कार्य प्रस्तुत किया गया है और अनुमोदन प्राप्त करने के बाद संबंधित कार्य शुरू किया गया है। बैचिंग प्लांट का निर्माण पूरा हो चुका है और नींव में कंक्रीटिंग का 80% पूरा हो चुका है। बेसमेंट फ्लोर की रिटेनिंग का 30 फीसदी काम पूरा हो गया है, जबकि बाकी हिस्से पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि नींव और दीवारों को बनाए रखने के लिए प्रबलित स्टील का इस्तेमाल किया जा रहा है। महाप्रबंधक ने कहा कि स्टेशन के विकास कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है ताकि इस महत्वपूर्ण स्टेशन पर रेल यात्रियों को सर्वोत्तम बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें. कार्य की प्रगति की सभी स्तरों पर सतत निगरानी की जा रही है ताकि निर्धारित समय में कार्य पूर्ण किया जा सके। अरुण कुमार जैन ने कहा कि एक बार नया स्टेशन परिसर पूरा हो जाने के बाद, रेल यात्रियों (देश के सभी हिस्सों से आने वाले तीर्थयात्रियों सहित) को बेहतरीन आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ स्टेशन पर यात्रा का एक अनूठा अनुभव होगा।

कांग्रेस ने युवाओं से वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने की अपील की

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को युवाओं से 3 और 4 दिसंबर को तेलंगाना राज्य में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) के भाग के रूप में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अल्पसंख्यक विभाग शेख अब्दुल्ला सोहेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों और युवाओं के बीच जागरूकता पैदा कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि हमने सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे अपने क्षेत्रों में एक विशेष अभियान शुरू करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी पात्र व्यक्ति मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को विशेष नामांकन अभियान का लाभ उठाना चाहिए और अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं के रूप में नामांकन के लिए आवेदन जमा करना चाहिए। सभी नागरिक, जो 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हैं और वे भी जो 17 वर्ष से अधिक आयु के हैं, 3 और 4 दिसंबर को अपने निकटतम मतदान केंद्र में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आवेदन पत्र जमा करने में युवाओं का मार्गदर्शन करने के लिए निर्देशित किया गया है। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि एक भी योग्य व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर न रहे। भारत जैसे लोकतांत्रिक समाज में बदलाव लाएं। इसलिए, प्रत्येक नागरिक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह मतदाता सूची में नामांकित है और चुनाव के दौरान बिना असफल हुए अपने वोट का प्रयोग भी करे।

आदिलाबाद में बाघिन और तीन शावकों का आतंक जारी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भीमपुर मंडल के पिप्पलकोटी गांव के पास एक जलाशय में एक बाघिन और उसके तीन शावक देखे गए, जिससे स्थानीय लोगों में बुधवार को दहशत फैल गई। एक ट्रक ड्राइवर ने चौकड़ी का एक वीडियो शूट किया और इसे अपने दोस्तों के साथ साझा किया, जिसकी क्लिप जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि उन्होंने भी मंडल के विभिन्न हिस्सों में कृषि क्षेत्रों और जंगल के किनारों पर पेनगंगा नदी के पार निर्माणाधीन चनाका-कोरता सिंचाई परियोजना के एक पंप हाउस के पास चौकड़ी देखी थी। वन अधिकारियों ने बाघ के पगमार्क दर्ज किए हैं और लोगों से सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के टीपेश्वर वन्यजीव अभयारण्य (टीडब्ल्यूएस) में रहने वाली एक

बाघिन और तीन शावक क्षेत्र और शिकार की तलाश में आदिलाबाद आ गए थे। उनके लिए एक सुरक्षित मार्ग प्रदान करने और मानव हानि को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे थे। उनकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए चार पशु ट्रैकर्स, 10 बेस कैंप वॉचर्स, एक रैपिड रेस्क्यू टीम, तीन टास्क फोर्स के कर्मचारी और विभाग के कर्मचारियों को तैनात किया गया है। वन्यजीव संरक्षण सोसायटी (डब्ल्यूसीएस) और विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) जैसे गैर-सरकारी संगठनों के स्वयंसेवक भी इस अभियान का हिस्सा है। हालांकि, भीमपुर के थम्सी (के), गोलाघाट, पिप्पलकोट, निप्पनी, गुंजला, अरली (टी), धनोरा, गुबिदी, करंजी और कुछ अन्य गांवों के निवासियों और किसानों के लिए मां और शावकों का दिखना चिंता का कारण बन गया है।

इस बीच, टीएसआरटीसी बस के मोटर चालकों और यात्रियों ने दावा किया कि मंगलवार रात बॉम्बेगुडा और पेंचीकलपेट मंडल केंद्र के बीच एक सड़क पर एक बाघ घूम रहा था। किसानों ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को बेजुर मंडल के रेब्बेना गांव में धान के खेत में बाघ के पगमार्क देखे थे। वनकर्मियों ने मौका मुआयना किया और पगमार्क दर्ज किए। क्षेत्र के जंगलों में लगभग तीन बाघ कथित तौर पर रह रहे हैं।

टीएस बीसी आयोग ने की अलग ओबीसी मंत्रालय बनाने की मांग

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी आयोग के अध्यक्ष वी. कृष्ण मोहन राव ने बुधवार को केंद्र से समुदायों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित करने की मांग की। कृष्ण मोहन राव ने यहां राष्ट्रीय बीसी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ओबीसी के कल्याण के लिए एक अलग केंद्रीय मंत्रालय ओबीसी आबादी से संबंधित अधिकांश मुद्दों को हल करेगा। उन्होंने कहा कि एक अलग मंत्रालय विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने और ओबीसी के लिए उपयुक्त नीतियां बनाने के लिए केंद्रीय बजट के माध्यम से धन प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने ओबीसी के कल्याण के लिए 40 लाख करोड़ रुपये के बजट में से केवल 986 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। उन्होंने केंद्र द्वारा जाति जनगणना कराने में अत्यधिक देरी पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की। बीसी जाति संघों के अध्यक्ष बेलापु दुर्गा राव और महासचिव कीर्ति युगांधर उपस्थित थे।

राजस्व अधिकारियों ने पखवाड़े में धरणी पर 44,000 शिकायतों का निस्तारण किया

संगारेड्डी, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धरानी पोर्टल पर अपनी भूमि के मुद्दों के समाधान के लिए शिकायत दर्ज कराने वाले लोगों को एक बड़ी राहत देते हुए, संगारेड्डी राजस्व विभाग ने पिछले पखवाड़े में रिकॉर्ड संख्या में शिकायतों का समाधान किया है। इस समय सीमा में अधिकारियों द्वारा निषिद्ध सूची से 37,000 से अधिक राजस्व सर्वेक्षण उपखंड नंबर हटा दिए गए हैं। चूंकि राजस्व अधिकारियों ने संपूर्ण सर्वेक्षण संख्या को निषिद्ध सूची में रखा था, भले ही एक भी राजस्व विवाद हो, सर्वेक्षण संख्या पर कुल लेनदेन निषिद्ध था। कलेक्टर ए. शरत के निर्देश के बाद, अधिकारियों ने राजस्व विवाद वाले एक को छोड़कर सभी अनुमंडलों को निषिद्ध सूची से हटा दिया। अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) जी वीरा रेड्डी ने कहा कि इससे जिले के हजारों किसानों को बड़ी राहत मिली है। इस बीच, इसके अलावा, राजस्व विभाग ने 15 धरनी वेबसाइट मॉड्यूल से जुड़े 7,000 से अधिक अन्य मुद्दों को भी हल किया है, पखवाड़े के विशेष अभियान के दौरान अधिकांश शिकायतों को दूर किया गया है। अपर समाहर्ता ने कहा कि जिले में 11.11 लाख एकड़ भूमि है जिसमें वन, सिंचाई एवं अन्य शासकीय भूमि शामिल है। हालांकि, धरनी वेबसाइट पर 3.50 लाख पट्टाधार कत्थों पर 8.62 लाख एकड़ जमीन दर्ज की गई थी। रेड्डी ने कहा कि राजस्व विभाग को धरनी की स्थापना के बाद से अब तक 99,752 शिकायतें मिली हैं। वे अब तक 89,556 मुद्दों को हल करने में सफल रहे हैं। शेष 2,327 शिकायतें प्रक्रियाधीन हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने 1.07 लाख राजस्व सर्वेक्षण अनुमंडलों को निषिद्ध सूची में रखा है. इनमें से अब तक एक लाख का निस्तारण किया जा चुका है। शेष 7,500 प्रक्रियाधीन हैं। अपर समाहर्ता ने पट्टधार पासबुक में प्रकाशित गलतियों को सुधार का मौका बताते हुए कहा कि किसान सुधार के लिए टीएम-33 मॉड्यूल का प्रयोग कर आवेदन कर सकते हैं। राजस्व विभाग द्वारा धरनी के माध्यम से पेश की जा रही नई सेवाओं पर किसानों और अन्य भूस्वामियों को शिक्षित करने के लिए, रेड्डी ने कहा कि वे लोगों को उनकी भूमि संबंधी समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए जिले भर के गांवों में बैनर लगाने जा रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टू-बीएचके कॉलोनियों में सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराएगी सरकार : प्रभाकर

संगारेड्डी, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष चिंता प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार 2-बीएचके कॉलोनियों में सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगी। बुधवार को संगारेड्डी और कंडी मंडलों में 425 डबल-बेडरूम घरों को संभालने के बाद लाभार्थियों को संबोधित करते हुए, प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव इतने सारे कल्याणकारी कार्यक्रम लेकर आए हैं, जो देश के बाकी हिस्सों के लिए प्रेरणा बन गए हैं। 2-बीएचके योजना एक ऐसी योजना है जिसे मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किया गया है, जो तेलंगाना में हर बेघर व्यक्ति को सम्मानित घरों में देखना चाहते हैं।

यह कहते हुए कि उन्होंने विधायक के रूप में 2-बीएचके घर की नींव रखी थी, उन्होंने कहा कि बुधवार को घरों का उद्घाटन करना एक सम्मान की बात है। जबकि 96 लाभार्थियों को कंडी के पास 2-बीएचके घर दिए गए हैं, प्रभाकर ने संगारेड्डी मंडल के फसलवाड़ी में अन्य 329 घरों का उद्घाटन किया। लाभार्थियों को उन्हें आवंटित घरों में रहने के लिए

कहते हुए, टीएसएचडीसी के अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारी सप्ताह में एक बार हर घर का निरीक्षण करेंगे। प्रभाकर ने कहा कि जिन 2-बीएचके घरों के आवेदकों को घर नहीं मिला है, उन्हें जल्द ही अपनी जमीन पर घर बनाने में मदद करने के लिए 3 लाख रुपये दिए जाएंगे। उद्घाटन को चिह्नित करने के लिए दोनों कॉलोनियों में एक सामूहिक गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया गया था। चिंता प्रभाकर, कलेक्टर ए शरथ, जिला परिषद अध्यक्ष पी. मंजुश्री, एमएलसी डॉ. वी. यादव रेड्डी, नगरपालिका अध्यक्ष बी विजयलक्ष्मी और अन्य उपस्थित थे।

केजीबीवी छात्रावासों में आईएसटीए के संवैधानिक पदो की भर्ती सही नहीं : श्याम राव

आसिफाबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम जिले भर में इंटरमीडिएट और व्याख्याता पदों की भर्ती में केजीबीवी छात्रावासों में बिना किसी प्रेस विज्ञप्ति जारी किए वे व्याख्याता और गैर-शिक्षण पदों को आईएसटीए संविधान के भीतर भरकर बेरोजगारों के साथ बड़ा अन्याय कर रहे हैं। जिले के केजीबीवी छात्रावासों में इंटरमीडिएट व्याख्याता के पदों को भर्ती करते समय कम से कम गजट विज्ञापन देने की आवश्यकता है। इसकी अनदेखी कर जिले के अधिकारी मनमर्जी से पद भर रहे हैं। इसलिए डीवाईएफआई के रूप में भारतीय प्रजातंत्र युवजन समाख्या मांग कर रहा है कि जिले में भरे गए पदों को फिर से अधिसूचित करने और बेरोजगारों को नौकरी देने के लिए जिला कलेक्टर पहल करें। कार्यक्रम में जिला सहायक सचिव गेदम टीकानंद, चपिडी शिवा, पुरुषोत्तम और तालापल्ली राजेश्वर शामिल हुए।

हैदराबाद में 1020 नई बसें जोड़ेगी टीएसआरटीसी

हैदराबाद, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सार्वजनिक परिवहन में सुधार की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए,तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) जल्द ही आने वाले दो से तीन महीनों में शहर में 1,020 नई बसें जोड़ने जा रहा है। जहां पुरानी बसों को हटाकर नई बसें लगाई जाएंगी, वहीं कम से कम 700 सुपर लग्जरी बसों को सिटी बसों में बदला जाएगा। इसके अलावा, निजी संगठनों से 320 इलेक्ट्रिक बसें किराए पर ली जाएंगी। राज्य भर में, टीएसआरटीसी 1,016 नई बसें जोड़ने की योजना बना रहा है। इस बीच, आईटी कॉरिडोर में तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा कई अनुरोध किए जाने के बाद निगम ने हाल ही में रायदुर्ग मेट्रो स्टेशन से आईटी कंपनियों के लिए मिनीबस चलाना शुरू कर दिया है।

अब आंध्र के शिक्षक नहीं करेंगे कोई चुनाव या अन्य ड्यूटी

केवल पढाई-लिखाई पर देंगे ध्यान, बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर

अमरावती, 30 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेशके सरकारी शिक्षकों के पास अब से बच्चों को पढ़ाने के अपने मूल कार्य को पूरा करने के अलावा कुछ नहीं होगा। राज्य सरकार ने "गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों" के लिए शिक्षकों की तैनाती पर रोक लगाते हुए आंध्र प्रदेश के बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार नियम, 2010 में संशोधन किया है। आरटीई अधिनियम के नियमों में संशोधन प्रभावी रूप से शिक्षकों को चुनाव कार्यों, जनगणना कार्य आदि से दूर रखेंगे। स्कूली शिक्षा आयुक्त एस. सुरेश कुमार ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने पहले ही कई शिक्षकों की मंत्रियों और विधायकों के निजी सहायक के रूप में प्रतिनियुक्ति रद्द कर दी है और उन्हें शिक्षण गतिविधियों में फिर से लगा दिया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 27 में गैर-शैक्षिक उद्देश्यों के लिए शिक्षकों की तैनाती पर रोक लगाने की परिकल्पना की गई है। इसके अनुसार, और आरटीई अधिनियम को और मजबूत करने के लिए, हमने

आवश्यक संशोधन किए हैं। परिवर्तनों का उद्देश्य शिक्षकों को उनकी मुख्य शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने और बच्चों की शैक्षणिक उन्नति में सुधार करना है।

आयुक्त ने बताया कि विभिन्न शिक्षक संघों ने सरकार को प्रतिनिधित्व किया था कि शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग केवल शैक्षणिक कार्यों के लिए सीखने के परिणामों में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। शिक्षा रिपोर्ट के वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, कक्षा 3 में केवल 22.4 प्रतिशत बच्चे कक्षा 2 का पाठ पढ़ सकते थे और केवल 38.4 प्रतिशत (गणितीय) घटाव कर सकते हैं। कक्षा 5 में, केवल 39.3 प्रतिशत छात्र एक (गणितीय) योग को विभाजित कर सकते थे जबकि कक्षा 8 में प्रतिशत केवल 47.60 है। सुरेश कुमार ने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश स्टूडेंट लर्निंग अचीवमेंट सर्वे ने छात्रों के बीच "खराब पढ़ने और समझने के कौशल" का खुलासा किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण, 2021 ने यह भी स्थापित किया कि दसवीं कक्षा के छात्रों का औसत प्रदर्शन भाषाओं में 39 प्रतिशत, गणित में 32 प्रतिशत और अंग्रेजी में 49 प्रतिशत है। सुरेश कुमार ने कहा कि शिक्षकों को अपनी मुख्य गतिविधि पर ध्यान केंद्रित करने और सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय समर्पित करने की आवश्यकता है। केवल वही शैक्षणिक परिवर्तन सुनिश्चित करेगा, जिसके लिए राज्य सरकार विभिन्न सुधारात्मक योजनाओं को लागू कर रही है। आयुक्त ने बताया कि राज्य के सरकारी स्कूलों को कक्षा तीन से पुनर्गठित कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप योग्य विषय शिक्षक उपलब्ध कराये गये हैं हम 16,021 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत से माना बदी: नाडु-नेदु (हमारा स्कूल: तब और अब) कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर स्कूल के बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण कर रहे हैं। इसके साथ ही, हम छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए कक्षाओं को डिजिटल में भी बदल रहे हैं। सुधार की पहल के साथ मिलकर, आरटीई अधिनियम, 2009 का प्रभावी कार्यान्वयन, परिवर्तनकारी परिवर्तन और बेहतर सीखने के परिणामों की शुरुआत करने की कुंजी थी। इसलिए शिक्षकों द्वारा गैर-शिक्षण गतिविधियों पर रोक लगाई जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.